बालाघाट
रविवार 22 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 176
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

फैक्ट्री में ब्लास्ट, 10 की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया के डेयजॉन शहर में शनिवार सुबह ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में विस्फोट के बाद आग लग गई। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 59 लोग घायल हैं। हादसे में 4 अब भी लापता हैं। कई कर्मचारी जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूद गए, जिससे वे घायल हुए। आग इतनी भीषण थी कि इमारत का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया और बचाव दल को अंदर घुसने में घंटों लग गए। फायर अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने तेज विस्फोट की आवाज सुनी। इसके बाद आग तेजी से पूरे परिसर में फैल गई। आग बुझाने और राहत-बचाव के लिए 500 से अधिक फायरफाइटर्स, पुलिस और इमरजेंसी कर्मी तैनात किए गए। फिलहाल 4 लापता लोगों की तलाश जारी है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सभी संसाधनों को जुटाकर राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने की गोवर्धन की परिक्रमा

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को परिवार के साथ गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की। राष्ट्रपति मथुरा प्रवास के आखिरी दिन सुबह करीब साढ़े 8 बजे वृंदावन के रेडिसन होटल से दानघाटी मंदिर पहुंचीं। गिरिराज जी के दर्शन किए। दूध से अभिषेक किया। प्रसाद चढ़ाया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी थीं। पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति ने 21 किलोमीटर की गोवर्धन परिक्रमा शुरू की। थोड़ी दूर पैदल चलीं। फिर परिवार संग गोल्फ कार्ट में सवार होकर डेढ़ घंटे में परिक्रमा पूरी की। रास्ते में राष्ट्रपति हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करती रहीं। इसके बाद भारतीय वायुसेना हेलिकॉप्टर से दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। यहां मथुरा सांसद हेमामालिनी भी पहुंचीं। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मु, यूपी के 3 दिन के दौरे पर थीं।

पंजाब सरकार में 144 गाड़ियों की खरीद में घोटाले के आरोप- ईडी कोर्ट पहुंचा मामला

चड़ीगढ़। पंजाब पुलिस के लिए वर्ष 2023 में खरीदी गई 144 गाड़ियों को लेकर गड़बड़ी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले में ईडी की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में याचिका दायर हुई है, जिसमें कार्यकारी डीजीपी, विजिलेंस डायरेक्टर सहित तीन अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से प्रारंभिक साक्ष्य पेश करने को कहा है। जानकारी के अनुसार, यह मामला 144 टोयोटा हिलक्स (मैन्युअल ट्रांसमिशन) वाहनों की खरीद से जुड़ा है।

कुछ ना कहना

एलपीजी संकट : देशभर में एजेसियों पर अब भी सिलेंडर के लिए लग रही लाइनें

देश में 20 प्रतिशत लोग ब्लैक में खरीद रहे सिलेंडर

-4,000 तक ज्यादा देना पड़ रहा, 68 प्रतिशत घरों में समय पर नहीं पहुंच रही गैस

नई दिल्ली। रसोई गैस की कमी के कारण देश में सिलेंडर की कालाबाजारी बढ़ गई है। गैस की कमी और डिलीवरी में देरी की वजह से देश के करीब 20 प्रतिशत परिवारों को ब्लैक में सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। इसके लिए लोगों को एक घरेलू सिलेंडर के 4000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। लोकलसर्किल्स की ओर से जारी सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लैक में सिलेंडर लेने वालों की संख्या पिछले हफ्ते के मुकाबले 6 प्रतिशत बढ़ गई है। सर्वे में सामने आया कि इस हफ्ते 68 प्रतिशत भारतीय घरों को गैस डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा, जबकि पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 57 प्रतिशत था।

ईरान की अमेरिका-इजराइस से चल रही जंग और होर्मुज रूट बंद होने से भारत में गैस का आयात प्रभावित हुआ है। हालांकि, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का कहना है कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। सरकार ने गैस सप्लाई को पारदर्शी बनाने के लिए जो डिजिटल सिस्टम बनाया था, अब उसी का गलत इस्तेमाल हो रहा है। करीब 12 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने धोखाधड़ी वाले एसएमएस मिलने की शिकायत की है। इन मैसेज में दावा किया जा रहा है कि उनका सिलेंडर डिलीवर हो गया है, जबकि उनके घर गैस पहुंची ही नहीं। इस फैंटम डिलीवरी यानी कागजों पर होने वाली डिलीवरी ने ऑफिशियल बुकिंग प्लेटफॉर्म्स पर लोगों का भरोसा कम कर दिया है।

ग्राहकों को 4,000 तक ज्यादा देने पड़ रहे

सर्वे के मुताबिक, गैस की किल्लत की वजह से पिछले हफ्ते के मुकाबले ब्लैक में सिलेंडर लेने वाले 14 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गए हैं। लोग तय रेट से 300 से 4,000 रुपए तक ज्यादा दे रहे हैं। एक मामले में तो रिटायर्ड अधिकारी की हाउसिंग सोसाइटी को कम्युनिटी इवेंट के लिए एक सिलेंडर के 5,000 रुपए तक देने पड़े।

सिर्फ 28 प्रतिशत को ही समय पर मिल रहा सिलेंडर

देश के 328 जिलों के 57,000 लोगों पर हुए सर्वे में सामने आया कि केवल 28 प्रतिशत परिवारों को ही समय पर गैस मिल पा रही है। इस सर्वे में शहर और गांव के 61 प्रतिशत पुरुष और 39 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं, जिनमें से ज्यादातर ने गैस सप्लाई में परेशानी की बात कही। गैस सप्लाई की कमी को देखते हुए शहरी उपभोक्ता अब पाइप वाली प्राकृतिक गैस की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। वहीं, ग्रामीण भारत की स्थिति और भी खराब है। सर्वे बताता है कि सप्लाई न होने के कारण 40 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण आबादी अब भी पारंपरिक बायोमास (लकड़ी और उपले) पर निर्भर है।

सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग

लोकलसर्किल्स अब इस सर्वे की रिपोर्ट केंद्र सरकार और संबंधित मंत्रालयों को सौंपने की तैयारी में है। संस्था ने मांग की है कि गैस की जमाखोरी करने वाले डीलरों और धोखाधड़ी करने वाली एजेंसियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, डिजिटल सिस्टम में आ रही खामियों को दूर करने की भी अपील की गई है ताकि आम आदमी को ब्लैक में सिलेंडर न खरीदना पड़े।

कालाबाजारी रोकने के लिए 4500 छाप मारे

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 सरप्राइज इंस्पेक्शन भी किए। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है और 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसका आवंटन किया गया है।

महाजंग की आग और भड़की... ईरान ने हिंद महासागर में अमेरिका-ब्रिटेन के बेस पर दागीं मिसाइलें, दुबई में जोरदार धमाके, ईरान के ताबड़तोड़ हमलों से बैकफुट पर ट्रंप

जंग खत्म करने की सोच रहा अमेरिका

-ईरान बोला- सिर्फ सीजफायर नहीं, जंग पूरी तरह खत्म होने की गारंटी चाहिए

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस डिएगो गार्सिया पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के तुरंत बाद दुबई में भी एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव होने और जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। हिंद महासागर में युद्ध का ये विस्तार 4 मार्च को अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को डुबाने के बाद हुआ है, जिसमें 85 से अधिक लोग मारे गए थे। ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित संयुक्त अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य बेस डिएगो गार्सिया पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बैकफुट पर आ गए हैं। उनका कहना है कि अब अमेरिका युद्ध खत्म करने की बात पर विचार-विमर्श करेगा। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए सिर्फ सीजफायर काफी नहीं है, बल्कि इसका पूरी तरह अंत होना चाहिए।

ईरानी क्षेत्र से लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित इस ठिकाने पर ये अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ईरान की ओर से दागी गई दोनों मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि एक मिसाइल उड़ान के बीच में ही विफल हो गई, जबकि दूसरी को अमेरिकी युद्धपोत से लॉन्च किए गए इंटरसेप्टर ने हवा में ही तबाह कर दिया। डिएगो गार्सिया चागोस द्वीप समूह में स्थित है और ये अमेरिका-ब्रिटेन का महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा है जो अफगानिस्तान और इराक में अमेरिकी बमबारी ऑपरेशन के लिए स्टेजिंग हब के रूप में इस्तेमाल होता रहा है। ईरान द्वारा डिएगो गार्सिया को निशाना बनाना सैन्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बन गया है। अब तक ये माना जाता था कि ईरान की मिसाइल रेंज सीमित है, लेकिन 4,000 किमी दूर हमला करने की कोशिश ये संकेत देती है कि तेहरान अब यूरोप में स्थित ठिकानों को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। पेंटागन ने फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन रणनीतिकारों का मानना है कि इससे युद्ध का भूगोल पूरी तरह बदल गया है।

जंग खत्म होने की गारंटी चाहिए

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए सिर्फ सीजफायर काफी नहीं है, बल्कि इसका पूरी तरह अंत होना चाहिए। अराघची ने कहा कि यह युद्ध हमारा नहीं है, इसे हम पर थोपा गया है। जब हम अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे थे, तभी हम पर हमला किया गया, जो पूरी तरह गैरकानूनी और बिना उकसावे के था। उन्होंने कहा कि ईरान जो भी कर रहा है, वह आत्मरक्षा के तहत कर रहा है और वह जरूरत पड़ने पर और जितने समय तक जरूरी होगा, अपनी रक्षा करता रहेगा। अराघची ने साफ कहा कि ईरान सीजफायर को स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि वह पिछले साल जैसी स्थिति दोबारा नहीं चाहता। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह युद्ध पूरी तरह और हमेशा के लिए खत्म करने की गारंटी चाहिए, ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति न बन सके।

अराघची ने यूके को दी चेतावनी

उधर, ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कड़ी आलोचना की है। अराघची ने कहा कि स्टार्मर अपने ही लोगों की इच्छा के विरुद्ध जाकर ब्रिटिश ठिकानों को ईरान के खिलाफ आक्रामकता के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे ब्रिटिश नागरिकों की जान खतरे में पड़ रही है और ईरान अपने आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) के अधिकार का इस्तेमाल करेगा। ईरान का मानना है कि ब्रिटेन का ये कदम उसे युद्ध में सीधे तौर पर घसीट रहा है। वहीं, डिएगो गार्सिया पर हमले के बीच संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई में भी तनाव फैल गया है। शहर के कई हिस्सों में धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, जिसके बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया कि एयर डिफेंस सिस्टम ने एक हवाई खतरे को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है।अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वो किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

कमजोर होते रुपये और पयूल की कीमत पर राहुल ने जताई चिंता, कहा

हर जेब पर महंगाई का असर पड़ना तय

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया रिकॉर्ड स्तर पर नीचे जा चुका है। कमजोर होते जा रहे रुपये में लगातार हो रही गिरावट को लेकर राहुल गांधी ने चिंता जताई है। पश्चिम एशिया में वैश्विक ताकतों के टकराव से उपजे तनाव के कारण महंगाई को लेकर आगाह करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर विस्तार से पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, सरकार भले ही हालात सामान्य होने का दावा करे, लेकिन सच्चाई कुछ और है। उन्होंने उद्योग जगत में इस्तेमाल किए जाने वाले ईंधन के महंगे होने का जिक्र करते हुए लिखा कि ये महज आंकड़े नहीं आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी उछाल की आशंका व्यक्त की है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में आने वाले दिनों में दाम बढ़ाए जाने का जिक्र कर लिखा कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे।

शेयर बाजार पर भी असर पड़ेगा

राहुल गांधी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पर सर्वाधिक असर पड़ने की बात भी कही। उन्होंने लिखा,एमएसएमई को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे। आने वाले दिनों में शेयर बाजार पर असर पड़ने का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने विदेशी संस्थागत निवेशकों का भी उल्लेख किया। राहुल ने कहा कि एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए राहुल ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है-- चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। उन्होंने आगे लिखा, मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति- सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है।

राजधानी में ईद-उल-फितर की रौनक

नई दिल्ली। देशभर के साथ राजधानी दिल्ली में आज ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया जा रहा है। शनिवार सुबह से ही ऐतिहासिक जामा मस्जिद में नमाजियों का तांता लग गया। हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर देश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नए परिधानों में सजे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर चेहरा खुशी से दमक रहा था। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी, जो भारतीय संस्कृति के साझा भाईचारे की जीवंत तस्वीर पेश कर रहा था।

मार्शल आर्ट्स और एक्शन फिल्मों के बादशाह चक नॉरिस का निधन

मुंबई। मार्शल आर्ट के दिग्गज और एक्शन फिल्मों के बादशाह चक नॉरिस का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। पर्दे पर अपने दमदार किरदारों और अविश्वसनीय जीवन रक्षा कौशल के लिए मशहूर नॉरिस स्ट्रेंथ के एक ग्लोबल सिंबल बन गए थे। परिवार ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, हालांकि हम परिस्थितियों को गोपनीय रखना चाहते हैं, कृपया जान लें कि वे अपने परिवार से घिरे हुए थे और शांति में थे। उनका निधन कैसे हुआ इस बारे में कोई जानकारी नहीं है परिवार ने इसे मेडिकल इमरजेंसी बताया। वहीं सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। अभिनेता अक्षय कुमार ने भी चक नॉरिस को याद करते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा - एक मार्शल आर्टिस्ट के रूप में बड़े होते हुए, चक नॉरिस को वे ऑफ द ड्रैगन, मिसिंग इन एक्शन और कई फिल्मों में देखना सिर्फ मनोरंजन नहीं था, बल्कि शिक्षा थी। अनुशासन, ताकत और पर्दे पर उनका कंट्रोल, मेरे साथ हमेशा रहेगा। उस प्रेरणा के लिए आभारी हूं जिसने मेरे व्यक्तित्व के एक हिस्से को आकार दिया। बता दें कि अक्षय कुमार भी एक्टर बनने से पहले एक मार्शल आर्टिस्ट थे। इसी वजह से उन्हें इंडस्ट्री में खिलाड़ी कुमार के नाम से जाना जाता है। चक नॉरिस ने भी फिल्मों और टीवी से पहले मार्शल आर्ट्स में अपार सफलता हासिल की थी।

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत की

मिडिल ईस्ट में हमलों की निंदा की, कहा- समुद्री रास्तों का खुला रहना बहुत जरूरी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 22वें दिन शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर बातकर उन्हें ईद और नवरोज की बधाई दी। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। पीएम ने लिखा कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पजशकियान से बात की। हमने उम्मीद जताई कि इस त्योहार के समय मिडिल ईस्ट में शांति और स्थिरता आए। मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत में मिडिल ईस्ट में जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे तेल, बिजली आदि) पर हो रहे हमलों की निंदा की, क्योंकि इससे इलाके की शांति और दुनिया की सप्लाई पर असर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि समुद्री रास्ते खुले और सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है, ताकि व्यापार ठीक से चलता रहे। इसके साथ ही, ईरान में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा में मदद के लिए ईरान का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में जरूरी जगहों पर हो रहे हमले गलत हैं, क्योंकि इससे हालात खराब होते हैं और दुनिया के व्यापार पर असर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि समुद्री रास्ते (जहाजों के रास्ते) सुरक्षित और खुले रहने चाहिए। साथ ही, भारत ने ईरान का धन्यवाद किया कि वहां रह रहे भारतीय लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी ईरानी लोगों को नवरोज की बधाई दी थी और रूस को ईरान का सच्चा दोस्त बताया था।

सामान्य पेट्रोल की कीमतों में नहीं की गई बढ़ोतरी, सिर्फ प्रीमियम श्रेणी में हुई है कुछ वृद्धि

नई दिल्ली। खाड़ी के तमाम देशों में मौजूद पेट्रोल और गैस के बड़े ठिकाने इसका शिकार बने हैं। जिससे बाकी दुनिया की तरह भारत भी प्रभावित हो रहा है। लेकिन सरकार ने पुनः मजबूती के साथ शुक्रवार को राजधानी में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता के माध्यम से कुछ जरूरी तथ्य देश की जनता के सामने रखे हैं। जिसमें केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग-तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि वर्तमान स्थिति में एलपीजी के मामले में हालात पहले की तरह नाजुक ही बने हुए हैं। लेकिन हमारी रिफाइनरियों ने गैस का उत्पादन बढ़ाया है, जिसमें तेल क्षेत्र की तमाम कंपनियों के संयुक्त प्रयासों का अहम योगदान है। एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी भी सामान्य बनी हुई है। उज्ज्वला कनेक्शन वाले श्रमिकों को भी सिलेंडर दिए जा रहे हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। केवल प्रीमियम पेट्रोल की एक श्रेणी में कीमतों में कुछ इजाफा किया गया है। जो हमारे कुल पेट्रोल का 3 से 4 फीसदी है। देश में फिलहाल एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। साथ ही अपनी आवश्यकताओं के मद्देनजर हम खाड़ी क्षेत्र के अलावा दुनिया की बाकी जगहों से भी एलपीजी की खरीद में जुटे हुए हैं।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद उल फितर का त्यौहार

ईदगाहों और मस्जिदों में अदा की गई ईद की नमाज, लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सेवईयों में लिपटी मोहब्बत की मिठास का नाम है ईदउल फितर ,एक माह तक रोजा रख एक अल्लाह की इबादत करने वाले रोजेदारों को अल्लाह का इनाम है ईदउल फितर। ईदउल फितर का यह त्यौहार ना सिर्फ इस्लाम धर्म के सच्चे मायने को बताता है बल्कि यह त्यौहार देश की एकता, अखंडता व आपसी भाईचारे का भी एक बड़ा प्रतीक माना गया है । ईदउल फितर का यहां त्यौहार शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा धार्मिक मान्यता के अनुरूप मनाया गया।

ईदगाहो और मस्जिदों में अदा की गई ईद की नमाज

शनिवार 21 मार्च को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों की विभिन्न ईदगाह और मस्जिदों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा ईद उल फितर की नमाज अदा की गई ।जहां ईद के खुदबे के साथ इमाम ने ईद उल फितर की नमाज पढ़ाई, वही सामूहिक रूप से दुआएं मांगी गई। जिसके तुरंत बाद लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद पेश की। नगर में जामिआ नूरिया मदरसा सहित अन्य मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई ,तो वही ईद की नमाज पुलिस लाइन मैदान स्थित ईदगाह में सामूहिक रूप से अदा कराई गई। नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर स्थित जामिआ नूरिया मदरसा में मौलाना आफताब साहब, तो वही पुलिस लाइन स्थित ईदगाह में हाफिजों कारी मौलाना समशिर ए हक मिस्बाइल साहब,ने ईद की नमाज पढ़ाई जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों का भारी जन सैलाब देखने को मिला।सभी ने ईदगाह और जामिया नूरिया मदरसे में पहुँचकर सामाजिक बन्धुओ से मुलाकात कर उन्हें ईद की बधाइयां दी। जिसके उपरांत सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों ने एक दूसरे से मुलाकात कर मीठी सेवईयो का आनंद लिया। वही पर्व विशेष की बधाइयां दी। जहां बधाईयो का यह दौर सुबह से लेकर देर रात तक देखा गया ।

गरीब बेसहारों की मदद ही असली ईद हैं

ईदगाह सहित नगर की तमाम मस्जिदों में अदा की गई ईद उल फितर की इस विशेष नमाज के पूर्व तमाम मस्जिदों के इमामो ने,अपने ब्यान में गरीब बेसहारों की मदद करने को, ईद के असली मायने बताए। जिन्होंने अपने बयानों में सभी लोगों को मिलजुल कर रहने, नियम कानूनों का पालन करने, गरीब बेसहारों की मदद करने की बात कही।उन्होंने कहा कि आज वह दिन है जिस दिन का इंतजार कई गरीब बेसहारा यतीम लोग करते हैं। उन्हें उम्मीद होती है कि कोई उन्हें भी अपनी इस ईद की खुशी में शामिल करें इसीलिए चाहिए कि सबसे पहले ईद की खुशियों में गरीब यतीम बेसहारों को याद किया जाए, उनकी मदद की जाए, उनकी जरूरतों को पूरा किया जाए यही ईद के सच्चे मायने हैं। दिखावे के लिए कोई काम करना शिर्क में शामिल होगा। वही इमामो ने ईद उल फितर का वाकया बयान कर नमाज अदा कराई ।और सामूहिक दुवाए कर लोगो ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की बधाइयां दी।

सोशल मीडिया पर छाई रही बधाइयां

उधर शुक्रवार की तरह ही शनिवार को भी सामाजिक बंधुओ ने एक दूसरे को बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का जमकर उपयोग किया। जहां फोन कॉल, टैक्सट मैसेज, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ईमेल, जीमेल सहित सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म पर लोगों ने एक दूसरे को ईद की बधाइयां दी ।साथ ही अपने बधाई संदेशों में ईद मुबारक को लेकर तरह-तरह के फोटोग्राफ्स वीडियो और वॉइस मैसेज एक दूसरे को भेज कर ईद की बधाइयां दी गई।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

ईद उल फितर के इस खास मौके पर पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज और पर्व विशेष को लेकर जगह-जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां ईदगाह सहित नगर की तमाम मस्जिदों के बाहर पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद नजर आए, तो वही सुबह से लेकर देर शाम तक मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में पुलिस जवान सुरक्षा में लगे रहे। वही शांतिपूर्ण तरीके से हर साल की तरह इस साल भी ईद उल फितर का यह पर्व संपन्न किया गया।

सामूहिक रूप से की गई अमनो अमान की दुआएं- हाजी फारुख

पुलिस लाइन स्थित ईदगाह में पर्व विशेष को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर हाजी फारुख शेख ने बताया कि माहे रमजान के एक माह रोजा रखने के बाद ईद का पर्व मनाया गया है। इसके अलावा सामूहिक रूप से आपसी भाईचारा देश की तरक्की की दुआएं मांगी गई है ताकि इस देश में आपसी भाईचारा बना रहे देश तरक्की करें। इसमें अमनो अमान कायम रहे यही हमारी दुआएं हैं।

बुट्टा हजारी में राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम, मेधावी छात्र व सेना में चयनित युवाओं का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुट्टा हजारी में राष्ट्रभक्ति और युवा जागरण को समर्पित एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को स्मरण करते हुए युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सेवा भाव को जागृत करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेवा निवृत्त सैन्य अधिकारी तोमेश्वर राहंगडाले ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। यदि युवा वर्ग राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर आगे बढ़े, तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने राष्ट्र सर्वप्रथम के सिद्धांत को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिक्षा और राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। जिले में 10वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली छात्र जय बघेले को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही भारतीय सेना में चयनित पांच नवयुवाओं मधु ठाकरे, अक्षय राहंगडाले, दीपक पटले, नेहा ठाकरे एवं नितिन पटले को सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले द्वारा सम्मानित किया गया। इन युवाओं को क्षेत्र और जिले के लिए गर्व का विषय बताते हुए उपस्थित जनसमुदाय ने उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा के शुभ आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति का माहौल बना रहा और युवाओं में उत्साह देखने को मिला। आयोजन के अंत में यह विश्वास व्यक्त किया गया कि सम्मानित सभी युवा राष्ट्र सर्वप्रथम के मूलमंत्र को अपनाते हुए देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

कटंगी में एक शख्स ने दिखाई रंगदारी

गुपचुप का पैसा मांगने पर, गुपचुप बेचने वाले और उसके बेटे के साथ की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने के ग्राम कटंगी के गांधी चौक में गुपचुप खाने के बाद एक शख्स ने रंगदारी दिखाते हुए गुपचुप का पैसा मांगने पर गुपचुप बेचने वाले और उसके बेटे को मारपीट कर दिया और गुपचुप का पैसा मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में इकु पांचे और उसके पिता रंगलाल पांचे के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार ग्राम कटंगी निवासी पुरुषोत्तम सोलंकी 62 वर्ष अपने गांव के गांधी चौक में गुपचुप का ठेला लगाकर गुपचुप बेचने का धंधा करते है। 20 मार्च को भी पुरुषोत्तम सोलंकी अपने गांव के चौक में गुपचुप का ठेला लगाकर गुपचुप बेच रहे थे। तभी शाम 7 बजे इकु पांचे और राजाराम लांझेवार गुपचुप के ठेले में आए और गुपचुप खिलाने के लिए बोला, पुरुषोत्तम सोलंकी ने दोनों को 10-10 रुपए के गुपचुप खिलाया और उसके बाद उसने इकु पांचे से गुपचुप के रुपए देने के लिए बोला तभी इकु पांचे आवेश में आ गया और उसने पुरुषोत्तम सोलंकी को बोला कि किस बात के पैसे मांग रहा है। कहकर वह पुरुषोत्तम सोलंकी को अश्लील गालियां देने लगा और गुपचुप का पैसा मांगने पर हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा था।झगड़ा का बीच बचाव करने पुरुषोत्तम सोलंकी का बेटा पवन सोलंकी आए तो उसे भी इकु पांचे मारपीट कर दिया इसी समय इकु पांचे का पिता रंगलालपांचे भी वहा पर आ गया और उसने पुरुषोत्तम सोलंकी के लड़के पवन सोलंकी को हाथ बुक्के से मारपीट कर दिया चिल्लाने को आवाज सुनकर चौक के लोगों ने दौड़कर बीच बचाव किये। इसके बाद उन दोनों पिता पुत्र ने दोबारा गुपचुप का पैसा मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। जिसके बाद पुरुषोत्तम सोलंकी अपने बेटे पवन के साथ रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचे। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में इकु पांचे और उसके पिता रंगलाल पांचे के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज का जांच शुरू की है।

फुटवियर एवं फैशन डिजाईनिंग के स्नातक कोर्स में प्रवेश के लिए 10 मई को छिंदवाडा में होगी परीक्षा

प्रवेश परीक्षा में शामिल होने 20 अप्रैल तक कर सकते है ऑनलाईन आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफ.डी.डी.आई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा ऑल इंडिया सिलेक्शन टेस्ट (ए आई एस टी) 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस परीक्षा के माध्यम से देशभर के एफडीडीआई संस्थानों में डिज़ाइन और प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले के सभी हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि इस परीक्षा में जिले के अधिक से अधिक छात्रों को शामिल होने के लिए उनके फार्म भरवाए।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि एफडीडीआई संस्था आईआईटी के समकक्ष एक प्रतिष्ठित संस्थान है। इस संस्थान द्वारा 04 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसमें प्रवेश लेने पर अनुसूचित जाति विद्यार्थी वर्ग के छात्र छात्राओं को 04 साल में 04 लाख 75 हजार रुपए की छात्रवृत्ति जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी। इस संस्थान के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 को एफडीडीआई ईमली चौक नागपुर रोड छिंदवाडा में आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी 20 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा के बाद मेरिट सूची एफडीडीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी तथा चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 26 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के माध्यम से बैचलर ऑफ डिज़ाइन (फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन) और बैचलर ऑफ डिज़ाइन (फैशन डिज़ाइन) जैसे चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए किसी भी संकाय से 12वीं उत्तीर्ण या अध्ययनरत अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज) तथा मास्टर ऑफ डिज़ाइन (फैशन डिज़ाइन) जैसे दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए किसी भी संकाय से स्नातक उत्तीर्ण या अध्ययनरत अभ्यर्थी पात्र होंगे। आवेदन शुल्क अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 300 रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के लिए 600 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त पोर्टल एवं जीएसटी शुल्क 23.60 रुपये का भुगतान भी करना होगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत नगपुरा जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

क्रमांक - क्यू /2026 दिनांक 15.03.2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत नगपुरा में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, विबी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 05 वां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, गौण खनिज मद, स्वकाधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेंस ग्रांट फंड, पंचायत क्षेत्र में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 15/03/2026 से 30/03/2026 तक मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत नगपुरा में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें और 01/04/2026 को मुहरबंद निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी।

टीप: निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्रीमती अनीता लिल्हारे - सरपंच
अभिषेक अवधिया - सचिव
विजय तरवरे - रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत नगपुरा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

कार्यालय जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्र./810/ज.पं./मु.मं.क.यो./2026 लालबर्रा, दिनांक 18.03.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2026-27 में लगने वाली सामग्री (1) टेन्ट सामग्री (2) भोजन सामग्री की एमपी ई-टेण्डर पोर्टल (www.mptenders.gov.in) के माध्यम से निविदाएं अर्हताधारी प्रतिष्ठानों / फर्मों से दिनांक 20.03.2026 शाम 05.00 बजे से दिनांक 10.04.2026 शाम 05.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। पोर्टल से प्राप्त निविदा को खोलने की कार्यवाही दिनांक 13.04.2026 समय अपराह्न 02.00 बजे निविदाकर्ताओं के समक्ष गठित कार्यालयीन समिति द्वारा की जाती है।

नोट-निविदा से संबंधित समस्त जानकारी एवं निविदा की शर्तें ऑनलाइन पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत लालबर्रा
जिला बालाघाट म.प्र.

राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलम्पियाड प्रतियोगिता के लिए जिले के 04 छात्र-छात्रायें ग्वालियर रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में आयोजित ओलम्पियाड प्रतियोगिता के अंतर्गत जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिले में जन शिक्षा केन्द्र एवं जिला स्तर पर आयोजित ओ.एम.आर. आधारित इस प्रतियोगिता में कक्षा 2 से 8 तक के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक कक्षा एवं विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कुल 32 विद्यार्थियों का सम्मान समारोह 18 जनवरी 2026 को कलेक्टर सभागार में आयोजित किया गया था। इन्हीं में से 4 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलम्पियाड के लिए हुआ है, जो 22 से 23 मार्च 2026 तक ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है। 21 मार्च को बालाघाट से चयनित छात्र अपने पालकों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ ए.पी.सी. अकादमिक श्री विवेक गुप्ता के मार्गदर्शन में ग्वालियर के लिए रवाना हुए। चयनित छात्र-छात्राओं में कक्षा 5 के खुशांत कुम्भलवार, कक्षा 4 की कु. आर्या पटले, कक्षा 3 के प्रियांश कटरे एवं कक्षा 2 की कु. श्री रहांगडाले इन विद्यार्थियों के साथ उनके पालक एवं मार्गदर्शी शिक्षक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने उनकी तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला शिक्षा केन्द्र के डी.पी.सी. श्री जी.पी. बर्मन, बी.आर.सी. वारासिवनी श्री शरणागत एवं बी.आर.सी. कटंगी श्री हरिनखेड़े ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि न केवल बालाघाट जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

दुकान बेचना है
शहर के मध्य प्राइम लोकेशन हनुमान चौक श्याम मॉल की अपर ग्राउंड फ्लोर की फ्रंट की तीन शटर वाली दुकान नंबर 5 बेचना है।
संपर्क-9425391870

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी 12वीं पास युवती की आवश्यकता है,
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें।
वेतन-12000+
मिलने का समय
शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बायरेचा टिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (म्प्र)
मो. 9244872544/9201340520

आवश्यकता है
ऑफिस एकाउंट/ ऑडिट कार्य हेतु 10वीं, 12वीं, बी.काम. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण युवक/युवती की आवश्यकता है
मिलने का समय शाम
5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
-संपर्क-
बायरेचा टिजारे एण्ड एसोसिएट्स
, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड बालाघाट (म्प्र)
मो. 9244872544/9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 22 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खस्ताहाल बालाघाट-सिवनी मार्ग के विरोध में 23 मार्च से जन आंदोलन की शुरुआत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले को सिवनी से जोड़ने वाली लगभग 90 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क इन दिनों अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण इस मार्ग पर सफर करना जोखिम भरा हो गया है। आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है और कई परिवार प्रभावित हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में गहरी चिंता और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। इस गंभीर समस्या को लेकर युवा विचार मंच के बैनर तले युवाओं ने आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। संगठन द्वारा लगातार बैठकें, जनसंपर्क और हस्ताक्षर अभियान चलाकर गांव-गांव तक पहुंचते हुए लोगों को इस जन आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आंदोलन के पहले

चरण की शुरुआत 23 मार्च से बरघाट में की जाएगी।

इसी क्रम में शनिवार को बालाघाट मुख्यालय के गर्रा स्थित एक रेस्टोरेंट में बैठक आयोजित कर आंदोलन की रूपरेखा साझा की गई। इस दौरान युवाओं ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया। युवा विचार मंच के अध्यक्ष देव पंवार, सचिव राजेन्द्र ठाकुर, आशीष पंद्र और संतोष राहंगडाले ने बताया कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि इस पर चलना मुश्किल ही नहीं, बल्कि जानलेवा बन गया है। जगह-जगह बड़े गड्ढे, साइड सोल्डर का अभाव और संकरे मार्ग के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मार्ग राष्ट्रीय स्तर का होने के बावजूद लंबे समय से उपेक्षित है। कई बार शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधियों विधायक और सांसद को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। साथ ही संबंधित निर्माण एजेंसी एमपीआरडीसी पर भी लापरवाही का आरोप लगाया गया है। युवा विचार मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि 23 मार्च को बरघाट नगर परिषद मैदान में दोपहर 12 बजे से जन आंदोलन किया जाएगा, जिसके बाद प्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि इसके बाद भी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए लालबर्रा और फिर बालाघाट जिला मुख्यालय में बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। युवाओं ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन क्षेत्र की जनता की सुरक्षा और बेहतर सड़क निर्माण की मांग को लेकर किया जा रहा है, जिसमें सभी वर्गों के लोगों से सहयोग की अपील की गई है।

मंदिर में आग का सच, आस्था की पूजा बनी हादसे की वजह

मनोकामना पूर्ति के लिए जलाए दीपक से लगी थी आग, दो लोग पहुंचे थे मंदिर, पुलिस ने किया खुलासा

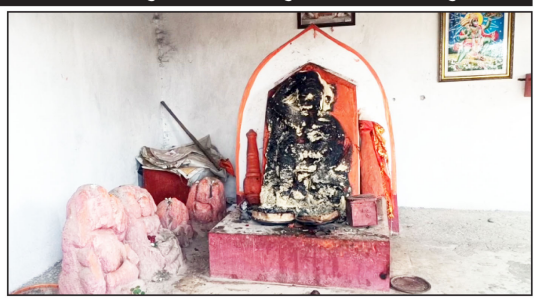

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्थानीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कटंगी क्षेत्र के हनुमान मंदिर में हुई हालिया घटना को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा को किसी ने जानबूझकर आग नहीं लगाई थी, बल्कि यह घटना मनोकामना की पूजा करने के दौरान हुई थी। दो व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पंडित के कहने पर सवा किलो घी और आटे के दीए जलाकर पूजा की जा रही थी। एक व्यक्ति संतान प्राप्ति की इच्छा से और दूसरा परिवार में नौकरी व सुख-समृद्धि की कामना को लेकर पूजा कर रहा था। उन्होंने बताया कि पूजा के दौरान जलाए गए दीयों और अधिक मात्रा में घी के कारण प्रतिमा में आग लग गई थी, एसपी ने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी भी प्रकार से धार्मिक भावना को आहत करने वाली और जानबूझकर की गई हरकत नहीं थी।

नव निर्मित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 21 मार्च को आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने थाना कटंगी क्षेत्र के ग्राम जाम स्थित सार्वजनिक हनुमान मंदिर में हुई आगजनी की घटना का खुलासा किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 16 और 17 मार्च की दरम्यानी रात हनुमान मंदिर में आग लगने की घटना सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कटंगी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई थी। घटना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में तीन विशेष जांच टीमों का गठन किया गया। टीमों ने ग्राम जाम सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापक पूछताछ की, मंदिर के पुजारियों एवं ग्रामीणों से जानकारी जुटाई और हर संभावित पहलू से जांच की। साथ ही तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान यह सामने आया कि घटना के समय क्षेत्र निवासी आनंद चौधरी (44 वर्ष) मंदिर परिसर के आसपास मौजूद था। तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ में उसने बताया कि वह संतान प्राप्ति की इच्छा से धार्मिक अनुष्ठान कर रहा था। इसके लिए उसने चित्रकूट के एक पंडित से सलाह ली थी, जिन्होंने उसे विशेष विधि से रात्रि में हनुमान मंदिर में दीपक जलाकर पूजा करने का सुझाव दिया था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आनंद चौधरी ने अपने मित्र विनोद डहरवाल को भी उक्त पंडित से मिलवाया था। पंडित द्वारा दोनों को सोमवार और मंगलवार की रात सवा किलो घी और आटे से दीपक बनाकर हनुमान जी के समक्ष जलाने का उपाय बताया गया था। पंडित के बताये अनुसार 16 और 17 मार्च की रात दोनों आरोपी अलग-अलग सवा किलो घी और आटा लेकर मोटरसाइकिल से ग्राम जाम स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने आटे के दीपक जलाकर पूजा-अर्चना की और वहां से चले गए। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि इन्हीं दीपकों के कारण मंदिर में आग लगी। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर गंभीरता से जारी है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या अप्रमाणिक जानकारी साझा न करें, अन्यथा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रकार हुई थी घटना

प्रेस वार्ता में मौजूद दोनों व्यक्तियों आनंद चौधरी और विनोद डहरवाल ने भी घटना की पूरी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि वे चित्रकूट के एक पंडित के संपर्क में आए थे, जिन्होंने उन्हें संतान प्राप्ति, बच्चों की पढ़ाई में सफलता (नीट परीक्षा) और घर में सुख-शांति के लिए विशेष मनोकामना पूजा करने की सलाह दी थी। कटंगी क्षेत्र के कालीमाटी-टेकाड़ी निवासी आनंद चौधरी, जो पेशे से बैंक मैनेजर हैं, और उनके मित्र सिवनी जिले के पिपरवानी निवासी विनोद डहरवाल को पंडित द्वारा अमावस्या की रात विशेष पूजा करने के निर्देश दिए गए थे। पंडित के बताए अनुसार दोनों ने 16 और 17 मार्च की दरम्यानी रात सवा किलो घी और आटे से बड़े दीपक तैयार किए और रात करीब 12 बजे कटंगी क्षेत्र के जामेश्वर मंदिर परिसर स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने विधि-विधान से मनोकामना पूजा करते हुए दीपक जलाए। दोनों ने बताया कि पंडित ने उन्हें पूजा के बाद पीछे मुड़कर न देखने की बात कही थी, जिसके चलते वे दीपक जलाकर तुरंत वहां से चले गए। इसके बाद वे शिरडी के लिए रवाना हो गए। बाद में जब उन्हें मंदिर में आग लगने की जानकारी मिली, तब तक मामला गंभीर रूप ले चुका था। भय के कारण उन्होंने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। हालांकि, पुलिस द्वारा मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए पूरे मामले का खुलासा कर लिया गया। दोनों व्यक्तियों ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार की हानि पहुंचाना नहीं था, बल्कि धार्मिक आस्था के चलते यह कार्य किया गया था।

कुंवारी युवतियों व सुहागिन महिलाओं ने की विधि-विधान से गणगौर पूजा

पति की दीघ्रायु व परिवार की सुख-समृद्धि का मांगा आर्शीवाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अग्रवाल समाज द्वारा नगर मुख्यालय में शनिवार 21 मार्च को कुंवारी युंवतियों व सुहागिन महिलाओं ने उपवास रख विधि-विधान के साथ गणगौर पूजा-अर्चना की है। इस अवसर पर व्रतधारी युवतियों ने जहां अच्छा वर मिलने की मनोकामना को लेकर गणगौर की पूजा की तो वहीं सुहागिन महिलाओं ने पति के बेहतर स्वास्थ्य, दीघ्रायु व सुख समृद्धि की कामना कर गणगौर पर्व मनाया हैं। इसके उपरांत नगर के काली पुतली चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर से सामाजिक बन्धुओं द्वारा गणगौर शोभा यात्रा निकाली गई, बैंड बाजे व झांकियों के साथ निकाली गई यह शोभायात्रा हनुमान मंदिर से पीजी कॉलेज होते हुए अंबेडकर चौक,और वहां से सीधे मोती तालाब उद्यान पहुंची। जहां पर भगवान शंकर माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना कर गणगौर का विसर्जन किया गया।

भगवान शिव और माता पार्वती के नाम से मिलकर शब्द बना है गणगौर

गणगौर पूजा को लेकर सामाजिक बंधुओं ने बताया कि गणगौर पर्व, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का दिन है। यह त्योहार राजस्थान और मध्य प्रदेश में ज्यादा मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि गणगौर शब्द, भगवान शिव और पार्वती के नाम से मिलकर बना है। गण का मतलब है शिव और गौर का मतलब पार्वती होता है।

माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए की थी कठोर तपस्या

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, माता पार्वती ने भगवान शिव को अपना पति मानने के लिए कठोर तपस्या की थी ।माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी माना था कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह भगवान शंकर के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्योहार मनाया जाता है ।जहा पर्व के दौरान 16 दिनों भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की गणगौर विसर्जन शोभायात्रा आज

सर्व राजस्थानी समाज के तत्वाधान में आयोजित गणगौर विसर्जन शोभायात्रा आज 22 मार्च को शाम 4 बजे इतवारी गंज मंदिर से निकाली जाएगी। सर्व राजस्थानी समाज की अध्यक्ष सौ. ज्योति जुगल शर्मा, ने बताया कि सर्व राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित गणगौर महोत्सव विसर्जन शोभायात्रा इतवारी गंज से निकाली जाएगी जो मेन रोड से सराफा चौक, महाराणा प्रताप चौक,सुभाष चौक,महावीर चौक, राजघाट चौक होते हुए काली पुतली चौक,आंबेडकर चौक होते हुए फिर मोती गार्डन पहुंचेगी, जहां गणगौर का मोती तालाब में विसर्जन किया जाएगा।

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता

जबलपुर और सतना ने जीते मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नवसली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में नगर के मुलना स्टेडियम में 16 मार्च से आयोजित अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता में 21 मार्च शनिवार को 2 अहम मुकाबले खेले गए।मध्य प्रदेश फुटबॉल एंव जिला फुटबॉल संघ बालाघाट द्वारा आयोजित इस अंडर 15 यूथ क्लब लीग फुटबाल बॉयज प्रतियोगिता में शनिवार का पहला मैच लायंस फुटबॉल एकेडमी जबलपुर बनाम बॉयज एफसी उकवा के मध्य खेला गया,जो काफी रोमांचक रहा। खेल के 19 मिनट में लायंस के शौर्य शर्मा ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।उधर उकवा की टीम मैच बराबर करने का प्रयास करती रही परन्तु सफलता नहीं मिली।मैच के मध्यांतर तक लायंस एफसी एक गोल से आगे रही।मध्यांतर के पश्चात् दोनो टीम गोल करने का प्रयास करती रही लेकिन सफलता हाथ नही लगी।उधर खेल के अंतिम 10 मिनट पूर्व खेल के 71 मिनट में लायंस एफसी के खिलाड़ी शौर्य शर्मा ने अपने पैरों का जादू दिखाते पुनः दूसरा गोल दाग दिया।इस तरह लाइंस एफसी जबलपुर 2 गोल से विजय हासिल कर प्रतियोगिता के अगले पायदान में प्रवेश किया।

दिलाई।उधर मध्यांतर तक सतना 1 गोल से आगे रही,लेकिन मध्यांतर के पश्चात् सतना के खिलाड़ी राहुल ने दूसरा गोल दागकर खिलाड़ियों में जोश भर दिया। जिनका यह जोश अभी उफान पर ही था कि खेल के 55 मिनट में सतना के खिलाड़ी सचिन ने तीसरा गोल कर टीम को बड़ी बढ़त दिलाई। जहां खेल के 90 मिनट तक रांची की टीम अपने पैरों का जादू नहीं दिखा सकी। जो सतना के खिलाफ गोल दागने के लिए मैदान में काफी जद्दोजहद करती रही, बावजूद इसके भी टीम के खिलाड़ी सतना के खिलाफ एक भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सके। इस तरह सतना सोल्डर सतना 3 गोल से विजय रही। आयोजित प्रतियोगिता में निर्णायक मुस्कान अंजल गौरव प्रिया नीतेस शरद रोहित रेफरी इंचार्ज विनोद शर्मा मैच कमिश्नर चंद्रा मालिक जबलपुर रहे। मैच को सफल बनाने में दिलीप राजपूत गणेश अग्रवाल एंव आशीष पिल्ले की उपस्तिथि सराहनीय रही।

रांची को पटखनी देकर सतना ने 3 गोल से मारा मैदान

उधर प्रतियोगिता में दिन का दूसरा व अंतिम मैच सतना सोल्डर सतना बनाम सांची वॉरियर्स के साथ खेला गया।जहां खेल के 11 मिनट में सतना के खिलाड़ी स्वास्तिक ने रांची के खिलाफ पहला गोल दागकर टीम को बढ़त

ट्रक पेड़ से टकराया- ट्रक चालक और तीन मजदूर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना अंतर्गत बालाघाट रोड पर ट्रक अनियंत्रित होकर रोड किनारे पेड़ से टकरा गया। इस दुर्घटना में ड्राइवर सहित चार लोग घायल हो गए, जिनमें तीन मजदूर शामिल है। 21 मार्च को सुबह 5:00 बजे यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब ट्रक ग्राम खामी का जंगल बांस भरने के लिए जा रहा था। चारों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 मार्च को सुबह 5:00 बजे ग्राम घुसीटोला लामता से ट्रक ग्राम खामी का जंगल बांस भरने के लिए जा रहा था इस ट्रक में ट्रक चालक के अलावा तीन मजदूर भी बैठे हुए थे जैसे ही यह ट्रक लामता से बालाघाट रोड पर निकाला तभी डिपो के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मार्शल कर को साइड देते समय ट्रक चालक से अनियंत्रित हो गया और रोड किनारे पेड़ से टकरा गया। इस दुर्घटना में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया वहीं इस तरह में सवार ट्रक चालक और तीन मजदूर घायल हो गए। चारों घायल जिनमे ट्रक चालक देवीलाल पिता चिंदू लाल उइके 40 वर्ष और तीन मजदूर जिनमे अशोक पिता महिपाल मड़ावी 30 वर्ष, दीपक पिता राधेश्याम उइके 22 वर्ष और नंदकिशोर पिता लाल सिंह वट्टी 40 वर्ष सभी घुसीटोला लामता निवासी है। सभी को लामता के अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

महुआ चुनने गये ग्रामीण की बाघ के हमले से हुई मौत

घटना स्थल पर कार्यवाही करते समय बाघ ने दो बार हमले करने का किया प्रयास, क्षेत्र में दशहत का माहौल

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी वन विभाग एवं पुलिस की टीम

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

म.प्र. राज्य वन विकास निगम लामता परियोजना मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले जंगल क्षेत्र के अंतरा बीट में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां महुआ चुनने गये एक ग्रामीण पर हिंसक वन्यप्राणी बाघ ने हमला कर उसे अपना शिकार बना लिया। जिससे उसकी मौत हो चुकी है, इस घटना के बाद से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। वहीं मृतक की पहचान अंखीवाड़ा आष्टा निवासी 48 वर्षीय अशोक उइके के नाम से हुई है। पुलिस ने घटना स्थल से शव बरामद कर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए शव सौंप दिया है। साथ ही पुलिस, वन विभाग के द्वारा ग्रामीणजनों की मौजूदगी में घटना स्थल पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही थी। तभी हिंसक वन्यप्राणी बाघ उक्त भीड़ पर दो बार हमला करने का प्रयास किया किन्तु वह सफल नही हो पाया है। वहीं भारी भीड़ एवं लोगों की आहट सुनकर वह झाड़ियों में छुप गया है किन्तु उसी क्षेत्र में उसका मुवमेंट बना हुआ है जिससे जंगल से लगे ग्रामों के ग्रामीणजनों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है।

महुआ चुनने गया था ग्रामीण

प्राप्त जानकारी के अनुसार अंखीवाड़ा आष्टा निवासी 48 वर्षीय अशोक उइके शुक्रवार को सुबह महुआ बीनने के लिए जंगल की ओर गया था। लेकिन देरशाम तक वह घर वापस नही आया तो परिजनों को उसकी चिंता हुई और आसपास पतासाजी किये किन्तु कई कुछ पता नही चला। जिसके बाद शाम में अशोक का बेटा एवं कुछ ग्रामीण जंगल की ओर जाकर देखे तो महुआ के पेड़ के पास गमछा खून ने भरा हुआ एवं साइकिल दिखाई दी। जिससे उन्हे शंका हुई कि कुछ हादसा हुआ है, जिसके बाद उन्होने ग्रामीणजनों को जानकारी दी। वहीं रात करीब 9 बजे ग्रामीणजन जंगल पहुंचकर जिस स्थान पर गमछा व साइकिल दिखाई दी थी उसके आसपास खोजबीन की तो नाले के समीप अशोक का आधा शरीर गायब था और उसकी मौत हो चुकी थी। जिसे देखकर वे घबरा गये जिसके बाद वन विभाग व पुलिस को घटना की जानकारी दी। बाघ ने अशोक का शिकार कर उसके शरीर के आधे हिस्से को खा चुका था। शनिवार को सुबह वन विभाग, पुलिस घटना स्थल पहुंची और आवश्यक कार्यवाही कर शव को लालबर्रा अस्पताल लाया गया किन्तु मृतक व्यक्ति का पोस्टमार्टम जिला चिकित्सालय बालाघाट में किया गया है। बताया जा रहा है कि अशोक रोजाना की तरह शुक्रवार को भी जंगल क्षेत्र में महुआ चुनने गया था। इसी दौरान घात लगाकर बैठे बाघ ने उन पर हमला कर दिया। हमले में अशोक की मौके पर ही मौत हो गई। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। जिसके बाद जंगल में उनका क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ और बाघ के शिकार से उसकी मौत हुई है। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है और ग्रामीणजनों ने वन विभाग से बाघ को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़ने एवं मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

कार्यवाही के दौरान बाघ ने किया हमले का प्रयास

वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम शनिवार को मौके पर पहुंची। चौंकाने वाली बात यह रही कि जब टीम और ग्रामीण शव का पंचनामा कर रहे थे। तभी हिंसक बाघ ने वहां मौजूद लोगों पर दो बार हमला करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि बाघ अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाया और लोगों ने शोर मचाकर उसे खदेड़ दिया। इस सक्रियता के बावजूद बाघ की मौजूदगी ने अधिकारियों और ग्रामीणों के पसीने छुड़ा दिये है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाघ को पकड़कर घने जंगल में छोड़े वन विभाग - सुरेन्द्र

सुरेन्द्र पन्दे ने बताया कि अशोक उइके शुक्रवार को सुबह जंगल की ओर महुआ चुनने गया था, लेकिन देरशाम तक वापस नही आया तो उसकी पतासाजी करने जंगल की ओर गये तो नाले के समीप वह मृत अवस्था में दिखाई दिया, जिसका आधा शरीर गायब था यानि की बाघ खा चुका था। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। श्री पन्दे ने बताया कि वन विभाग ने 20 हजार रूपये की आर्थिक मदद की है, लेकिन मृतक परिवार का मुखिया था, जिसकी मृत्यु हो जाने से परिवार को जीविकापार्जन करने में परेशानी होगी इसलिए वन विभाग से मांग है कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा एवं बाघ को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े।

ग्रामीण अकेले जंगल की ओर न जाये - विजय

दूरभाष पर चर्चा में वन परिक्षेत्र अधिकारी विजय कुमरे ने बताया कि शुक्रवार को अंखीवाड़ा निवासी अशोक उइके जंगल क्षेत्र में महुआ चुनने गया था। इसी दौरान बाघ ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो चुकी है। जिसका जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। श्री कुमरे ने बताया कि मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 20 हजार रूपये दिया गया है एवं शासन से 8 लाख रूपये का मुआवजा दिलवाया जायेगा और ग्रामीणजनों को अकेले जंगल की ओर न जाने की हिदायत दी गई है एवं वन विभाग के द्वारा निरंतर उस क्षेत्र में गश्त की जायेगी।

अरूणोदय स्कूल के एक छात्रा का नवोदय में हुआ चयन, दो छात्राओं को मिला 'इंस्पायर अवार्ड'

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिले की अग्रणी शिक्षण संस्थान, अरूणोदय हायर सेकण्डरी स्कूल कनकी ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का लोहा मनवाया है। विद्यालय ने पूर्व वर्षों की गौरवशाली परंपरा को बरकरार

रखते हुए वर्ष 2025-26 की विभिन्न प्रतिष्ठित परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में सफलता के नये आयाम स्थापित किये है। वहीं विद्यालय की होनहार छात्रा कु. सानवी वाहने /आनंदकुमार वाहने ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। सानवी की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में हर्ष का माहौल है, बल्कि विद्यालय का नाम भी गौरवान्वित हुआ है।

विज्ञान के क्षेत्र में मिली बड़ी उपलब्धि

राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में भी विद्यालय की दो छात्राओं ने बाजी मारी है। अपने उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से दो छात्रा का चयन हुआ हैं, जिसमें कक्षा 10 वीं की छात्रा छमिका/लेकेश भोयर (अंग्रेजी माध्यम), कक्षा 8 वीं की छात्रा भूमि/राबिन्स डहरवाल (अंग्रेजी माध्यम) शामिल है जिन्होने विद्यालय का नाम गौरवांवित किया है। उक्त छात्राओं को स्कूल प्राचार्य एवं शिक्षकों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। जिसमें प्राचार्य शिवराज लानगे, वरिष्ठ शिक्षक नरेन्द्र वाहने, गिरीश टेम्भरे, राजेश बिसेन, राजेन्द्र बिसेन, गरिमा सहारे, राजकुमार उर्वेकर, कंचन भोयर, पूजा डहरवाल, सुषमा दुबे, ललिता डहरवाल, रजनी दुबे, अंकिता बनवाले, सलोनी कुर्वे, संगीता परते, आरती पारधी, प्रदीप डायरे, मंजू बिसेन, शारदा चौहान, मंजू राउत, सुलोचना तुमसरे, साहिद रजा खान, टोपेश कावड़े, आकांक्षा नगपुरे, ममता उइके, चंद्रकान्ता बांगरे, लक्ष्मी नागेश्वर, वैशाली चारमोड़े एवं एम. बघेले शामिल हैं।

मिरेगांव में विशाल आदिवासी गोंगो सम्मेलन कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से ग्राम पंचायत मिरेगांव स्थित प्राचीन 'गोडीदेव' स्थल पर 22 मार्च को प्रात: 8 बजे से एक विशाल आदिवासी गोंगो सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में निगरानी समिति के उपाध्यक्ष मुकेश अड़मे ने बताया कि यह आयोजन समाज की प्राचीन धरोहरों के जीर्णोद्धार और युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। 22 मार्च को प्रात: 8 बजे गोंडीदेव स्थल पर पारंपरिक गोंगो (पूजा-अर्चना) की जायेगी। जिसके पश्चात प्रात: 11 बजे से मुख्य अतिथियों एवं विशेष आतिथ्यों द्वारा समाज की संवेधित किया जायेगा। शाम 4 बजे से सामूहिक प्रीतिभोज एवं शाम 5 बजे से गोंडी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री अड़मे ने बताया कि उक्त कार्यक्रम संजय उइके (विधायक, बैहर), श्रीमती अनुभा मुंजारे (विधायक, बालाघाट), दिनेश धुर्वे (अ.जा.वि.प. बालाघाट) के मुख्य आतिथ्य एवं संदेश सैय्याम की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील कार्यक्रम आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

जाम में 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम के बाजार चौक में 22 मार्च को शाम 6 बजे से 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जायेगा। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता 22 मार्च से प्रारंभ होगा। जिसमें पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 71,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 41,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 21,000 रूपये, महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 31,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 21,000 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 11,000 रूपये रखा गया है।

वहीं आयोजित 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का समापन 25 मार्च को समारोहपूर्वक किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ जीएसटी कमिश्नर जबलपुर लोकेश तिल्हारे के मुख्य आतिथ्य, पूर्व मंडी अध्यक्ष सतेन्द्र दमाहे की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर जिलेभर के खेलप्रेमियों व खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष, जाम सरपंच सुरेन्द्र बलोने, उपाध्यक्ष, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि देवराज ठकरेले, कोषाध्यक्ष, सेन समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, मैनेजर राजेश नगपुरे, कोच रमेश चौहान, व्यवस्थापक, पूर्व जनपद सदस्य अशोक नगपुरे, सर्वसमाज अध्यक्ष गनपत तरवरे, कार्यक्रम प्रभारी, समाजसेवी डॉ. कपिल तिल्हारे, सचिव पंडित अखिलेश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

बघोली में माँ कर्मा देवी की जयंती एवं मंदिर का वार्षिकोत्सव आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली स्थित माँ कर्मा देवी मंदिर में साहू समाज के द्वारा 22 मार्च को साहू समाज की कुलदेवी और भगवान श्री कृष्ण की परम भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की जयंती एवं मंदिर का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। चर्चा में साहू समाज के सचिव खेमलाल साहू ने बताया कि 22 मार्च को माँ कर्मा देवी की जयंती एवं मंदिर का वार्षिकोत्सव 22 मार्च को मनाया जायेगा। जिसका शुभारंभ मां कर्मा देवी और भगवान श्री कृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना के साथ किया जायेगा एवं दोपहर 12 बजे डीजे की धुन और मां कर्मा के गीतों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी। जो पूरे गांव का भ्रमण के बाद कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी जहां दोपहर 3 बजे सामूहिक महाआरती, शाम 6 बजे विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है और रात 8 बजे से सिवनी जिले के बरघाट से पधार रहीं प्रसिध्द गायिका उषा-निशा साहू द्वारा भक्तिमय देवी जागरण की प्रस्तुति दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील तेली साहू समाज के अध्यक्ष पन्नालाल समरिते, कोषाध्यक्ष जयराम साठोने, मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष मनोज समरिते, उपाध्यक्ष कृपाशंकर साटोने, सचिव ताराचंद पटले, कोषाध्यक्ष भीवराम साहू, आयोजन समिति अध्यक्ष भूपेंद्र तुलसीकर, सचिव दीपेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष बालकिशन साठोने, मूलचंद लांजेवार, कुशोबा तुलसीकर, तेजराम पटले, डीलेश समरीत, भिवराज समरीत, मुकेश समरीत, रमेश समरीत, शिवलाल लांजेवार, सुबेलाल लांजेवार, रूपलाल लांजेवार, चुन्नीलाल महेरकर, देवराम महेरकर उपसरपंच, अरविंद लांजेवार, रूपचंद अगासे, ओमकार पटले, ताराचंद पटले, प्रेमलाल पटले, हेमराज पटले, पतिराम महेरकर, देवराम महेरकर, रतिराम महेरकर, नेवेद्र महेरकर, गौरीशंकर समरिते, बसंत समरिते, भागचंद लाझेवार, चमरूलाल अगासे, पुनाराम महेरकर, दीपचंद अगासे, विपिन महेरकर, नुपेंद्र लांजेवार, सुमित समरीत, ध्रुव महेरकर, जगदीश महेरकर, कैलाश समरीत, आकाश समरीत, साजेंद्र लांजेवार, जयेंद्र महेरकर, राकेश लांजेवार, हिमांशु महेरकर, विकास समरीत, विशाल समरीत, दुर्गेश पटले, अजय समरीत, विकास अगासे, राजा समरीत जीतेन्द्र लांझेवार योगेंद्र लांजेवार सुजल महेरकर, गगन पटले, गितेश पटले सहित अन्य सदस्यों ने की है।

अमन-चैन की दुआओं के साथ हर्षोल्लास से मनाई गई ईद उल फितर का पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 21 मार्च को मुस्लिम धर्मावलंबियों का पवित्र ईद-उल-फितर का पर्व पूरे अकीदत और उत्साह (हर्षोल्लास) के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ईदगाह एवं मस्जिदों में हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मालंबियों ने खुदा की बारगाह में सिर झुकाया यानि की विशेष नमाज अदा की गई और देश में अमन चैन व खुशहाली की दुआ मांगी गई। जिसके बाद एक-दुसरे से गले मिलकर सभी को ईद पर्व की बधाईयां दिये। साथ ही ईद पर्व की विशेष नमाज के बाद दिनभर बधाईयों का दौर चलता रहा। साथ ही मीठी सेवईयों के स्वाद का सभी ने लुत्फ उठाया।

ईदगाह में गूंजी तकबीर, मोहम्मद रिजवान ने अदा करवाई नमाज

ईद पर्व के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोग प्रात: 8.30 बजे नगर मुख्यालय स्थित जामा मस्जिद में एकत्रित हुए जहां से सभी एक साथ ईदगाह पहुंचे और ईद की विशेष नमाज प्रात: 9 बजे अदा की गई। हाफिज मोहम्मद रिजवान ने लालबर्रा स्थित ईदगाह में नमाज संपन्न करवाई और खुतबा पढ़ा। वहीं नमाज के बाद विशेष दुआ का आयोजन हुआ, जिसमें खुदा से मुल्क की तरक्की, आपसी भाईचारेऔर रहमत की अपील की गई। वहीं दुआ के समापन के बाद ईदगाह परिसर में 'ईद मुबारक' के नारों से गुंज उठा और उपस्थित लोगों ने एक-दुसरे को गले लगाकर ईद पर्व की बधाई दी। वहीं

छोटे बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

रजा मस्जिद में 9.30 बजे ईद की नमाज की गई अदा

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में रजा मस्जिद अमोली में हाजी हाफिज कादिर इरशाद अहमद अशरफी ने प्रात: 9.30 बजे विशेष नमाज अदा करवाई। साथ ही उपस्थित जनसमुदाय को ईद के महत्व के बारे में बताया। वहीं ईद पर्व की विशेष नमाज के बाद आपसी भाईचारे का संदेश देने का सिलसिला प्रारंभ हुआ और एक-दुसरे से गले मिलकर ईद पर्व की बधाईयां दी गई। गौरतलब है कि एक महीने तक अल्लाह की इबादत करने वाले रोजदारो को अल्लाह का ईनाम ईदुलफितर के रूप में प्राप्त होता है। यह त्यौहार हर वर्ष देश में अमन, चैन, एकता व अखण्डता का पैगाम लेकर आता है। उसके साथ ही महीने भर की ईबादत के बाद ईदुलफित का पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 21 मार्च को मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह व मस्जिद में नमाज अदा कर अमन चैन की दुआएं मांगकर ईद का पर्व हर्षोल्लास (खुशियों) के साथ मनाया है।

दिनभर चला बधाईयों का दौर

आपको बता दे कि सेवईयों में लिपटी मोहब्बत की मिठास के नाम है ईद उल फितर और इस माहे रमजान माह में मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा एक माह तक रोजा रखकर रोजेदारों के द्वारा अल्लाह की इबादत की जाती है। साथ ही इस माहे रमजान माह में एक महीने तक मुस्लिम समुदाय के बच्चे से लेकर बड़े लोगों के द्वारा रोजा रखा जाता है और 29 वां एवं 30 वां रोजा

होने के बाद ईद त्यौहार मनाने के लिए चांद दिखने का उन्हे बेसब्री से इंतजार रहता है। वहीं 30 वां रोजा के दिन शुक्रवार की शाम में ईद का चांद नजर आते ही मुस्लिम धर्मालंबियों में खुशियों का माहौल निर्मित हो गया और ईद पर्व को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। साथ ही ईद का चांद दिखने के बाद मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा एक-दुसरे को ईद पर्व की शुभकामनाएं दी गई और शनिवार 21 मार्च को ईदगाह व मस्जिदों में ईद की विशेष नमाज अदा कर देश की अमन चैन बनाये रखने की अल्लाह से दुआएं मांगी गई। जिसके बाद एक-दुसरे से गले मिलकर ईद उल फितर पर्व की शुभकामनाएं दी गई और शुभकामनाएं देने का सिलसिला दिनभर चलता रहा। चर्चा में मुस्लिम समुदाय के पदाधिकारियों ने बताया कि आपसी सद्भावना का संदेश देते हुए ईद-उल-फितर की नमाज अदा करने के साथ ही ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही सभी मुस्लिम भाइयों के द्वारा अल्लाह से देश में आपसी भाईचारा अमनो-अमान की दुआएं की गई और सभी को यह संदेश देना चाहते है कि भाई-चारे के साथ मिल जुलकर रहे।

प्रशासनिक अमला रहा मुस्तैद

ईद त्यौहार के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस बल पुरी तरह से मुस्तैद रहा। नगर मुख्यालय स्थित ईदगाह व रजा मस्जिद अमोली में प्रशासन अमला और पुलिस बल मुस्तैद रहा। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके पर मौजूद रहकर शांति व्यवस्था का जायजा लिया और मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिकों को ईद पर्व की शुभकामनाएं दी।

बुदबूदा के सारइटोले की सीसी सड़क पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

ग्रामीणों ने सीसी सड़क की गुणवत्ता पर जताई आपत्ति, तय मानकों की अनदेखी का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबुदा के सारइटोले में बन रही सीसी सड़क अब विवादों के घेरे में आ गई है। यहाँ चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि सड़क का निर्माण तय मानकों को ताक पर रखकर किया जा रहा है जिससे सड़क ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी। सड़क में घटिया निर्माण सामग्री का निर्माण करते हुए उनके तालमेल पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है ,जिसको लेकर ग्रामीणों ने अपना कड़ा विरोध सड़क में हो रही दिक्कतों पर व्यक्त किया है। वहीं शासन प्रशासन से निर्माणधीन सड़क की जांच कर तय मानक के आधार पर सड़क निर्माण करने की मांग की गई है।

ग्रामीणों ने सीसी सड़क में सुधार करने की मांग

ग्राम बुदबुदा के वार्ड नंबर १०,११,१२ सारईटोला में आता हैं जहां पर ग्रामीणों की सुविधा के लिए ग्राम बुदबुदा वार्ड नंबर १२ साधु राम के घर से सावगी मैन रोड तक सीसी सड़क करीब १३.५५ लाख रुपए की लागत से स्वीकृत की गई है। जो प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण कार्य योजना से स्वीकृत की गई है जिसका कार्य अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यंत्रीकी सेवा उप संभाग वारासिवनी एजेंसी के माध्यम से करवाया जा रहा है। जिसमें सड़क में होने वाली कई खामियों को लेकर सड़क निर्माण के प्रारंभ होते ही ग्रामीण ने विरोध प्रारंभ कर दिया गया। जिसमें उनके द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि सीमेंट और रेत के मिश्रण में अनुपात का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सड़क निर्माण से पहले जो ठोस आधार होना चाहिए वह तकनीकी मापदंडों के अनुसार नहीं है, जल भराव से निपटने के लिए छोटे मोंगे लगाए जा रहे हैं। इस सड़क और बेस दोनों की तराई पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और ना ही १० फीट के अंतराल में थर्माकोल लगाया गया है। इस प्रकार ग्रामीण के द्वारा कहा जा रहा है कि गांव के विकास से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच की जाए, एस्टीमेट के अनुसार ही मटेरियल का उपयोग सुनिश्चित हो, लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार या एजेंसी पर कार्यवाही हो। हमें पक्की सड़क चाहिए ना कि भ्रष्टाचार की भेंट चढी हुई धूल।

सड़क में ना तराई कर रहे है ना कांक्रीट सही डाल रहे है-उमेन्द्र जमरे

उपसरपंच उमेन्द्र जमरे ने बताया कि सीसी सड़क की हमने जांच की तो इसमें चौड़ाई ३ मीटर से ३ इंच कम है। सड़क पर बेसं जो डाला गया है उसकी तराई नहीं की गई है फिर जो ऊपर कांक्रीट बिछाया जा रहा है वह २ से ३ इंच डाल रहे हैं जबकि ४ इंच होना चाहिए। यह रोड़ भविष्य में कभी टूटती है तो एक साथ पूरी रोड फटेगी क्योंकि १० फीट की दूरी में जो थर्माकोल लगाना चाहिए वह भी नहीं लगाया जा रहा है। सड़क जगह जगह से टूटती है परंतु अब सड़क में सीधी दरारें आयेगी।

सड़क बनाने घटिया सामग्री का उपयोग कर रहे है- कचरूलाल पंचतिलक

पंच कचरूलाल पंचतिलक ने बताया कि खनिज मद से यह सीसी सड़क बन रही है इसमें तय मानक के आधार पर ऊंचाई चौड़ाई होनी चाहिए परंतु उसका यहां पालन नहीं हो रहा है। घटिया सीमेंट का उपयोग हो रहा है अत्यधिक रेत मसाले में डाली जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पता चला कि यहां पर केवल सड़क बनाई जा रही है उसकी तराई नहीं कर रहे हैं। जिससे सड़क टिकाऊ होना मुश्किल है विभाग के इंजीनियर दीपक रहाँगडाले से हमने इस संबंध में बात की तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया कर्मचारी बता रहे हैं कि ठेकेदार यहां आया भी नहीं है। हम बस यही चाहते हैं कि नियम अनुसार मार्ग का निर्माण हो गुणवत्ता का ध्यान रखा जायें।

सड़क तो बना रहे है लेकिन पानी निकासी की कोई व्यवस्था नही है-भूमेश्वरी पटले

ग्रामीण भूमेश्वरी पटले ने बताया की समस्या मोंगे की है हमने यहां पर बड़ा मोंगा डालने के लिए कहा था तो छोटा डाल दिया गया है। भविष्य में यहां पर पानी भरेगा तो हम क्या करेंगे हमारी बात को अनसुना कर रहे हैं यहां जल भराव होता है ढलान का भाग है इस कारण से पूरा पानी यही आता है निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं करें है। यह जो सड़क बनाई गई है उसकी तराई भी नहीं हुई है ऊपर में पैरा ढक दिया गया है आगे चलकर ठेकेदार को नहीं हम गांव के लोगों को समस्या होगी आना जाना तो हमें करना है।

सड़क गुणवत्ता विहीन बन रही है-रमेश बनेवार

ग्रामीण रमेश बनेवार ने बताया कि हम नदीटोला रहते हैं यह सड़क सारइटोला में वार्ड नंबर १०,११,१२ के लिए बनाई जा रही है। इसकी गुणवत्ता घटिया है पानी बराबर से नहीं डाला जा रहा है जो बेस किया गया था वह भी पूरा सुखा रख दिया गया था। हम शासन के अधिकारी कर्मचारियों से इस सड़क के निरीक्षण करने की मांग करते हैं। इस विषय पर सरपंच से भी हमारी चर्चा हुई थी वह यहां पर आए थे और गुणवत्ता सुधारने के लिए कहा था परंतु सुधार कुछ नहीं हुआ। यह सड़क ३०० मीटर की है जो सारइटोले में ही बना है आगे कच्चा मार्ग है।

महदोली के फूड प्लांट में भीषण आग ८ लाख का हुआ नुकसान

प्लांट में आग कैसी लगी पता नही-अखिल पटले

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम महदोली स्थित आपूर्ति फूड प्लांट में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में प्लांट में रखी मशीनें और भारी मात्रा में तैयार उत्पाद जलकर खाक हो गए। संचालक के अनुसार इस घटना में उन्हें लगभग ८ से १० लाख रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लांट संचालक अखिल पिता योगेश पटले उम्र ४३ वर्ष शुक्रवार रात करीब ८ बजे काम बंद कर अपने घर वारासिवनी चले गए थे। रात में प्लांट पर कोई मौजूद नहीं था शनिवार की सुबह करीब ८ बजे कर्मचारी गौरीशंकर रहांगडाले ने संचालक को फोन पर सूचना दी कि रात करीब ३ बजे प्लांट में आग लग गई थी। सूचना मिलते ही संचालक तत्काल मौके पर पहुंचे। आग इतनी भीषण थी कि प्लांट में रखा आटा, मैदा और अन्य खाद्य सामग्री के साथ साथ आटा बनाने वाली कीमती मशीनें भी पूरी तरह जल चुकी थीं। मौके पर बची हुई आग को प्लांट में मौजूद बोरखेल की मदद से बुझाया गया। आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। संचालक ने शनिवार को अपने कर्मचारी सुरेंद्र राहंगडाले के साथ थाने पहुंचकर मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आगजनी कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस प्रशासन अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। पीड़ित अखिल पटले ने बताया की मैं ग्राम महदोली हाल मुकाम वारासिवनी में रहता हूँ। मेरी आपूर्ति फूड प्लांट पर रात ८ बजे रात तक था फिर मैं अपने घर चला गया प्लांट से मुझे रात ३ बजे मेरे कर्मचारी गोरीशंकर रहांगडाले ने फोन करके बताया कि प्लांट में आग लग गई है मै तुरंत प्लांट पर पहुंचा तो आटा मैदा व अन्य सामान मशीने जल गई थी। आग लगने से मुझे करीबन ८ से १० लाख रूपये की नुकसानी हुई है। आग कैसे लगी मुझे नहीं पता नहीं ना ही मुझे इसकी जानकारी है। घटना की शिकायत पुलिस थाने में कर दी है पुलिस प्रशासन से मांग है कि वह मामले में बारीकी से जांच कर कार्यवाही करें।

ईदगाह में अदा की गई ईद की नमाज

अमनों अमान की दुआ मांगकर एक-दूसरे को दी बधाई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मुस्लिमान रमजान उल मुबारक के महीने के बाद एक मजहबी खुशी का त्यौहार मनाते हैं। जिसे ईदुल फितर अर्थात ईद कहा जाता हैं। ईद मूल रूप से भाईचारे को बढ़ावा देने वाला पर्व हैं। इस पर्व को सभी आपस में मिल जुलकर मनाने के साथ ही खुदा से सुख शांति और बरक्कत के लिए दुआएं मांगते हैं। वारासिवनी में भी ईद का पर्व २१ मार्च को धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप मनाया गया। जिसमें स्थानीय ईदगाह में ईद की नमाज़ अदा करने सुबह से सभी मुस्लिम भाई एकत्रित होते रहे। जहाँ सुबह ९ बजे सामूहिक रूप से सभी ने नमाज अदा की। जिसमें अमन, अमान के देश की अमन चैन की दुआएं मांगी गई । साथ ही नमाज खत्म होने के पश्चात बच्चे, बड़े, बुजुर्ग सभी ने एक दुसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। पदेश से चर्चा में जामा मस्जिद के अध्यक्ष इकबाल खान ने बताया कि रमजान के तीस रोजे के बाद ईद का त्यौहार मनाया जाता है। ईद का मतलब होता है खुशियां इस अवसर पर सभी से अपील करते है कि एक दुसरे से मिल जुलकर रहे और भाईचारा बनायें रखें। सभी ने एक साथ ईद की नमाज ईदगाह में अदा की बहुत अच्छा लगा। ये जो ईद है एक महीना रोज रख कर नमाज करते है तिलावत करते है तो उसकी उजरत पाने ईद है। यह हमदर्दी भाईचारा अमन का त्योहार है।

अपनों से बिछड़ो को दी सलामी

सामूहिक तौर पर अदा की जाने वाली ईदुल फितर की नमाज़ अदा करने के बाद सभी मुस्लिम भाई अपने घर जाने से पूर्व अपने पूर्वजों व मृतकों की कब्रों पर पहुंचकर उनके हक में दुआएं की। और इस दुआ के साथ ही अपने बिछड़ों को ईद की मुबारक बाद देने के बाद लोगों से ईद मिलने का दौर शुरू हो गया। कब्रस्तान में इत्र और फूलों की खुश्बुओं से महकता रहा और लोगों का मेला लगा रहा। साल में चार ऐसे दौर होते हैं जब सभी मुस्लिम भाई इन कब्रों की जियारत करने के लिये जाते हैं।

दिनभर चला मुलाकात का दौर

ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद पूरे नगर भर में दिन भर मुलाकात का दौर चलता रहा। इस दौरान लोग एक दूसरे के घरों में जाकर ईद की दिली मुबारकबाद देने के साथ ही सेवइयों का भी स्वाद लिया। इस प्रकार से पूरे नगर में लोगों के आने जाने की रौनक के साथ घरों में भी रौनक बनी रही।

भाजपा कार्यालय में दी ईद की बधाई

नगर के भाजपा कार्यालय के सामने इस वर्ष भी मुस्लिम भाईयों को ईद पर्व की बधाई देते हुए उन्हे गले लगाया। इस दौरान ईद की नमाज अदा करने के बाद लोगों का ताता लगा रहा जिन्होंने भाजपा कार्यालय के सामने गले लगाकर शुभकामनाएं दी जाती रही। इस अवसर पर विनय सुराना ,बालू जैवार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विधायक विवेक पटेल ने दी ईद की मुबारकबाद

ईदगाह से ईद की नमाज अदाकर निकले मुस्लिम धर्मावलंबियों को ईदगाह में पहुंचकर विधायक विवेक पटेल ने गले लगाकर ईद पर्व की बधाई दी। विधायक एवं उनके कार्यकताओं ने मुस्लिम भाईयों को गले लगाया और उन्हे ईद पर्व की तहेदिल से शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर विधायक विवेक पटेल ने कहा कि सारे विश्व में ईद का त्यौहार मनाया जाता है। हमारे वारासिवनी में भी हिन्दु मुसलमान मिलकर रस्म अदायगी करते है। इन त्यौहारों को सामुहिक रूप से मनाने से विश्व में जो एकता बनती है वे अपने आप में विश्व में मिशाल है। सभी धर्मों को अपना अपना त्यौहार मनाने की आजादी है।

करेंट लगाकर जंगली सूअर का शिकार करने वाले ४ आरोपी पहुंचे जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वन विभाग के द्वारा वन्यजीवों के शिकार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत वन्यप्राणी सूअर का बिजली के करेंट से शिकार करने के मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों को २० मार्च को न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गटापायली के राजस्व क्षेत्र में एक जंगली सूअर मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। जिसकी जानकारी ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को दी गई जिस पर वन अमले के द्वारा मौके पर पहुंचकर देखा तो ग्राम गटपयाली राजस्व क्षेत्र चंद्र कुमार हरिनखेडे के खेत कि यह घटना थी। जहां पर विभाग के द्वारा बारीकी से जांच की गई उन्हें तार खुटी देखने मिली वहीं जंगली सूअर

की मौत विद्युत करेंट से होना प्रतीत हो रहा था। जिस पर वन विभाग के द्वारा आवश्यक पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक १२७६४/२२ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम १९७२ की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ कर दी गई। मामले में आरोपियों ने अवैध रूप से बिजली के तारों का जाल बिछाकर एक जंगली सूअर का शिकार किया था। वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना और तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर चार आरोपी अशोक पिता समारुलाल, संतोष पिता चोवालाल ठाकरे ,दिलीप पिता टोड उइके तीनो डोमाटोला गटापायली निवासी एवं शिवलाल पिता सादुलाल सेन्द्रे नगपुरा लालबर्रा निवासी को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग की टीम ने जांच और आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के बाद चारों आरोपियों को न्यायालय वारासिवनी के समक्ष प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन को देखते हुए न्यायालय ने आरोपियों की जमानत याचिका नामंजूर कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर उपजेल वारासिवनी भेज दिया है।

सड़क दुर्घटना में बस्तीराम उइके गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। झालीवाड़ा से अंसेरा मार्ग ग्राम बांसी के पास २१ मार्च की रात करीब ७.३० बजे खड़े ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार झालीवाड़ा से अंसेरा मार्ग पर सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से भारी वाहन खड़े रहते हैं जहां आने जाने में दिक्कत बनी रहती है। ऐसे ही बस्तीराम पिता रंगलाल उइके उम्र ४५ वर्ष अंसेरा निवासी प्रिंस उइके के साथ अपने किसी काम से झालीवाड़ा आ रहे थे। तभी रास्ते में अनियंत्रित रूप से ट्रक खड़े हुए थे और विपरीत दिशा से कार आ रही थी। जिसका प्रकाश ज्यादा होने से मोटरसाइकिल चालक साइड समझ नहीं पाया और खड़े ट्रक में मोटरसाइकिल घुस गई। जिससे मौके पर मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तो वहीं चालक बस्तीराम उइके गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिचित लोगों के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां उसका प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया गया।

जल संरक्षण हेतु जागरूक होने की जरुरत

जल जीवन का आधार है। शास्त्रों में सलिल, तोदक, नितंब आदि द्वारा इसका वर्णन किया गया है। जल के साधारण गुण को बतलाते हुए लिखा है कि जल श्रम का नाश करने वाला, बल कारक, तृप्ति कारक, हृदय को प्रिय लगने वाला, अव्यक्त रसयुक्त, नित्य हितकारी, शीतल, लघु, स्वच्छ रस का कारण रूप, अमृत के समान जीवन दायक है। यह मूर्छा विनाशक, वमन, विबंध, निद्रा और अजीर्ण को नष्ट करता है। यह प्राणियों का जीवन रूप है और संपूर्ण जगत जल से भरा हुआ है । रोगों में निषेध होने पर भी सर्वथा उसका ख्याल नहीं करना चाहिए । हारित संहिता में कहा गया है कि तृष्णा अत्यंत भयंकर है क्योंकि तत्काल प्राणों को नष्ट कर देती है । इसलिए तृष्णा से पीडित को जलपान कराना चाहिए । जिससे प्राणि जिंदा रहे अन्यथा तृष्णा से मुंह बंद हो जाता है और वह प्राणों का नाश करने वाला है । जलपान का त्याग कभी भी नहीं करना चाहिए तथा ध्यान रखना चाहिए कि अधिक जल पीने से अन्न की पाचन क्रिया भली प्रकार नहीं होती और जल के न पीने से भी पाचन क्रिया में गड़बड़ी रहती है । अत: मनुष्य को आगे बढ़ाने के लिए थोड़ा-थोड़ा जल बारंबार पीना चाहिए । हां अरुचि प्रतिश्याय मंदाग्नि रोग मुक्त प्रसाद उदर रोग कुश्ती नेत्र रोग धरा ब्राह्मण और मधुमेह में अल्प जलपान हितकारक कहा गया है । भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग एक-चौथाई भाग जल अपरदन से प्रभावित है। देश में सिर्फ जल अपरदन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 6100 टन ऊपरी मिट्टी का कटाव होता है जिसमें पोषक तत्वों की मात्रा की अनुमानित कीमत 1200 करो? रूपये से भी ज्यादा की होती है। जल अपरदन से प्रभावित कृषि भूमि का संरक्षण एवं पुनरूत्थान घास की प्रजातियों जैसे दूब , अंजान तथा मुंज के रोपण से किया जा सकता है। उक्त घास की प्रजातियाँ आमतौर से बहुवर्षीय एवं कठोर प्रवृत्ति की होती हैं। इनकी ज ? मिट्टी के क ?ों को बाँधकर मृदा अपरदन को रोकने में सहायक होती हैं। घासों के निरन्तर उगने से मृदा में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है जिससे मृदा संरचना में सुधार के साथ-साथ उसकी उपजाऊ क्षमता में भी वृद्धि होती है।जल के अभिगमन द्वारा मृदा का ह्रास जल अपरदन कहलाता है। जल-अपरदन के कारकों में नदी सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। हिमानी या हिमनद-हिमानियाँ या हिमनद हिमाच्छादित या उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में पाये जाते हैं।वायु या पवन-वायु का कार्य प्राय: मरुस्थलों में होता है जहाँ यह वनस्पति तथा अन्य किसी भौतिक बाधा के अभाव में निर्बाध रूप से बहती है।बहता हुआ जल उन मुख्य कारकों में से एक है, जो मृदा कणों को बहा ले जाते हैं। जल द्वारा मृदा का अपरदन वर्षा की बूंदों, लहरों अथवा बर्फ के माध्यम से होता है। 35 किमी/घंटा के वेग से मृदा से टकराती हैं। बड़े आकार की बूंद एवं हवा के झोंके मृदा की सतह से और भी अधिक वेग से टकराते हैं।नदी का सर्वप्रमुख कार्य भूपटल का अपरदन करना है। नदियाँ सदैव अपने मार्ग के समीप के चट्टानों को घिसकर तथा काटकर उनका परिवहन करती हैं। नदी का अपरदन कार्य नदी के ढाल तथा वेग एवं उसमें स्थित नदी के अवसाद भार पर आधारित होता है। उच्च व मध्यम ढाल वाली भूमि में मृदा ह्रास का मुख्य कारण जल अपरदन होता है। जब अत्यधिक वर्षा के कारण उत्पन्न जल बहाव के द्वारा मृदा को बहा कर दूर ले जाता है तो जल अपरदन होता है। जल अपरदन- जल के द्वारा मृदा का ह्रास जल अपरदन कहलाता है। जल अपरदन को प्रभावित करने वाले कारक-नदी या प्रवाही जल-अपरदन के कारकों में नदी सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। हिमानी या हिमनद-हिमानियाँ या हिमनद हिमाच्छादित या उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में पाये जाते हैं।वायु या पवन-वायु का कार्य प्राय: मरुस्थलों में होता है जहाँ यह वनस्पति तथा अन्य किसी भौतिक बाधा के अभाव में निर्बाध रूप से बहती है।बहता हुआ जल उन मुख्य कारकों में से एक है, जो मृदा कणों को बहा ले जाते हैं। जल द्वारा मृदा का अपरदन वर्षा की बूंदों, लहरों अथवा बर्फ के माध्यम से होता है। 35 किमी/घंटा के वेग से मृदा से टकराती हैं। बड़े आकार की बूंद एवं हवा के झोंके मृदा की सतह से और भी अधिक वेग से टकराते हैं।नदी का सर्वप्रमुख कार्य भूपटल का अपरदन करना है। नदियाँ सदैव अपने मार्ग के समीप के चट्टानों को घिसकर तथा काटकर उनका परिवहन करती हैं। नदी का अपरदन कार्य नदी के ढाल तथा वेग एवं उसमें स्थित नदी के अवसाद भार पर आधारित होता है।

प्रतिभा का सम्मान या संबंधों का विस्तार?

देशभर में IAS और IPS जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएँ, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियाँ, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे—यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं। पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है।

ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए—विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुँच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं।

किन्तु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे-धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल प्रतिभा का उत्सव न रहकर संबंधों का प्रदर्शन और सामाजिक-राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है।

यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है—कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुँच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुँच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं?

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएँ उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं। ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं—कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे-मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए। उनके भीतर भी वही जज्बा, वही क्षमता और वही सपने होते हैं, जो किसी चयनित अभ्यर्थी के भीतर होते हैं—फर्क केवल इतना है कि उन्हें अवसर और संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते।

इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम सम्मान की परिभाषा को पुन: परिभाषित करें। क्या सम्मान केवल सफलता का उत्सव है, या वह संघर्ष की पहचान भी है? यदि सम्मान केवल उपलब्धि तक सीमित रह जाता है, तो वह अधूरा है। वास्तविक सम्मान वह है, जो उस यात्रा को भी स्वीकार करे, जो सफलता तक पहुँचने से पहले तय की जाती है—और उन कदमों को भी सराहे, जो अभी उस यात्रा पर हैं। यदि इस सम्मान समारोहों को वास्तव में सार्थक बनाना है, तो उन्हें केवल

औपचारिक आयोजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना होगा। इसके लिए कुछ ठोस पहलें आवश्यक हैं। सबसे पहले, चयनित अभ्यर्थियों को केवल सम्मानित करने तक सीमित न रखकर उन्हें मार्गदर्शक की भूमिका में स्थापित किया जाना चाहिए। यदि हर चयनित अभ्यर्थी कुछ छात्रों का मार्गदर्शन करने का संकल्प ले, तो यह एक बड़ी सामाजिक शक्ति बन सकती है। उनके अनुभव, उनकी रणनीतियाँ और उनका दृष्टिकोण उन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं, जो अभी इस यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। दूसरा, ऐसे आयोजनों के साथ मेंटरशिप प्रोग्राम, नि:शुल्क कोचिंग, पुस्तक बैंक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं को जोड़ा जाना चाहिए। केवल मंच पर सम्मान देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि उस सम्मान को समाज के लिए उपयोगी परिणामों में बदला जाए। यदि एक सम्मान समारोह से दस जरूरतमंद छात्रों को सही दिशा और संसाधन मिल जाएँ, तो उसकी वास्तविक सार्थकता सिद्ध हो सकती है। तीसरा, आयोजनों में केवल सफल अभ्यर्थियों को ही नहीं, बल्कि संघर्षरत छात्रों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। ऐसे छात्रों को मंच पर बुलाकर उनके प्रयासों की सराहना करना, उनकी कहानियाँ साझा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा—कि प्रयास भी सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम अभी न मिला हो।

चौथा, इन आयोजनों को दिखावे और भव्यता से मुक्त कर सादगी और सार्थकता की ओर ले जाना होगा। अत्यधिक खर्च, अनावश्यक तामझाम और औपचारिक भाषणों के स्थान पर सार्थक संवाद, अनुभवों का आदान-प्रदान और वास्तविक समस्याओं पर चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है।

इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों—शिक्षकों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन—को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। केवल सरकार या किसी एक संस्था के भरोसे परिवर्तन संभव नहीं है। यह एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जिसमें हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल भव्य आयोजनों और बड़ी हस्तियों को ही प्रमुखता देता रहेगा, तो संघर्षरत प्रतिभाओं की कहानियाँ सामने नहीं आ पाएँगी। आवश्यकता इस बात की है कि उन अनसुने चेहरों को भी मंच दिया जाए, जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते।

अंतत:, यह समझना आवश्यक है कि समाज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता में निहित होती है। एक ऐसा समाज, जो केवल सफल लोगों का जश्न मनाता है, वह अधूरा है। पूर्ण समाज वह है, जो अपने संघर्षरत सदस्यों को भी पहचानता है, उनका हाथ थामता है और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देता है।

सम्मान का अर्थ केवल तालियों की गूंज नहीं होना चाहिए; वह एक जिम्मेदारी का संकेत भी होना चाहिए—जिम्मेदारी उस समाज के प्रति, जिसने हमें आगे बढ़ने का अवसर दिया। यदि सम्मान समारोह इस जिम्मेदारी को समझने और निभाने का माध्यम बन जाएँ, तो वे वास्तव में परिवर्तनकारी हो सकते हैं। अन्यथा, वे केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाएँगे—जहाँ मंच तो सजेगा, तालियाँ भी बजेंगी, लेकिन असली बदलाव कहीं पीछे छूट जाएगा। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं से यह प्रश्न पूछें—क्या हम केवल सफलता का उत्सव मना रहे हैं, या एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहाँ हर प्रतिभा को अवसर मिल सके? जब तक इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी से नहीं दिया जाएगा, तब तक प्रतिभा सम्मान और संबंध प्रदर्शन के बीच की रेखा धुंधली बनी रहेगी। और शायद तब तक, असली प्रतिभाएँ अपने अवसर का इंतजार करती रहेंगी—बिना किसी मंच,

-डॉ. सत्यवान सौरभ

विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ी मानवता ईरान अमेरिका टकराव से बढ़ता वैश्विक संकट और शांति की अनिवार्यता

मध्य पूर्व में तेजी से बदलते घटनाक्रम ने पूरी दुनिया को एक बार फिर गहरे असमंजस और भय के दौर में ला खड़ा किया है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता सैन्य टकराव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि इसके वैश्विक परिणाम सामने आने लगे हैं। हाल ही में ईरान के वरिष्ठ नेता अली लारीजानी की कथित मौत, शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर हमले, और लगातार हो रहे मिसाइल व ड्रोन हमलों ने इस संघर्ष को और अधिक खतरनाक बना दिया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि यह टकराव किसी भी समय व्यापक युद्ध का रूप ले सकता है, जिसका असर पूरी मानवता पर पड़ेगा।

इस युद्ध का सबसे बड़ा खतरा इसकी अनिश्चितता और तेजी से फैलने की क्षमता है। जब शक्तिशाली देश सीधे तौर पर आमने-सामने होते हैं, तो युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। तेल उत्पादन वाले क्षेत्र में संघर्ष होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर संकट गहराने से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है। इससे ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिसका असर हर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, खासकर विकासशील देशों पर, जहां पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी बड़ी समस्या है।

खाद्य संकट भी इस युद्ध का एक गंभीर परिणाम बन सकता है। विश्व खाद्य कार्यक्रम पहले ही चेतावनी दे चुका है कि यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो करोड़ों लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं। युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटती हैं, कृषि उत्पादन प्रभावित होता है और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे पहले इसका शिकार बनते हैं, जिससे सामाजिक अस्थिरता और बढ़ जाती है।

मानवीय दृष्टिकोण से देखें तो युद्ध हमेशा विनाश ही लाता है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं। परिवार बिखर रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं और सामान्य जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। अस्पताल, स्कूल और बुनियादी ढांचे तबाह हो रहे हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों पर भी इसका गहरा असर पड़ता है, क्योंकि वे हिंसा, भय और असुरक्षा के माहौल में बड़े होते हैं।

राजनीतिक स्तर पर भी यह युद्ध दुनिया को दो खेमों में बांट सकता है। एक ओर अमेरिका और उसके सहयोगी देश हैं, तो दूसरी ओर ईरान और उसके समर्थक। यह विभाजन अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कमजोर करता है और वैश्विक संस्थाओं की भूमिका को सीमित कर देता है। जब संवाद और कूटनीति की जगह सैन्य कार्रवाई ले लेती है, तो समस्याओं का समाधान और कठिन हो जाता है।

इस संघर्ष का एक और खतरनाक पहलू यह है कि इसमें परमाणु शक्ति वाले देशों की अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष भागीदारी की आशंका बनी रहती है। यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तो इसका परिणाम मानव इतिहास के सबसे विनाशकारी युद्ध के रूप में सामने आ सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के नेता और विशेषज्ञ इस युद्ध को तुरंत रोकने की अपील कर रहे हैं।

ईरान का कड़ा रुख और अमेरिका की सैन्य प्रतिक्रिया दोनों ही स्थिति को और भड़का रहे हैं। बयानबाजी, धमकियां और जवाबी हमले केवल तनाव को बढ़ाते हैं, समाधान नहीं देते। किसी भी युद्ध में जीत का कोई वास्तविक अर्थ नहीं होता, क्योंकि अंतत: नुकसान दोनों पक्षों का होता है। आर्थिक, सामाजिक और मानवीय क्षति इतनी बड़ी होती है कि उसकी भरपाई वर्षों तक नहीं हो पाती।

ऐसे समय में कूटनीति और संवाद ही एकमात्र रास्ता है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े युद्ध का अंत बातचीत की मेज पर ही हुआ है। यदि शुरुआत में ही संवाद को प्राथमिकता दी जाए, तो लाखों जिंदगियों को बचाया जा सकता है। भारत जैसे देश, जो संतुलित विदेश नीति और शांति की वकालत करते हैं, इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। तटस्थ और विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में भारत जैसे देशों की भागीदारी इस संकट को कम करने में सहायक हो सकती है।

मीडिया और आम जनता की भी जिम्मेदारी है कि वे युद्धोन्माद को बढ़ावा देने के बजाय शांति की आवाज को मजबूत करें। युद्ध को महिमामंडित करने के बजाय उसके वास्तविक दुष्परिणामों को समझना और समझाना जरूरी है। जब तक समाज में शांति के प्रति जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक सरकारों पर भी दबाव नहीं बनेगा कि वे युद्ध के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाएं।

अंतत: यह समझना होगा कि आधुनिक युग में युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। यह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। आज की दुनिया आपस में इतनी जुड़ी हुई है कि किसी एक क्षेत्र में होने वाला संघर्ष पूरे विश्व को प्रभावित करता है। इसलिए शांति केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

मानवता के हित में यही उचित होगा कि सभी पक्ष अपने अहंकार और राजनीतिक हितों को पीछे छोड़कर शांति की दिशा में कदम बढ़ाएं। युद्ध को रोकना ही सबसे बड़ी जीत होगी। यदि समय रहते यह निर्णय नहीं लिया गया, तो इसके परिणाम इतने भयावह हो सकते हैं कि पूरी दुनिया को उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

- कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया और घटती खुशियां- क्या कहती है वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026?

फिनलैंड एकबार फिर से विश्व का सबसे खुशहाल देश बन गया है। पाठकों को बताता चलूं कि फिनलैंड लगातार 9वीं बार दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना है। 19 मार्च 2026 नवसंवत्सर के दिन (गुरुवार को) जारी वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026 में भारत 116वें स्थान पर रहा है। गौरतलब है कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026 का निर्माण ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा किया गया है।यह भी गौरतलब है कि यह रिपोर्ट एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसमें गैलप तथा यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सोल्यूशन्स नेटवर्क जैसी संस्थाएँ भी सहभागी होती हैं और इन सभी के संयुक्त प्रयासों से वैश्विक स्तर पर लोगों की खुशी, जीवन संतोष और सामाजिक-आर्थिक कारकों का विश्लेषण कर यह रिपोर्ट तैयार की जाती है।

अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग और रील स्क्रॉलिंग के कारण आ रही है खुशी/प्रसन्नता के स्तर में गिरावट:-

जारी इस रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है कि अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग और रील स्क्रॉलिंग से आज युवाओं(यंग जनरेशन) के मानसिक स्वास्थ्य(मेंटल हेल्थ) और खुशी(हैप्पीनेस) के स्तर में गिरावट आ रही है।रिपोर्ट में यह बात कही गई है कि आज के समय में युवाओं में मानसिक तनाव और अकेलेपन की समस्या बढ़ रही है। बहरहाल, यदि हम यहां पर खुशी के प्रमुख कारकों की बात करें तो, इनमें क्रमश: सामाजिक समर्थन, विश्वास, स्वतंत्रता, उदारता और जीवन संतुष्टि को मुख्य आधार माना गया है तथा परिवार, मित्र और समाज से जुड़ाव(सामाजिक जुड़ाव) को खुशी का सबसे बड़ा स्रोत बताया गया है। वास्तव में, आज जरूरत इस बात की है कि हम संतुलित जीवनशैली अपनाएं।इस क्रम में हाल ही जारी रिपोर्ट ने डिजिटल जीवन और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है। सरल शब्दों में कहें तो रिपोर्ट में डिजिटल डिटॉक्स की सलाह दी गई है। वास्तव में, रिपोर्ट में युवाओं को समय-समय पर सोशल मीडिया से दूरी बनाने की सलाह दी गई है या यूं कहें कि कम आभासी दुनिया, ज्यादा वास्तविक जुड़ाव वही स्थायी खुशी का रास्ता है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में नॉर्डिक देशों का दबदबा

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में नॉर्डिक देशों(फिनलैंड,डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन) का दबदबा रहा है और वे शीर्ष पर बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार आइसलैंड (2), डेनमार्क (3), स्वीडन (5) और नॉर्वे (6) जैसे देश टॉप 10 में बने हुए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इस साल का सबसे बड़ा सरप्राइज कोस्टा रिका रहा, जो 49वें स्थान पर पहुंच गया है। यह किसी भी लैटिन अमेरिकी देश की अब तक की सबसे ऊंची रैंकिंग है। वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान (147) सबसे निचले पायदान पर है, उसके बाद सिएरा लियोन और मलावी का स्थान है। यह भी उल्लेखनीय है कि लगातार दूसरे साल कोई भी प्रमुख अंग्रेजी भाषी देश (जैसे अमेरिका 23वें, ब्रिटेन 29वें) टॉप 10 में जगह नहीं बना पाया है। हाल ही में जो वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की गई है, वह मुख्य रूप से 6 कारकों क्रमश: प्रति व्यक्ति जीडीपी, सामाजिक सहयोग, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन के फैसले लेने की स्वतंत्रता,उदारता तथा भ्रष्टाचार का बोध पर आधारित है। वास्तव में, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और कम असमानता वाले देश ज्यादा खुश पाए गए हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि आर्थिक समृद्धि ही सब कुछ नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो केवल आय नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता और संतुलन खुशी तय करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज की भागमभाग भरी, आपाधापी वाली जीवनशैली (शहरी जीवनशैली) लोगों के बीच लगातार दूरियां बढ़ा रही है और लोग लोनलीनेस (अकेलापन) महसूस करते हैं, जो नाखुशी का कारण है। जानकारी के अनुसार खासकर 15-30 आयु वर्ग में खुशी का स्तर घटा है, जिसका कारण डिजिटल निर्भरता और सामाजिक तुलना बताया गया है।

बुजुर्गों का जीवन संतोष युवाओं की तुलना में अधिक

कई देशों में बुजुर्गों का जीवन संतोष युवाओं की तुलना में अधिक पाया गया है, जैसा कि बुजुर्ग लोग कम डिजिटल निर्भर हैं और सामाजिक भी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दुनिया के अधिकांश हिस्सों में युवा बुजुर्गों की तुलना में अधिक खुश हैं, लेकिन अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में यह स्थिति उलट गई है-वहां के युवा अब अपने बुजुर्गों की तुलना में कम खुश हैं। रिपोर्ट में एशियाई देशों का मिश्रित प्रदर्शन रहा है। गौरतलब है कि भारत सहित कई एशियाई देशों की रैंकिंग मध्यम या निम्न रही है, हालांकि सामाजिक संरचना मजबूत मानी गई है। उल्लेखनीय है कि भारत की रैंकिंग में मामूली सुधार हुआ है, जैसा कि भारत 116वें स्थान पर है। वर्ष 2025 में भारत 118वें स्थान पर था। वहीं पर यदि हम पड़ोसी देशों की बात करें तो पाकिस्तान (104) और युद्ध से जूझ रहे इज़राइल (8) व ईरान (97) जैसे देश भी रैंकिंग में भारत से ऊपर हैं।युद्ध के बावजूद इज़रायल टॉप 10 (8वें स्थान) में बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति जीडीपी, सामाजिक समर्थन और स्वस्थ जीवन प्रत्याशा (औसतन 58.2 वर्ष) जैसे मानकों पर प्रदर्शन कमजोर रहा है।दूसरों की मदद करना, दान और समाज में भरोसा-ये सभी खुशी को बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण तत्व पाए गए हैं, वहीं दूसरी ओर कई जगहों पर ग्रामीण जीवन में संतोष का स्तर शहरों से अधिक पाया गया है।

अप्रसन्नता/नाखुशी के प्रमुख कारण/कारक क्या हैं?

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में विश्व के अनेक देश पूर्ण रूप से खुश नहीं हैं, इसके पीछे कई गहरे और आपस में जुड़े कारण हैं। दरअसल, केवल आर्थिक प्रगति ही खुशी की गारंटी नहीं देती, बल्कि सामाजिक, मानसिक और पर्यावरणीय कारक भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। सबसे पहला कारण है-आर्थिक असमानता। कई देशों में अमीर और गरीब के बीच खाई लगातार बढ़ रही है, जिससे समाज में असंतोष और असुरक्षा की भावना जन्म लेती है। इसके साथ ही बेरोजगारी और महंगाई भी लोगों के जीवन को कठिन बना रही है, जिससे रोजमर्रा का जीवन तनावपूर्ण हो जाता है। दूसरा बड़ा कारण है मानसिक स्वास्थ्य की गिरावट। आज के डिजिटल युग में अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग, तुलना की प्रवृत्ति और अकेलापन लोगों की खुशी को प्रभावित कर रहे हैं। खासकर युवाओं में चिंता, अवसाद और असंतोष बढ़ रहा है। तीसरा कारण है युद्ध और राजनीतिक अस्थिरता। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष, आतंकवाद और सत्ता संघर्ष जारी हैं, जिससे लोगों का जीवन असुरक्षित और भयग्रस्त हो जाता है। शांति के अभाव में स्थायी खुशी संभव नहीं होती। इसके अलावा, पर्यावरण संकट भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक आपदाएं लोगों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, सामाजिक संबंधों में कमी भी एक महत्वपूर्ण कारण है। परिवार और समाज से दूरी, व्यक्तिगत जीवन में बढ़ती व्यस्तता और आत्मकेंद्रित जीवनशैली ने लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को कमजोर किया है। अत: यह कहा जा सकता है कि आज दुनिया में खुशी की कमी केवल एक कारण से नहीं, बल्कि कई जटिल परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है। जब तक देश आर्थिक विकास के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं देंगे, तब तक वास्तविक और स्थायी खुशी प्राप्त करना कठिन रहेगा।

अंत में, यही कहूंगा कि वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026 यह स्पष्ट करती है कि केवल आर्थिक समृद्धि ही किसी राष्ट्र की खुशहाली का पैमाना नहीं हो सकती। जहाँ फिनलैंड ने लगातार नौवीं बार शीर्ष पर रहकर अपनी सामाजिक सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मॉडल को दुनिया के सामने मिसाल के रूप में पेश किया है, वहीं कोस्टा रिका जैसे देशों का उत्थान यह बताता है कि प्रकृति से जुड़ाव और सामुदायिक सहयोग जीवन संतुष्टि के लिए अनिवार्य हैं। भारत के संदर्भ में, 116वें स्थान पर रहने के बावजूद मामूली सुधार एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और सामाजिक समर्थन जैसे बुनियादी ढांचों में अभी भी बड़े बदलाव की आवश्यकता महसूस की गई है। रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू युवाओं की मानसिक स्थिति है, जहाँ सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और डिजिटल अलगाव(डिजिटल आइसोलेशन) के कारण उनके सुख के स्तर में गिरावट देखी गई है। अंतत:, यह रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को सचेत करती है कि भविष्य की योजनाएँ केवल जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) पर केंद्रित न होकर नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य, उदारता और आपसी विश्वास को ब ?ने वाली होनी चाहिए।

-सुनील कुमार महला

कच्चे तेल में नरमी, भारत में प्रीमियम पेट्रोल और थोक डीजल महंगे

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू द्वारा ईरान की ईंधन सुविधाओं पर आगे हमले से बचने की प्रतिबद्धता जताने के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 105 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत देखने को मिली। हालांकि, वैश्विक कीमतों में नरमी के बावजूद भारत में तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। इंडियन आइल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2 से 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। नई दिल्ली में इंडियन ऑयल के एक्सपी 95 पेट्रोल की कीमत बढ़कर 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। यह ईंधन उच्च ऑक्टेन रेटिंग के कारण बेहतर प्रदर्शन वाले वाहनों के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा कंपनियों ने थोक या औद्योगिक डीजल की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। इंडियन ऑयल ने थोक डीजल की कीमत 22 रुपये बढ़ाकर 109.59 रुपये प्रति लीटर कर दी है, जबकि भारत पेट्रोलियम ने 18.75 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इसका असर उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ सकता है। सरकार के अनुसार, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

एयरलाइंस ने मुफ्त सीट चयन के सरकारी फैसले का किया विरोध

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय विमानन मंत्रालय ने डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) को निर्देश दिए हैं कि सभी एयरलाइंस अपनी उड़ानों में कम से कम 60 फीसदी सीटें यात्रियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराएं। मंत्रालय ने यह कदम यात्रियों के लिए उचित पहुंच और सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। इन तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने कहा है कि यह निर्णय विमानन क्षेत्र पर वित्तीय दबाव डालेगा। एफआईए ने नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा को लिखे पत्र में इस निर्देश को वापस लेने का अनुरोध किया। एयरलाइंस का तर्क है कि मुफ्त सीट चयन के लागू होने से उन्हें राजस्व में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। राजस्व की हानि की भरपाई के लिए एयरलाइंस हवाई किराए बढ़ाने पर मजबूर हो सकती हैं। इसका असर सभी यात्रियों पर पड़ेगा, भले ही वे सीटों का पहले से चयन न करना चाहें। एफआईए ने कहा कि इस तरह का निर्देश अप्रत्याशित और प्रतिकूल परिणाम पैदा कर सकता है। यात्रियों को मुफ्त सीट चयन तो मिलेगा, लेकिन हवाई किराए में संभावित बढ़ोतरी से यात्रा महंगी हो सकती है।

फरवरी 2026 में आठ प्रमुख उद्योगों में 2.3 फीसदी की वृद्धि, ऊर्जा क्षेत्र में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारत के आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक फरवरी 2026 में पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 प्रतिशत बढ़ा। ये आठ उद्योग कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली हैं, जो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का 40.27 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। जनवरी 2026 में आठ प्रमुख उद्योगों का मासिक वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत थी। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत रही। इस दौरान निर्माण और धातु उद्योग में मजबूत वृद्धि देखी गई। कोयला में फरवरी 2026 में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कच्चा तेल में 5.2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और प्राकृतिक गैस में 5.0 प्रतिशत की कमी रही। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में 1 प्रतिशत की गिरावट हुई। उर्वरक का उत्पादन 3.4 प्रतिशत बढ़ा। इस्पात और सीमेंट में क्रमश: 7.2 और 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बिजली उत्पादन में 0.5 प्रतिशत का मामूली इजाफा हुआ। फरवरी 2026 में निर्माण और धातु उद्योग सबसे अधिक बढ़त में रहे जबकि ऊर्जा क्षेत्र की गिरावट जारी रही। कोयला और बिजली में हल्की वृद्धि हुई और उर्वरक उद्योग में मध्यम सुधार दिखा। कुल मिलाकर फरवरी में उद्योगिक क्षेत्र में मिश्रित प्रदर्शन रहा, जिसमें निर्माण और धातु मजबूत बने और ऊर्जा क्षेत्र चुनौतीपूर्ण बना रहा। मासिक वृद्धि में सबसे अधिक सीमेंट और इस्पात ने योगदान दिया, जबकि ऊर्जा क्षेत्र में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस में गिरावट देखी गई। संचयी वृद्धि में इस्पात और सीमेंट का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। कोयला और बिजली स्थिर और हल्की वृद्धि के साथ बने रहे, जबकि पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद और प्राकृतिक गैस में कमी दर्ज हुई।

सोने की कीमतों में छह साल का सबसे खराब हफ्ता रहा

मुंबई। एजेंसी। वैश्विक संकट के समय आमतौर पर सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है, क्योंकि इसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। लेकिन हाल के हफ्तों में हालात अलग नजर आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना शुक्रवार को लगभग 4,660 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा, जबकि पूरे हफ्ते में इसकी कीमत में करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। यह मार्च 2020 के बाद सोने का सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन माना जा रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक ईरान में जारी संघर्ष के कारण तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका बनी हुई है। इस वजह से ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है और निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं। 28 फरवरी को ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के बाद से हर हफ्ते सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर मजबूत होने के कारण सोने पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। निवेशक अब सोने में निवेश करने के बजाय अन्य विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। गोल्ड आधारित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) से लगातार निकासी जारी है। इस साल की शुरुआत में जो अतिरिक्त निवेश आया था, वह अब लगभग पूरी तरह बाहर निकल चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 2022 में भी ऐसा ही रुझान देखने को मिला था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया और सोने की कीमतों में लंबी गिरावट आई।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा उतार-चढ़ाव, हल्की रिकवरी पर हुआ बंद

मुंबई। एजेंसी। 20 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में तेजी और मंदी का मिश्रित दृश्य देखा गया। हफ्ते की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत उछाल देखने को मिला, लेकिन मध्य सप्ताह में बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू दबावों के चलते बाजार में भारी बिकवाली हुई। अंतत: शुक्रवार को बाजार ने मामूली रिकवरी के साथ सप्ताह का समापन किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हुई, जब ब्लू-चिप शेयरों जैसे एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 938.93 अंक बढ़कर 75,502.85 पर और निफ्टी 257.70 अंक बढ़कर 23,408.80 पर बंद हुआ। उसी दिन रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट देखी गई, जो 92.43 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 और निफ्टी 172.35 अंक बढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ।

शुरुआती कारोबार में रुपये में 14 पैसे की गिरावट के बावजूद बाजार की बढ़त जारी रही। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में मजबूती के चलते बाजार ने पिछले दो सत्रों की बढ़त को बरकरार रखा। बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर और निफ्टी 196.65 अंक बढ़कर 23,777.80 पर बंद हुआ। लेकिन गुरुवार को अचानक भारी बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स 2,496.89 अंक गिरकर 74,207.24 पर और निफ्टी 775.65 अंक गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व की कड़ी नीति इस गिरावट के प्रमुख कारण रहे। शुक्रवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, आईटी और धातु शेयरों में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 पर और निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ। हालांकि रुपये में गिरावट जारी रही।

सीबीडीटी ने नए इनकम टैक्स नियम नोटिफाई किए, 1 अप्रैल से होंगे लागू

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियम, 2026 को अधिसूचित कर दिया है, जो नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। इन नियमों में वेतन कराधान, अनुपालन खुलासा, ट्रांसफर प्राइसिंग और विदेशी कर क्रेडिट से जुड़े कई अहम बदलाव किए गए हैं। बसे बड़ा बदलाव हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) से जुड़ा है। अब बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद को भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शामिल किया गया है। इससे पहले यह सुविधा केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे मेट्रो शहरों तक सीमित थी। बाकी शहरों के लिए एचआरए छूट की सीमा 40 फीसदी ही रहेगी। इस कदम से उभरते महानगरों में बढ़ते किराये के बोझ को औपचारिक मान्यता मिली है। हालांकि, नोएडा और गुरुग्राम जैसे उच्च किराया वाले शहर अभी भी इस सूची से बाहर हैं। नए नियमों में नियोक्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के कराधान को भी स्पष्ट किया गया है। अब इन्हें छोटी पेट्रोल या डीजल कार के बराबर माना जाएगा, जिससे परिक्विजिट टैक्स की गणना आसान होगी। इसके अलावा, बीमा प्रीमियम से जुड़े वित्तीय लेनदेन की रिपोर्टिंग सीमा में बदलाव किया गया है। अब बीमा कंपनियों को 5 लाख रुपये से अधिक के प्रीमियम (जहां पैन उपलब्ध है) और 2.5 लाख रुपये से अधिक (जहां पैन उपलब्ध नहीं है) के मामलों की जानकारी देनी होगी। कुल मिलाकर, नए नियम कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने और शहरी आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

एलपीजी संकट से दिल्ली में मजदूरों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट

नई दिल्ली। एजेंसी। नई दिल्ली की तंग गलियों से लेकर बड़े कारखानों तक एलपीजी की किल्लत का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने से आम लोगों का जीवन कठिन हो गया है। बाहर खाने की कीमतों में तेजी आई है जो भोजन पहले 100 रुपये में मिलता था, अब 120 रुपये या उससे अधिक में मिल रहा है। टैक्सी चालक बढ़ती लागत से परेशान हैं और गांव लौटने पर विचार कर रहे हैं। खाने की डिलिवरी करने वाले गोपाल जैसे कई गिग वर्करों की स्थिति और खराब हो गई है। ऑर्डर कम होने से उनकी रोजाना कमाई 1,600 रुपये से घटकर 450ङ्क500 रुपये रह गई है। एलपीजी की कमी के कारण कई रेस्तरां बंद या धीमे पड़ गए हैं, जिससे रोजगार के अवसर घट गए हैं। मजबूरी में कई श्रमिक अपने गृह नगर लौट चुके हैं, हालांकि कुछ लोग काम की तलाश में फिर से शहर लौट रहे हैं। श्रमिकों के पलायन से कंपनियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक लॉजिस्टिक कंपनी के अनुसार, उन्हें लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए कंपनियां उपस्थिति बोनस और भर्ती शिविर जैसे उपाय अपना रही हैं। वाहन उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि श्रमिकों की कमी उत्पादन पर सीधा असर डाल रही है। कारखानों की कैंटीन, जो कम वेतन वाले श्रमिकों के लिए भोजन का मुख्य स्रोत होती हैं, एलपीजी की कमी से प्रभावित हैं। कई श्रमिक घरेलू एलपीजी कनेक्शन के बजाय छोटे अनौपचारिक सिलिंडरों पर निर्भर रहते हैं, जिनकी आपूर्ति भी अब बाधित हो गई है। इससे श्रमिकों की उपस्थिति और उत्पादकता पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। एलपीजी की कमी अब केवल ईंधन का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह महंगाई, रोजगार और औद्योगिक उत्पादन से जुड़ा व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बनता जा रहा है।

मेष- आज का दिन आपको थोड़ा सतर्क रहकर आगे बढ़ने की सलाह देता है। आपके आसपास कुछ ऐसे लोग हो सकते हैं जो आपके कामों में बाधा डालने की कोशिश करें, इसलिए अपनी योजनाओं को सोच-समझकर ही साझा करें। यदि आपने शेयर मार्केट में निवेश किया है तो उसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए धैर्य रखें।

वृषभ- आज आपका पूरा ध्यान अपने कामों को सही तरीके से पूरा करने पर रहेगा। आपको अपने कार्यों को धैर्य और संयम से करना होगा, क्योंकि जल्दबाजी में की गई छोटी सी गलती भी परेशानी का कारण बन सकती है। आपकी मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपसे खुश होकर कोई उपहार या सराहना दे सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला परिणाम लेकर आएगा। समाजसेवा या दूसरों की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन जरूरत से ज्यादा उसमें उलझने से अपने काम प्रभावित हो सकते हैं। आसपास के लोगों की भावनाओं का सम्मान करें और बोलते समय शब्दों का विशेष ध्यान रखें। आज आप किसी इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी भी कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष देने वाला रहेगा। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी सफलता मिल सकती है। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके लिए भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। यदि आपका कोई धन लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके मिलने की संभावना बन रही है। किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा।

सिंह- आज का दिन व्यापार करने वाले लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। आपके व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे और नए अवसर भी मिल सकते हैं। नौकरी करने वालों को टीमवर्क के साथ काम करने का मौका मिलेगा, जिससे बड़े कार्य भी आसानी से पूरे हो जाएंगे। आपके प्रमोशन की चर्चा भी आगे बढ़ सकती है। हालांकि अपने कामों को लेकर दूसरों पर अधिक निर्भर न रहें। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने-फिरने का भी कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। मित्रों के साथ आपके संबंध और भी मजबूत होंगे। आर्थिक योजनाओं से आपको अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। किसी विरोधी की बातों में आकर जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें। संतान को पढ़ाई के लिए कहीं बाहर भेजने की योजना बन सकती है। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलने के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग भी आपको भरपूर मिलेगा।

तुला- आज का दिन भाग्य के दृष्टिकोण से आपके लिए अनुकूल रहेगा। प्रॉपर्टी खरीदने या उससे जुड़ा कोई बड़ा फैसला लेने के लिए समय अच्छा है। यदि आप पार्टनरशिप में कोई काम शुरू करते हैं तो उसमें भी अच्छा लाभ मिल सकता है। धन से जुड़ा कोई काम नहीं रुकेगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझदारी बनी रहेगी।

वृश्चिक- आज आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना होगा। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है। आप अपने घर की साज-सज्जा और वातावरण को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। मौज-मस्ती की आदत कभी-कभी आपकी जिम्मेदारियों को बढ़ा सकती है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र की कोई बड़ी समस्या भी सुलझ सकती है।

धनु- आज का दिन आपके प्रभाव और प्रतिष्ठा में वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाकर चलना जरूरी होगा। किसी अनजान व्यक्ति की बातों में आने से बचें। परिवार की कुछ पुरानी समस्याए फिर से सामने आ सकती हैं, जिन्हें आप घर के बड़े सदस्यों की मदद से सुलझाने की कोशिश करेंगे। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात भी हो सकती है।

मकर- आज कुछ कामों को लेकर आपके मन में चिंता बनी रह सकती है। संतान को मनचाही नौकरी न मिलने से आप थोड़ा परेशान महसूस कर सकते हैं। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें और उन पर अधिक जिम्मेदारियां न डालें। किसी की कही-सुनी बातों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। स्वास्थ्य में हल्का उतार-चढ़ाव रह सकता है। परिवार से जुड़ा कोई विषय भी आपकी चिंता बढ़ा सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

कुंभ- आज का दिन धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ाने वाला रहेगा। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से रुका हुआ था तो उसे पूरा करने के लिए आप किसी प्रभावशाली व्यक्ति से बातचीत कर सकते हैं। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी मिल सकती है। आप अपने शौक और पसंद की चीजों पर अच्छा खासा खर्च करेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। व्यापार से जुड़ी जो योजनाएँ लंबे समय से रुकी हुई थीं, वे फिर से शुरू हो सकती हैं और आपको खुशी देंगी। परिवार में किसी नए मेहमान के आने से घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के लिए कोई खास सरप्राइज प्लान कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8205

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
र्जी	ड	ल	कु	म	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल

शब्दजाल - 8204 का हल

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
मे	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 81 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 21.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 22.43 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 15.42 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.37 बजे तदनन्तर विष्टि 21.17 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872656
जूलियन दिन 2461121.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 02
विशेष वासुदेव चतुर्थी, गुरु अंगद देव पुण्यतिथि।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.15 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.55 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.53 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	13.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.23 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.35 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.46 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	22.00 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.16 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	02.21 बजे से
		कुंभ	04.08 बजे से
		मीन	05.41 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: देश की आत्मा

एक बार सम्राट नेपोलियन छुट्टी बिताने पैरिस से काफी दूर एक छोटे शहर में अपने एक मित्र के यहां आए। मित्र ने उन्हें वहां की कई रमणीक जगहें दिखाईं लेकिन नेपोलियन को कोई जगह पसंद नहीं आ रही थी। उन्होंने कहा, 'मैं अपने देश की असली जिंदगी देखने के लिए निजी यात्रा पर यहां आया हूं। आप मुझे वह जगह दिखाइए जहां देश की आत्मा बसती है। मैं देखना चाहता हूं कि हमारे देश के किसान और मजदूर किस हाल में हैं।' मित्र उन्हें लेकर शहर से बहुत दूर एक कस्बे में गया। नेपोलियन ने देखा कि खेत में फसल लहलहा रही है। मजदूर खेत में काम कर रहे हैं। वह बहुत खुश हुए। एक दिन वह एक संकरी गली से गुजर रहे थे कि सामने से एक किसान सिर पर भारी बोझ लेकर आता दिखा। गली इतनी पतली थी कि किसान बगल से निकल नहीं सकता था और न ही मुड़ सकता था। वह पसोपेश में पड़ कर खड़ा हो गया। उसे इस तरह खड़ा देख नेपोलियन के मित्र ने क्रोध में कहा, 'तुम्हें दिखाई नहीं देता? अंधा है क्या? जल्दी से वापस जाओ।' किसान बोझ लेकर मुड़ ही रहा था कि उसका एक पैर किसी चीज में फंस गया और वह लड़खड़ाने लगा। वह बोझ सहित गिरने ही वाला था कि नेपोलियन ने दौड़ कर उसे सहारा दिया और कहा, 'तुम्हें वापस लौटने की जरूरत नहीं है। तुम आराम से निकल जाओ।' किसान को जगह देने के लिए नेपोलियन अपने मित्र के साथ पीछे लौट कर दूसरी गली में खड़े हो गए। किसान के जाने के बाद मित्र ने कहा, 'एक अदने किसान के लिए हमें अपना मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए था। हमें देख कर लोग क्या सोचेंगे।' नेपोलियन ने कहा, 'दोस्त, किसानों की मेहनत से ही देश तरक्की करता है। उन्हीं की मेहनत के कारण हम लोग भरपूर सुख भोगते हैं। उनका तिरस्कार देश की उपेक्षा के बराबर है।' मित्र का सिर लज्जा से झुक गया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7149

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7148

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	ग		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7458

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7457 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8673

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8672 का हल

ह	ज	र	त		क	र	त	ब
र	न		र	म	ल		था	ह
द			ल		म	त		ला
म	हा	न		म	ना	क	र	ना
		र		ना		रा		
हा	थ	मा	र	ना		र	स	द
स		ई	ख		र			ल
नि	त		बा	द	क		क	द
क	र	ब	ला		म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हर्षोल्लास से मनाया गया ईद उल फितर का पर्व

गले मिलकर दी एक-दूसरे को बधाई, अमन चैन की मांगी दुआएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में शनिवार को ईद- उल- फितर का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने एक साथ नमाज पढ़ी और देश की सलामती के लिए दुआं की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी। लांजी आमगांव रोड स्थित ईदगाह मैदान पर नमाज प ?ने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। दरअसल, शुक्रवार को 30 रोजे पूरे होने पर शनिवार को ईद का त्योहार मनाए जाने का ऐलान किया। ईद को लेकर ही लांजी के बाजार में बच्चों से लेकर बड़े तक सभी खरीदारी करने में जुटे रहे। दुकानों पर लोग ड्राई फ्रूट से लेकर फल तक खरीदते दिखे। इसके साथ ही घरों में महिलाएं व युवतियां हाथों में मेंहदी लगवाती भी नजर आई। ईद के दिन नए कपड़े पहनकर नमाज अदा की जाती है। एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है। वहीं, मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह फोन और व्हाट्सएप पर भी दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। अपने-अपने घरों में युवा, बुजुर्ग और बच्चों ने ईद उल.फितर की नमाज अता की। इसके बाद सिवईया, खीर और अन्य पकवान खाए।

मुस्लिम समुदाय के युवाओं द्वारा बाटा गया महोब्बत का शरबत

मंगलवार को लांजी ईदगाह में ईद की नमाज़ के बाद मुस्लिम समुदाय के युवाओं द्वारा शरबत बाटा गया । जिसका उद्देश्य आवाम में प्रेम बाटना था युवाओं द्वारा नमाजियों के साथ साथ सभी के लिए शरबत का इंतजाम किया गया था। साथ ही सफाई का भी पूरा ध्यान रखा गया। इस दौरान रफीक खान, आबिद शेख, सफीक खान, सहेबाज़ कादरी, महोसिन खान, इमरोज़ कादरी, साजिद शालू अली, कामिल अंसारी, जैद अंसारी ,फरहान शेख, अहेफाज खान, एजाज़ खान, अल्फाज शेख, इकराम शेख आसिफ़ बेग,इमरान खान, अरमान खान, ज़ैद खान, जावेद खान, अशरफ शेख,रहमान शेख, शोएब शेख, जाबाज़ खान, अब्दुल्लाह खान, सैफुल्ला कुरैशी, नवाज़ खान, मारूफ खान के साथ अन्य मुस्लिम समुदाय के युवा उपस्थित रहे।

कोटेश्वर महोत्सव 2026 में आज युवाओं के लिए विशेष रोजगार मेला का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। कोटेश्वर महोत्सव 2026 के अंतर्गत युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करने हेतु एक विशेष रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। रोजगार मेला 22 मार्च 2026 (रविवार) को सुबह 10 बजे से शुरू होगा। कोटेश्वर महोत्सव, जो लांजी नगर के प्रसिद्ध कोटेश्वर महादेव धाम से जुड़ा भव्य धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सव है, इस वर्ष 18 मार्च से 27 मार्च तक चल रहा है। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक, खेलकूद और सामाजिक कार्यक्रमों के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को संवारने वाला यह

रोजगार मेला एक महत्वपूर्ण पहल है। रोजगार मेले में भाग लेने के लिए पात्रता और आवश्यक निर्देश- आयु सीमा- 18 से 29 वर्ष तक के बेरोजगार युवक-युवतियां भाग ले सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज साथ लाएं- शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, जाति/आय प्रमाण पत्र (यदि लागू), रिज्यूमे और पासपोर्ट साइज फोटो के साथ समय पर पहुंचकर पंजीकरण करवाएं और इंटरव्यू/चयन प्रक्रिया में भाग लें। आयोजकों ने अपील की है कि ग्रुप सदस्य, वार्ड-मोहल्ला, गांव स्तर पर युवाओं को इस रोजगार मेले में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। इससे अधिक से अधिक बेरोजगार युवा-युवतियों को नौकरी प्राप्त करने का मौका मिल सकेगा।

शोभायात्रा निकालकर किया गणगौर का विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणगौर पर्व राजस्थान तथा सीमावर्ती मध्य प्रदेश का एक प्रमुख त्योहार है, जो मुख्य रूप से चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष (2026) गणगौर पूजा 21 मार्च (शनिवार) को मनाई गई, जब कुंवारी कन्याएं तथा विवाहित महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती (गणगौर माता) की पूजा-अर्चना करती हैं।

गणगौर पूजा का महत्व और कथा

यह त्योहार माता पार्वती के भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने की तपस्या से जुड़ा है। प्राचीन कथा के अनुसार, पार्वती ने शिवजी को पाने के लिए कठोर तप किया, जिससे प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें वरदान दिया और विवाह हुआ। इसी आधार पर कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर प्राप्ति के लिए तथा सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि के लिए गणगौर व्रत रखती हैं। गणगौर पूजा सामान्यत: 16 या 18 दिनों तक चलती है। राजस्थान में यह उत्सव होली के बाद से शुरू होकर तृतीया तक चलता है। सुबह जल्दी उठकर बाग-बगीचे से दूब और फूल लाकर मिट्टी की गणगौर मूर्ति (या चित्र) पर दूध/दही के छींटे देते हुए पूजा की जाती है। थाली में दही, पानी, सुपारी, चांदी का छल्ला आदि रखकर आराधना की जाती है। प्रसिद्ध गीत गाया जाता है- ''गोर गोर गणपति ईसर पूजे पार्वती''।आठवें दिन ईश्वर जी और गणगौर माता को ससुराल में आने का मान्यता है, तब कुंवारियां मिट्टी की मूर्तियां बनाती हैं।अंतिम दिन (तीज) को चूरमे का भोग लगाया जाता है और दोपहर बाद विसर्जन किया जाता है।

शोभायात्रा निकालकर किया गणगौर विसर्जन

इस वर्ष लांजी में सकल मारवाड़ी समाज द्वारा गणगौर पूजन श्रीमती अनिता राजेश अग्रवाल एवं श्रीमती रोशनी राजेश अग्रवाल के घर में स्थापित किया गया। नवविवाहिता एवं कुंवारी कन्याओं ने 16 दिनों तक सुबह-शाम जल, फूल आदि से मां गौरा की पूजा की। समाज की महिलाओं एवं परिजनों ने सामूहिक रूप से पूजन में भाग लिया। विभिन्न स्थानों पर अग्रवाल एवं राजस्थानी समाज के लोग उन्हें घर बुलाकर गीत गवाते और सम्मानित करते रहे। 21 मार्च को सुबह गणगौर पूजन संपन्न हुआ तथा संध्या में ज्वारे का विसर्जन शोभायात्रा के रूप में निकाला गया। ढोल-नगाड़ों के साथ महिलाएं धार्मिक गीत गाते हुए राजा रानी तालाब पहुंचीं, जहां ज्वारा विसर्जन कर पूजा समाप्त हुई।

अवंती साधना मंच, आलोक संघ व लोधी महासभा ने मनाया गौरव दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड ?ांव म में अवंती चौक पर 21 मार्च को वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के पूण्यतिथी जो कि गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। बतादे कि प्रतिवर्ष अवंती साधना मंच, आलोक संघ लांजी एवं लोधी महासभा लांजी के संयुक्त तत्वावधान यह गौरव दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं, नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लोकेश लिल्हारे जीएसटी कमिश्नर मध्यप्रदेश शासन, विधायक राजकुमार कर्राहे लांजी किरनापुर, पूर्व विधायक रमेश भटेरे लांजी, अनंत लाल दमाहे राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक संघ, जीएस नगपुरे लोधी महासभा बालाघाट, प्रभुलाल पिछोडे आलोक अध्यक्ष, एस के गिरीया आलोक संघ प्रदेश अध्यक्ष मप्र, नरेन्द्र लिल्हारे महाराष्ट्र आलोक संघ अध्यक्ष, माधोलाल लिल्हारे, अमर बसेना, दुर्गा सुलाखे पूर्व जिलाध्यक्ष आलोक संघ बालाघाट, दिलीप उपवंशी, माही भगत सरपंच बड ?ांव, के आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण पूजन अर्चन किया गया।

250 प्रतिभावानों का सम्मान

गौरव दिवस सह प्रतिभा सम्मान समारोह में आयोजन कर्ताओ के द्वारा लगभग 250 छात्र छात्राओं, 5 नवोदय मे चयनित छात्र छात्राऐं, 25 नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान अतिथियों के हस्ते किया गया। इनमें ऐसे छात्र छात्राऐं शामिल है जो कि 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर क्षेत्र एवं समाज का नाम रोशन किया है। इसके उपरांत उपस्थित अतिथियों ने अपने अपने वक्तव्यों से संबोधित किया जिनमें मुख्य अतिथि लोकेश लिल्हारे ने शिक्षा से संबधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कैसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियॉ की जाये आदि विषय पर संबोधन दिया गया। इसी कड़ी में पूर्व विधायक रमेश भटेरे के द्वारा समाज में शादी विवाह में होने वाले फिजुल खर्ची कम करने का आव्हान किया गया तथा शादी विवाह समय पर लगाई जाये इस हेतु निवेदन किया गया। विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा समाज के छात्र छात्राओं से कहा गया कि शिक्षा के क्षेत्र में आपको जो भी सहयोग की आवश्यकता होगी हर संभव प्रयास किया जायेगा। आप ने शिक्षा को आगे बढाने की बात कही तथा सभी प्रतिभावान छात्र छात्राओं को शुभकामनाऐं प्रेषित की गई। कार्यक्रम के अंत में अवंती साधना मंच के अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया के द्वारा सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह आयोजन अवंती साधना मंच, आलोक संघ लांजी, लोधी महासभा लांजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था हमारा हमेशा से प्रयास रहता है इस आयोजन को लेकर की सामाजिक गतिविधिया हमेशा बनी रहे, प्रतिभावान छात्र छात्राऐं इसी प्रकार समाज का गौरव सम्मान बढाये। आने वाले वर्ष अन्य और भी सामाजिक आयोजन आप सभी के सहयोग से किये जायेंगे। मै सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुये सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूॅ। नवउत्थान समिति बड ?ांव म, का भी आभार व्यक्त करता हूॅ। इस दौरान प्रमुख रूप से आलोक बालाघाट के सभी सदस्य पदाधिकारी, आलोक संघ गोंदिया के सभी पदाधिकारी, लोधी उत्कृष जन चेतना के सभी पदाधिकारी सदस्य, अवंती साधना मंच के अध्यक्ष ऋषि पटेल, आलोक संघ लांजी के अध्यक्ष राजेश मस्करे, लोधी महासभा के अध्यक्ष तोमेश्वर बापुरे, विजय मस्करे, कृष्ण कुमार लिल्हारे, विजय लिल्हारे, विजय कुमार दशरिया, तोषण मस्करे, प्रमोद धामने, मनीराम मस्करे, साहेबदास दशरिया, सोहन उरोड़े, भवनदास दशरिया, पुनाराम पिछोड़े, टीडी लिल्हारे, किरण कबीरे, चुमेश लिल्हारे, अशोक महिश्वरे, सुरेश सुलाखे, रामेश्वर लिल्हारे,भरत लिल्हारे, लालजी लिल्हारे, रामप्रसाद चिखले, मनोहर चिखले, चन्द्रशेखर लिल्हारे, गीता लिल्हारे, बसंती दशरिया, द्वारका लिल्हारे, बापुरे मैडम, संगीता लिल्हारे, खेमराज मच्छिरके, सुखचंद लिल्हारे, उमादास लिल्हारे, कलावती गिरीया, दिनेश धनोले, अनिल बापुरे, विष्णु दशरिया, ओमप्रकाश बनौठे, हीरालाल चिखले, डाली राम उपराडु़े, टेकेश्वर लिल्हारे, कुलवन लिल्हारे, रामचंद्र लिल्हारे, राजू मस्करे वारी आदि प्रमुख रहे उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम में ग्राम बड ?ांव म के ग्राम वासीयों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ जिनका में मंच की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

राजस्थानी समाज की महिलाओं ने गणगौर व्रत कर शिव पार्वती का किया पूजन निकाली रैली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राजस्थानी पर्व गणगौर को लेकर इस साल भी नगर में परपरांगत उत्साह देखा गया। राजस्थानी महिलाओं ने शनिवार को विधि विधान से १६ दिन तक शिव पार्वती के स्वरूप इस गौरा का पूजन कर गांधी बाल उद्यान में इको फ्रेंडली विसर्जन किया। गौरतलब है की यह व्रत अपनी अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने के उद्देश्य से किया जाता है। रंगोत्सव के दिवस से शिव पार्वती की आराधना के इस पर्व का प्रारंभ होता है। विवाह के पश्चात पहली बार मायके आयी विवाहिता महिलाओं के द्वारा अपने अपने घर में गणगौर की विशेष पूजा की जाती है। जिसमें राजस्थानी समाज की महिलाये भी पूजन कार्य में शामिल होती है। इस दौरान नगर के श्रीराम मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान साक्षी शर्मा, राधा खंडेलवाल, क्रति खंडेलवाल ,कोकल खंडेलवाल के द्वारा गणगौर की विशेष पूजा की गयी। राजस्थानी समाज की अध्यक्ष किरण शर्मा ने बताया की समाज की बेटी होने कारण साक्षी शर्मा को उपहार से सम्मानित भी किया गया। इस बार विसर्जन कार्य में पर्यावरण का संदेश देते हुये इको फ्रेंडली स्वरूप में एक विशाल टब में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। गणगौर व्रत में विवाहित महिलायें अपने पति की लंबी आयू के लिये व्रत रखती है। वहीं कुवारी कन्या अपने मनपंसद वर की कामना के लिये गणगौर का पूजन करती है। इस अवसर पर किरण शर्मा , संगीता अग्रवाल, भावना अग्रवाल, राधिका खंडेलवाल, चारू शर्मा, कोमल नेहा खंडेलवाल, रेखा खंडेलवाल, सरिता अग्रवाल, तुलसी शर्मा, अन्नु अग्रवाल, आशा खंडेलवाल, विमला खंडेलवाल, राखी खंडेलवाल, सीमा जोशी, माधुरी व्यास, पदमा चौहान, खुश्बू शर्मा, आरती शर्मा,रचना शर्मा, रश्मि शर्मा, नैंसी खंडेलवाल, सीमा खंडेलवाल, प्रीति शर्मा, नीतू चौहान, नेहा खंडेलवाल, शोभा खंडेलवाल, सविता खंडेलवाल, शिखा शर्मा, राधा खंडेलवाल सहित अन्य महिलायें मौजूद रही।

सीजीएसटी ने उजागर की 35 करोड़ की कर चोरी

दो सगे भाईयों की फर्म पर छापामार कार्रवाई

भोपाल । केन्द्रीय गुड्स एवं सर्विस(सीजीएसटी) भोपाल की (ग्वालियर स्थित) निवारक शाखा से मिली जानकारी के आधार पर, मेसर्स हुंका ट्रेडर्स मालिक-विकास गुप्ता और मेसर्स विकास एंटरप्राइजेज मालिक-रामू गुप्ता के परिसरों में निरीक्षण और उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। उक्त दोनों मालिक सगे भाई हैं और ये फर्में आस-पास ही स्थित हैं। इन फर्मो पर सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत माल का गलत वर्गीकरण, तंबाकू पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान न करना और एचएसएनएस उपकर अधिनियम, 2025 के तहत अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त किए बिना पाउच पैकिंग मशीनों का संचालन करना के तहत कार्रवाई की गई है। मेसर्स विकास एंटरप्राइजेज में एचएसएनएस उपकर के रूप में 32 करोड़ रुपये और मेसर्स हुंका ट्रेडर्स में केंद्रीय उत्पाद शुल्क के रूप में 3.32 करोड़ रुपये की कर चोरी को उजागर किया है यह कर चोरी फर्म में स्थित मशीनों की संख्या के आधार पर विगत दो माह की अवधि पर लगाई गई है।

विकास एंटरप्राइजेज अवैध रूप से पान मसाला का उत्पादन कर रही थी। उक्त करदाता अपने निर्मित माल को एचएसएन 2106, अन्यत्र निर्दिष्ट या शामिल न किए गए खाद्य पदार्थ के तहत घोषित कर रहा है और 5 और 18 की दर से जीएसटी का भुगतान कर रहा है। हालांकि, प्राप्त जानकारी के अनुसार, करदाता वीएम ब्लैक ब्रांड नाम से सुगंधित सुपारी के उत्पादन में भी शामिल है, जिसमें चूना और अन्य घटक मिलाए गए हैं। इसलिए, करदाता सुगंधित सुपारी की आड़ में पान मसाला की आपूर्ति में लिप्त पाया गया है। करदाता द्वारा निर्मित पाउच पर यह वैधानिक चेतावनी भी अंकित है कि तंबाकू चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तलाशी के दौरान, पाउच पैकिंग के लिए 3 स्वचालित मशीनें और मैनुअल पैकिंग के लिए 12 मशीनें एचएसएनएस उपकर अधिनियम, 2025 के तहत पंजीकरण प्राप्त किए बिना चालू पाई गईं। लगभग 32 करोड़ रुपये के एचएसएनएस उपकर का भुगतान न होने का पता चला है।

इसके अलावा, मेसर्स हुंका ट्रेडर्स (प्रोप्राइटर-विकास गुप्ता) अवैध रूप से तंबाकू का उत्पादन कर रहे हैं। उक्त करदाता अपने उत्पादित माल को एचएसएन 0802, अन्य मेवे, ताजे या सूखे, चाहे छिलके वाले हों या नहीं (नारियल, ब्राजील नट्स और काजू को छोड़कर) और एचएसएन 2401, असंसाधित तंबाकू; तंबाकू अपशिष्ट - बिना डंठल वाला तंबाकू- फ्लू-क्योर वर्जीनिया तंबाकू के तहत घोषित कर रहे हैं और केवल 5 की दर से जीएसटी का भुगतान कर रहे हैं। हालांकि, प्राप्त जानकारी के अनुसार, करदाता सुगंधित तंबाकू के उत्पादन में भी शामिल है। परिसर में 2 स्वचालित पाउच पैकिंग मशीनें चालू पाई गईं। इन मशीनों को जब्त कर लिया गया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 3.32 करोड़ रुपये की चोरी पकड़ी गई।

दोनों प्रतिष्ठानों से सभी मशीनें और स्टॉक, साथ ही आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त कर लिए गए हैं। दोनों फर्मों के मालिक सगे भाई हैं और एक-दूसरे के पूरक उत्पाद बनाते हैं। दोनों मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

2 अप्रैल को खुलेगी गरीब बच्चों की लॉटरी

- मामला निजी स्कूलों में मुफ्त प्रवेश सुविधा मिलने का, आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत हर साल निजी स्कूलों में पात्र गरीब बच्चों का निःशुल्क प्रवेश शिक्षा विभाग द्वारा कराया जाता है। इस बार भी इसकी ऑनलाइन प्रक्रिया जारी है और फिर उसके बाद फिर 2 अप्रैल को लॉटरी के जरिए आवंटन किया जाएगा। इस बार 1525 निजी स्कूलों में 9029 सीटें गरीब बच्चों के लिए उपलब्ध हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरटीई अधिनियम लागू करवाया गया, ताकि गरीब बच्चों को भी महंगे और प्रतिष्ठित स्कूलों में पढ़ाई का मौका मिल सके, जहां पर लाखों रुपए की फीस ली जाती है। देशभर में यह आरटीई अधिनियम लागू किया गया है और इंदौर सहित मध्यप्रदेश के भी सभी स्कूलों में शिक्षा विभाग हर साल नए शैक्षणिक सत्र में निजी स्कूलों में प्रवेश की सुविधा देता है। इस बार भी ऑनलाइन आवेदन 28 मार्च तक लिए जा रहे हैं और फिर दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया 30 मार्च तक चलेगी, तत्पश्चात दस्तावेजों के आधार पर पात्र बच्चों के बीच ऑनलाइन लॉटरी निकाली जाएगी, क्योंकि कई महंगे और प्रतिष्ठित स्कूलों में सीटों की संख्या से कई गुना अधिक आवेदन मिलते हैं, जिसके कारण लॉटरी निकालना पड़ती है, जबकि अन्य सामान्य निजी स्कूलों की सीटें हर साल खाली रह जाती हैं। भोपाल के ही चुनिंदा निजी बड़े स्कूलों में ही अधिक आवेदन मिलते हैं, जबकि हजारों सीटें अन्य स्कूलों की बच जाती है, क्योंकि ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों का महंगे और प्रतिष्ठित स्कूलों में ही प्रवेश करवाना चाहते हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में समग्र विकास कार्यों पर जोर

भोपाल। मप्र में सरकार हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने की नीति पर काम कर रही है। इसी कड़ी में सरकार का फोकस आदिवासी क्षेत्रों में समग्र विकास पर है। इसके लिए मोहन सरकार आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए मंत्रियों के माध्यम से प्रस्ताव मंगाकर उन्हें मंजूरी देगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और रोजगार पर फोकस करेगी। इसी तारतम्य में जल संसाधन विभाग ने प्रदेश के सभी आदिवासी विकासखंडों में सिंचाई परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। विभाग ने इन विकासखंडों में तीन साल में कराए जाने वाले कार्यों की कार्य योजना मांगी है।

मप्र में सरकार का फोकस आदिवासियों के आर्थिक सशक्तीकरण पर है। इसके लिए सिंचाई क्षेत्र का विस्तार करने की तैयारी है। जल संसाधन विभाग ने सभी 89 आदिवासी बहुल ब्लाक में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए तीन वर्ष की कार्ययोजना मैदानी अधिकारियों से मांगी है। इसमें जोर छोटी-छोटी जल संरचनाएं बनाने पर है, क्योंकि वन क्षेत्र होने के कारण बड़ी परियोजनाओं में परेशानी आती है। अभी आदिवासी क्षेत्रों में परंपरागत खेती होती है, जो कम लाभप्रद है। सिंचाई सुविधा मिलने से आदिवासी भी उन्नत खेती कर सकेंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सामान्यतः आदिवासी परंपरागत खेती करते हैं, जो तुलनात्मक रूप से कम लाभप्रद होती है। जबकि, उद्यानिकी फसलें आमदनी बढ़ाने का बड़ा माध्यम भी है, इसलिए कृषक कल्याण वर्ष में विभाग ने सभी मैदानी अधिकारियों से 89 आदिवासी ब्लाक में सिंचाई सुविधा के विस्तार को लेकर तीन वर्ष की कार्ययोजना मांगी है। प्रस्ताव जनप्रतिनिधियों के साथ स्थानीय लोगों से संवाद करके तैयार किए जान हैं।

एक साल में छह लाख हेक्टेयर सिंचाई का लक्ष्य

प्रदेश में सिंचाई क्षमता के विस्तार को लेकर नर्मदा घाटी और जल संसाधन विभाग काम कर रहे हैं। एक वर्ष में छह लाख हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता में वृद्धि के लक्ष्य पर काम चल रहा है। पांच साल में इसे 100 लाख हेक्टेयर पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके लिए बड़ी परियोजनाओं पर तो काम हो ही रहा है, छोटी-छोटी परियोजनाओं को भी प्राथमिकता में लिया जाएगा। आदिवासी क्षेत्रों में वन क्षेत्र ज्यादा होने के कारण बड़ी परियोजनाएं बनाने में परेशानी भी आती है। भूमि अधिग्रहण में तमाम प्रक्रियाएं होती हैं जिससे काम प्रभावित होता है। वहीं, सिंचाई की सुविधा न होने से आदिवासी क्षेत्र में फसल उत्पादन भी प्रभावित होता है। किसान उन्नत खेती भी नहीं कर पाते हैं, जबकि उद्यानिकी फसलों की संभावना अन्य क्षेत्रों की तुलना में यहां अधिक रहती है। विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. राजेश राजौरा का कहना है कि प्रदेश में सिंचाई सुविधा का विस्तार हो रहा है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में सिंचाई क्षमता को 100 लाख हेक्टेयर पहुंचाने का है। आदिवासी क्षेत्रों में बड़ी परियोजना बनाने में स्थान की उपलब्धता, अधिग्रहण की समस्या आदि कारणों से कठिनाई होती है इसलिए फोकस ऐसी परियोजनाओं पर है जिनसे एक से दो हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो जाए।

इन 89 विकासखंडों के लिए मांगी कार्ययोजना

प्रमुख अभियंता जल संसाधन विनोद देवड़ा ने विभाग के सभी मुख्य अभियंताओं, परियोजना संचालकों को लिखे पत्र में कहा है कि आदिवासी विकासखंडों में सिंचाई सुविधा के लिए अगले तीन वर्ष की कार्ययोजना तैयार कर भेजना है। यह काम तीन दिन में करना है। देवड़ा ने फील्ड अफसरों से कहा है कि मंत्री तुलसी सिलावट ने यह कार्ययोजना मांगी है। जिसे प्राथमिकता में लेकर प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाए। जल संसाधन विभाग ने जिन 89 विकासखंडों के लिए कार्ययोजना मांगी है। उसमें इन जिलों के विकासखंड शामिल हैं। अलीराजपुर जिले के जोबट, कट्ठीवाड़ा, अलीराजपुर, उदयगढ़ और भाबरा, सोंडवा, डिंडौरी जिले के डिंडौरी, अमरपुर, समनापुर, करंजिया, मेहंदवानी और बजाग, अनूपपुर जिले के अनूपपुर, कोतमा, पुष्पराजगढ़, बैतूल जिले के आठनेर, शाहपुर, भैंसदेही, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी और बैतूल, धार जिले के धार, कुक्षी, सरदारपुर, धरमपुरी, निसरपुर, गंधवानी, बाग, डही, मनावर, नालछा, तिरला, उमरबन, बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, बड़वानी जिले के बड़वानी, सेंधवा, निवाली, पानसेमल, राजपुर, पाती, ठीकरी, मंडला जिले के निवास, बीजाडांडी, बिछिया, घुघरी, मंडला, मोहगांव, नैनपुर, नारायण गंज, मावई, खरगोन जिले के भीकनगांव, भगवानपुरा, खरगोन, महेश्वर, सेगांव, झिरन्या, गोगावा,छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव, बिछुआ, हर्रई, तामिया।

शहडोल जिले के जैतहरी, बुढ़ार, गोहपारू, सोहागपुर, जयसिंहनगर, सिवनी जिले के छपारा, धनोरा, घंसौर, कुरई, लखनादौन, झाबुआ जिले के झाबुआ, मेघनगर, पेटलावद, रामा, राणापुर, थांदला, श्योपुर जिले के कराहल, होशंगाबाद के केसला, बुरहानपुर के खकनार, खंडवा के खालवा, सीधी जिले के कुसमी, उमरिया जिले के पाली और रतलाम जिले के बाजना, सैलाना धामिल हैं।

जयपुर में मप्र का निवेश रोड शो, सीएम डॉ. मोहन यादव बोले

राजस्थान और मप्र के बीच अब पानी का रिश्ता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जयपुर में आयोजित 'इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश' को संबोधित करते हुए निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच पारंपरिक रिश्ते अब विकास और संसाधनों की साझेदारी तक मजबूत हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने राजस्थानवासियों को गणगौर पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दोनों राज्यों के बीच रोटी-बाती का संबंध अब पानी तक पहुंच गया है। उन्होंने दोनों राज्यों को जुड़वा भाई बताते हुए कहा कि यह साझेदारी भविष्य में विकास की नई इबारत लिखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है और राज्यों के बीच संसाधनों का समन्वय बेहतर हुआ है। उन्होंने राजस्थान के व्यापारियों की सराहना करते हुए कहा कि वे विपरीत परिस्थितियों में भी अवसर तलाशने में सक्षम हैं। अंत में उन्होंने निवेशकों से मध्यप्रदेश में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और दोनों राज्यों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने का आह्वान किया।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना ऐतिहासिक

डॉ. यादव ने पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि करीब एक लाख करोड़ रुपए की इस योजना में राज्यों को केवल 10 प्रतिशत राशि वहन करनी होगी, जबकि 90 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। इस परियोजना से सूखा प्रभावित क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की स्थिति बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए 26

नई नीतियां लागू की हैं, जिनमें उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण, होटल और अस्पताल क्षेत्र में पूंजी अनुदान तथा नए क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहन शामिल है। साथ ही, स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर के लिए भी नीति लाई जा रही है।

प्रदेश की उपलब्धियां गिनाई

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश अब बिजली सरप्लस राज्य बन चुका है और यहां उत्पादित बिजली से दिल्ली तक मेट्रो संचालित हो रही है। उत्तर प्रदेश के साथ बिजली साझा करने का मॉडल भी तैयार किया गया है, जिसके तहत मुरैना के पास प्लांट स्थापित कर दोनों राज्य बारी-बारी से बिजली का उपयोग करेंगे। मेडिकल सेक्टर में निवेश की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने के लिए एक रुपए की लीज पर जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

सरकार ने कृषि क्षेत्र में की कई नई पहल

कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में भी सरकार ने कई पहल की हैं। बड़ी गौशालाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराई जा रही है और प्रति गौमाता अनुदान को 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया गया है। साथ ही स्कूली बच्चों को निःशुल्क दूध वितरण योजना भी शुरू की गई है। पर्यटन और हवाई सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए रीवा में टाइगर सफारी और एयरपोर्ट विकसित किया गया है। राज्य की एविएशन पॉलिसी के तहत हवाई सेवाएं संचालित करने वाली कंपनियों को वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) दी जा रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति फ्लाइट 15 लाख रुपए तक सहायता शामिल है।

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल में 60 प्रतिशत पद खाली

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल जो विभिन्न शासकीय विभागों के लिए भर्ती प्रक्रिया संचालित करता है, खुद अपने ही विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है। हालात यह हैं कि मंडल में स्वीकृत 187 पदों के मुकाबले सिर्फ 73 कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जबकि 114 पद अब भी खाली पड़े हैं। यानी करीब 60 प्रतिशत पद रिक्त हैं। मंडल का मुख्य कार्य अलग-अलग सरकारी विभागों के लिए भर्ती करना है, लेकिन अपने ही यहां कर्मचारियों की कमी के कारण यह काम प्रभावित हो रहा है। कई अहम पद जैसे अतिरिक्त संचालक, नियंत्रक, संयुक्त संचालक, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, प्रोग्रामर, सहायक संचालक, लेखा अधिकारी और अधीक्षक के पद खाली हैं। डिप्टी कंट्रोलर के 5 पदों में से 4 खाली हैं, जबकि जूनियर अकाउंट्स ऑफिसर के 2 पदों में से 1 पद रिक्त है। सहायक ग्रेड-1 के 13 में से 10 पद, सहायक ग्रेड-2 के 28 में से 15 पद और सहायक ग्रेड-3 के 41 में से 23 पद खाली हैं। डाटा एंट्री ऑपरेटर के 5 में से 2 पद भी रिक्त हैं। इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अधिकांश पद भी खाली पड़े हैं।

अतिरिक्त प्रभार से चल रहा काम

कई महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय शुक्ला मंडल के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं, जबकि अजॉय कटेसरिया निदेशक का अतिरिक्त जिम्मा देख रहे हैं।

भर्ती परीक्षाओं पर भी असर

स्टाफ की कमी का असर मंडल की कार्यप्रणाली पर भी पड़ रहा है। पिछले साल मंडल ने 16 परीक्षाएं आयोजित की थीं, जबकि इस साल 22 परीक्षाएं कराने की योजना है। कर्मचारियों की कमी के कारण कई काम आउटसोर्स कर्मचारियों से कराए जा रहे हैं और निगरानी भी प्रभावित हो रही है। मंडल में पद खाली रहने की एक बड़ी वजह भर्ती परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताएं भी मानी जा रही हैं, जिसके चलते व्यवस्था प्रभावित हुई है।

बचे बजट से चुकाए जाएंगे बिजली बिल

भोपाल। मप्र में उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी महाविद्यालयों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। विभाग ने प्रदेश के सभी शासकीय कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे अपने यहां लंबित बिजली बिलों का भुगतान तत्काल प्रभाव से करें। इसके लिए कॉलेजों को आवंटित ग्लोबल बजट की शेष राशि का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है और विभाग के पास बड़ी मात्रा में बजट शेष बचा हुआ है। ऐसे में उच्च शिक्षा विभाग चाहता है कि इस राशि का उपयोग लंबित देनदारियों के निपटान में किया जाए, ताकि नए वित्तीय वर्ष में वित्तीय बोझ कम हो सके। इसी के तहत यह आदेश जारी किया गया है। विभाग के संयुक्त संचालक वित्त की ओर से जारी निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से संबंधित सभी लंबित बिजली बिलों का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके अलावा कॉलेजों में पानी और बिजली जैसे आवश्यक खर्चों के लिए पहले से ही बजट प्रावधान उपलब्ध है। निर्देशों में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि बजट उपलब्ध होने के बावजूद किसी कॉलेज में बिजली बिल लंबित पाया जाता है, तो संबंधित प्राचार्य को इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा। यानी इस बार विभाग ने जवाबदेही तय करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि लापरवाही पर कार्रवाई भी हो सकती है। उच्च शिक्षा विभाग का यह कदम प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। इससे एक ओर जहां सरकारी कॉलेजों की वित्तीय स्थिति अधिक पारदर्शी होगी, वहीं बिजली कंपनियों के बकाया भुगतान भी समय पर हो सकेंगे।

कॉलेजों में सेमेस्टर प्रणाली लागू होने के कोई आसार नहीं!

नई शिक्षा नीति की मूल धारणा अबतक लागू नहीं हो पाई

भोपाल। नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत सेमेस्टर सिस्टम को उच्च शिक्षा में अनिवार्य माना गया है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। इंदौर ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश की बात करें तो महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली लागू होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। जिसकी मूल धारणा जिसमें सेमेस्टर सिस्टम लागू किया जाना चाहिए वह हुआ ही नहीं। जानकारों के अनुसार मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में नई शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू करने वाला संभवतः पहला राज्य था। अभी तक 70 प्रतिशत ही इसे लागू किया गया है। वजह, बुनियादी सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव। उच्च शिक्षा विभाग ने श्रेय लेने के लिए आपाधापी में न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 लागू तो कर दी लेकिन उद्देश्य पूरा नहीं कर सकी। नई शिक्षा नीति सेमेस्टर सिस्टम में लागू करना थी, लेकिन उसे वार्षिक पर लागू किया। वहीं कुछ कॉलेजों को मल्टी डिसिप्लिनरी तो बना दिया गया लेकिन वहां प्रयोगशालाएं तक उपलब्ध नहीं है।

नई शिक्षा नीति छात्रों को बहुसंख्यक विषयों में पढने की सुविधा देती है लेकिन संभाग के अधिकांश महाविद्यालय संसाधनों के अभाव से जूझ रहे है। एनईपी में मल्टीपल च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट की सुविधा जो दी गई है वह तब तक नहीं मिल सकेगी जब तक मल्टीपल डिसिप्लिनरी महाविद्यालयों की स्थापना नहीं होगी या वर्तमान में संचालित महाविद्यालयों में अन्य संकायों खोले जाएंगे। जानकारों के मुताबिक जब तक छात्रों की एबीसी आईडी, एक समान सिलेबस और सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालय एक प्लेटफॉर्म पर नहीं आ जाते तब तक नई शिक्षा नीति को पूरी तरह लागू कर पाना मुश्किल होगा। हालांकि, ऐसे संस्थान जहां पर 10 विषयों के वोकेशनल कोर्स संचालित है, वहां छात्रों को तीन या चार विषयों को छोडकर अन्य विषयों में च्वॉइस तो दे सकते हैं, लेकिन विषय शिक्षक भी तो उपलब्ध हो, अन्यथा वोकेशनल कोर्स के विकल्प का कोई मतलब नहीं। शासन को उच्च शिक्षा संस्थानों में संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के बाद एनईपी लागू करना चाहिए।

समय पर नहीं हो सकी परीक्षा, मूल्यांकन

जानकारों के अनुसार वर्ष 2008 के आसपास सेमेस्टर लागू किया गया था, लेकिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी के प्रवेशित होने से सेमेस्टर सिस्टम की परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन समय सीमा पर पूरा नहीं हो सके। साथ ही तीन वर्षीय पाठ्यक्रम यूजी व दो वर्षीय पीजी के पाठ्यक्रम में चार वर्ष व तीन वर्ष लगने लगे। इतना ही नहीं सेमेस्टर सिस्टम होने के कारण साल में दो बार परीक्षा विश्वविद्यालय को आयोजित करना व इनका मूल्यांकन करवाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। कुल मिलाकर शैक्षणिक सत्र गड़बड़ा गए थे, जिसका विरोध जताया गया, अंततः सरकार ने 2016-17, 2017-18 से पुनः वार्षिक प्रणाली को लागू किया।

शासन की ओर से कोई निर्देश नहीं

हमें शासन की ओर से जब भी निर्देश आएंगे हम सेमेस्टर सिस्टम लागू कर देंगे। हालांकि अभी तक हमारे पास ऐसा कोई निर्देश नहीं है, जिसके चलते महाविद्यालयों में सेमेस्टर सिस्टम लागू नहीं किया है।

युद्ध की वजह से दवा की सरकारी सप्लाई भी संकट में

दवा कंपनियों को सता रहा है बड़े नुकसान का डर

भोपाल। मध्य-पूर्व एशिया में जारी युद्ध से दवा उद्योग भी अब संकट में आ गया है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग को होने वाली दवा आपूर्ति भी संकट में पड़ सकती है। एमएसएमई श्रेणी के दवा उद्योग जो सरकार को दवा आपूर्ति करते हैं, उनके लिए बड़ी लागत से तालमेल बैठाना मुश्किल हो गया है।

इस बीच कई तरह के कच्चे माल की आपूर्ति भी तंग है। दवा उद्योगों ने सरकार से सहयोग की मांग की है। सरकारी आपूर्ति के टेंडरों की मियाद बढ़ाने से लेकर राहत पैकेज की जरूरत बताई है। साथ ही जीवन रक्षक दवाओं के लिए नए दामों पर अलग से शार्ट टेंडर जारी करने की जरूरत करार दी गई है।

छोटे और मध्यम दवा निर्माता पर दबाव

स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को पत्र लिखकर बदली परिस्थितियों के हिसाब से नीतियों को बदलने की मांग रखी है। दवा उद्योगों के प्रतिनिधियों के अनुसार कच्चे माल की तेजी से बढ़ी कीमतों, सप्लाई चेन में बाधाओं तथा सरकारी सप्लाई अनुबंधों की सख्त समय-सीमा के कारण हजारों छोटे और मध्यम दवा निर्माता भारी दबाव में हैं। एमपी स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने कहा है कि यदि शीघ्र राहत नहीं दी गई, तो आने वाले दो-तीन महीनों में बड़ी संख्या में दवा निर्माण कर रही इकाइयां बंद हो सकती हैं। केंद्रीय एवं राज्य स्वास्थ्य निकायों को व अस्पतालों को होने वाली जेनरिक दवा की आपूर्ति का 90 प्रतिशत हिस्सा इन एमएसएमई दवा इकाइयों से ही जाता है। स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. दर्शन कटारिया ने कहा कि देश की दवा फैक्ट्रियों में आने वाला कच्चा माल करीब 75 प्रतिशत विदेश से आता है। इसकी कीमतें 30 से 70 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। साथ ही बदली परिस्थितियों में पैकेजिंग व अन्य सामग्री भी सिर्फ नकद भुगतान पर ही मिल रही है। जबकि सरकार को आपूर्ति के बाद महीनों तक भी दवा उद्योगों को भुगतान प्राप्त नहीं होता। स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के सचिव अजयसिंह दासुंदी कहते हैं कि सरकार यदि कुछ कदम उठाए तो इस संकट से राहत मिल सकती है।

जयभान सिंह पवैया बने राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष

भोपाल । लंबे इंतजार के बाद आखिरकार प्रदेश सरकार ने राजनीतिक नियुक्तियां शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश शासन के वित्त विभाग राज्य वित्त आयोग के गठन को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। आयोग में पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि केके. सिंह सदस्य और वीरेंद्र कुमार सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। भारत के संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत तथा मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार राज्यपाल द्वारा नए राज्य वित्त आयोग का गठन किया गया है। आयोग का मुख्य कार्य पंचायतों और नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति का पुनर्विलोकन करना होगा। आयोग राज्य के करों, शुल्कों, पथकरों और फीस से प्राप्त आय के राज्य एवं स्थानीय निकायों के बीच वितरण के सिद्धांत तय करेगा।

इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड और इटली जैसी टीमें होंगी शामिल

एशिया कप की तर्ज पर अब यूरो नेशंस कप की तैयारी, 2027 से हो सकता है आगाज

नई दिल्ली, ।

एशिया कप की तर्ज पर यूरो नेशंस कप कराने की तैयारी की जा रही है। क्रिकेट आयरलैंड इसके लिए बहुत मेहनत कर रहा है। अगर सबकुछ योजना के तहत चला तो 2027 में एक टी-20 टूर्नामेंट आयोजित किया जा सकता है, जिसमें इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड और इटली जैसी टीमें शामिल होंगी। भारत और श्रीलंका में हाल ही में आयोजित किए गए टी-20 वर्ल्ड कप में इन सभी टीमों ने हिस्सा लिया था, जिसमें इंग्लैंड ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन का बयान

क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ब्रायन मैकनीस ने यूरो नेशंस कप को लेकर कहा कि मैं काफी समय से अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ इस पर चर्चा कर रहा हूं। यह एक ऐसा विषय है, जिसके प्रति मैं बहुत जुनूनी हूं और जिस पर मुझे पूरी तरह से विश्वास है।

2027 की गर्मियों में होगी शुरुआत!

उन्होंने बताया कि अब बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और मुझे पूरा भरोसा है कि यह टूर्नामेंट जरूर होगा। समय आने पर कई स्टेकहोल्डर्स इसका हिस्सा बनेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि इसकी शुरूआत 2027 की गर्मियों में होगी। इसका सटीक फॉर्मेट और बाकी डिटेल्स भी समय आने पर घोषित की जाएंगी। मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में ऐसा हो जाएगा।

पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अलग-अलग इवेंट

उन्होंने कहा कि इससे जुड़े अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स और पार्टियों के साथ लगातार बातचीत चल रही है। मैं शुरू में ही यह साफ कर देना चाहता हूं कि यह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अलग-अलग इवेंट होगा। ब्रॉडकास्टर्स के नजरिए से अभी इस बारे में खुलकर बात करना थोड़ा जल्दबाजी होगी, जब तक कि सब कुछ पक्का न हो जाए, लेकिन हमें उम्मीद है कि ब्रॉडकास्टर्स इसमें जरूर दिलचस्पी दिखाएंगे।

एशिया कप की सफलता से मिली प्रेरणा

2025 का एशिया कप बहुत सफल रहा था। कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान तीन बार एक-दूसरे के खिलाफ खेले और दुनिया भर के लाखों क्रिकेट फैंस ने इन मैचों का लुत्फ उठाया। साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए छोटे से टकराव ने इस इवेंट में और भी रोमांच भर दिया था, क्योंकि टूर्नामेंट के दौरान कई विवाद भी सामने आए थे। इसमें कोई शक नहीं है कि 2025 एशिया कप ने क्रिकेट आयरलैंड को अपने क्षेत्र के लिए भी कुछ ऐसा ही करने के लिए काफी प्रेरित किया होगा।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है।

पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे।

अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

चयन पैनल बीसीसीआई की उपसमिति और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का अनुबंध सितंबर में समाप्त होना है। ऐसे में बीसीसीआई देखेगा कि अगरकर को आगे भी रखा जाये या किसी अन्य को ये जिम्मेदारी दी जाये। नियमों के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक रह सकता है और उसे करार आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध करने की जरूरत नहीं होती है। अगरकर जुलाई 2023 में चयनसमित के अध्यक्ष बने थे ऐसे में अगले साल सितबंर में उनके चार साल हो जाएंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षण कोच बने मूनी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। मूनी से पहले ये जिम्मेदारी ज्ञानेश्वर राव के पास थी। मूनी को कोच के तौर पर काफी अनुभव है । वह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के कोच रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। टीम में सहायक कोच के तौर पर मूनी मुख्य कोच हेमांग बदानी के साथ काम करेंगे। टीम में उनके अलावा मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच है। मूनी ने आयरलैंड की ओर से 64 एकदिवीसीय और 27 टी-20 मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सत्र में पांचवें स्थान पर रही थी और अब तक कोई भी आईपीएल खिताब उसने नहीं जीता है। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च को हो रही है। दिल्ली कैपिटल्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। पिछले सत्र में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पिछले सत्र में टीम के मेंटोर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन रहे थे। पीटर ने इस बार मेंटोर की जिम्मेदारी संभालने से इंकार कर दिया था।

पीटरसन ने कहा, मैं इस आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटोर नहीं बन सकता। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सत्र के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, हालांकि मैं आपको कमेंट्री बॉक्स करते हुए नजर आउंगा। साथ ही कहा कि आईपीएल दुनिया की सबसे अच्छी लीग है और मैं आप सभी से जल्द मिलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।' ' दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2026 सत्र की शुरुआत एक अप्रैल को लखनऊ में इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगा।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी।

इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अगल है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम

आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)!

पराग को कप्तान बनाये जाने से हैरान हुए बालाजी

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने आईपीएल सत्र के लिए राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर हैरानी जतायी है। बालाजी के अनुसार टीम के पास रविन्द्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी के होने के बाद भी युवा रियान को कपतानी देना अजीब सी बात है। रॉयल्स ने कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपरकिंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी सौंपी है। रॉयल्स आईपीएल में अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ करेगी।

बालाजी ने कहा, मैं इस फैसले से थोड़ा हैरान हूं, विशेषकर जब आपके पास यशस्वी जायसवाल, रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी कप्तानी के लिए उपलब्ध हों। साथ ही कहा कि इसके परिणाम मिश्रित को हो सकते हैं। मुख्य कोच कुमार संगकारा का मार्गदर्शन भी अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, आईपीएल में कप्तानी का अर्थ केवल मैदान पर फैसले लेने की क्षमता नहीं है बल्कि यह इस बारे में भी है कि आप ड्रेसिंग रूम में किस प्रकार से प्रबंधन करते हैं।

उन्होंने साथ ही कहा, इस नजरिए से मुझे लगता है कि यह दोधारी तलवार है। संगकारा से जरूर सहायता मिलेगी और आपको मार्गदर्शन की जरूरत है। हमने रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस के साथ एक सफल युवा कप्तान के तौर पर आगे बढ़ते देखा है। यह रियान पराग के लिए एक अवसर हो सकता है। अगर वह अपने प्रदर्शन को ठीक रहते हैं और अपनी लीडरशिप से मैदान पर प्रभाव छोड़ सकते हैं तो इससे उन्हें सहायता मिलती है। पराग ने आईपीएल के पिछले सत्र में सैमसन के नहीं रहने पर 8 मैचों मैच में कप्तानी की थी जिसमें से दो में टीम जीती थी।

वहीं कोच संगकारा का मानना है की टीम पराग की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, ''रियान ने दबाव में संयम से खेला है। क्रिकेट की अपनी अच्छी समझ का उन्होंने अच्छा नमूना दिखाया है। पहले से ही कप्तानी करने के कारण उन्हें ड्रेसिंग रूम का समर्थन मिला हुआ है। हमें भरोसा है कि वह कप्तान की भूमिका में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

अब जून से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का इस साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है। उसे आईपीएल के बाद अब जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके लिए भी भारतीय टीम अपनी पूरी ताकत से उतरते हुए शीर्ष खिलाड़ियों को ही अवसर देगी। इसके बाद वह आयरलैंड में तीन मैचों की टी टी20 सीरीज खेलते हुए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस रिपोर्ट के अनुसान ये मैच 26 और 28 जून को खेले जाएंगे। इस सीरीज से टीम लय हासिल करते हुए आगामी टी20 विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों का भी आंकलन करेगी।

टी20 विश्वकप में शुभमन ने मजाक में कही बात से बढ़ाया था अभिषेक का हौंसला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए आईसीसी टी20 विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह लगातार तीन मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाने की कड़वी यादें भूल नहीं पा रहे थे तभी उनके साथ क्रिकेट शुभमन गिल ने मजाकिया अंदाज में एक ऐसी बात कही थी जिससे अभिषेक का हौंसला तो बढ़ा ही साथ ही उनके अंदर उत्साह भी जाग गया। ये खुलासा बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स समारोह में अभिषेक ने किया। इसमें जब शुभमन से पूछा गया कि उन्होंने टूर्नामेंट से पहले अभिषेक को कोई सलाह दी थी तो शुभमन ने हंसते हुए कहा कि नंबर एक टी20 बल्लेबाज

को कौन सलाह दे सकता है भला। तभी अभिषेक ने कहा कि जब उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार तीन बार शून्य बनाया तो उन्होंने शुभमन को मैसेज किया था कि मुझे कोई बल्ला दे दे, इससे पहले कि कोई और रिकॉर्ड बन जाए। तक शुभमन ने बोला था, तू कर लेगा। हंसी मजाक में कही इस छोटी सी बात से अभिषेक का मनोबल बढ़ गया था। शुभमन ने तब अभिषेक की खराब फॉर्म को कोई समस्या नहीं मानते हुए उन्हें ऐसा खिलाड़ी माना जो स्वयं ही खराब दौर से बाहर आ जाएगा। इसके बाद जब अभिषेक से पूछा गया कि उन्हें किसका बल्ला सबसे ज्यादा पसंद है। तब . उन्होंने कहा कि शुभमन का। इसके बाद जब शुभमन से पूछा किया कि तो उन्होंने कहा कि ये हमेशा मेरा बल्ला मांगकर ही खेलता है। शुभमन और अभिषेक घरेल क्रिकेट में लंबे समय से एकसाथ खेले हैं। ऐसे में इनमें गहरी दोस्ती भी है। अभिषेक को हालांकि भारतीय टीम में जगह बनाने में काफी समय लग गया ।

आरसीबी के खेमे से गायब हुए तेज गेंदबाज यश दयाल

बंगलुरु। आईपीएल के 19 सत्र से ठीक पहले तेज गेंदबाज यश दयाल के अभ्यास सत्र में नहीं पहुंचने से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। यश के अचानक ही इस प्रकार लापता होने से प्रबंधन परेशान है। यश न तो टीम के ट्रेनिंग सेशन में पहुंचा और न ही प्रमोशनल मटेरियल में नजर आया जिससे उसके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यश के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास सत्र के साथ ही टीम बस में नहीं होने से प्रशंसकों को लग रहा है कि उसे बाहर कर दिया गया है। साल 2025 में आरसीबी को खिताब जिताने के बाद से यश दयाल ने कोई भी मैच नहीं खेला है और वह उन्होंने उत्तर प्रदेश की घरेलू टीम से भी दूर बने हुए हैं।

आईपीएल में अब तक सबसे सबसे अधिक छक्के मारने वाली टीम है मुम्बई इंडियंस

आरसीबी दूसरे और सीएसके तीसरे नंबर पर

मुम्बई । इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होगा। आईपीएल के इस सत्र में एक बार फिर दुनिया भर के क्रिकेटर भारत में खेलते दिखेंगे। विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के तौर पर पहचान बनाने वाली आईपीएल में जमकर चौके, छक्के लगते हैं। इस बार भी प्रशंसकों को इसमें बड़े शॉट देखने को मिलेंगे। इस लीग में हमेशा ही नये रिकार्ड बनते रहे हैं। इसी में से एक है सबसे अधिक छक्के का रिकार्ड। ये रिकार्ड पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस के नाम है। मुंबई की टीम ने साल 2008 से 2025 तक कुल 1823 से अधिक छक्के लगाये हैं। टीम ने अब तक कुल 277 मैचों खेलते हुए हर मैच में औसतन 6.44 छक्के लगाए गए हैं। वहीं मुम्बई की ओर से खेलते हुए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या ने काफी छक्के लगाए हैं। रोहित ने ही अकेले 300 से अधिक छक्के लगाये हैं। रोहित की कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब भी जीता है पर अब टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या के पास है।

वहीं सबसे ज्यादा छक्के मारने के मामले में दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) है। अब तक खेले गए 271 मैचों में आरसीबी ने 1774 छक्के लगाए हैं। इस टीम में विराट कोहली लंबे समय तक कप्तान रहे हैं हालांकि उसे एकमात्र खिताब पिछले सत्र में रजत पाटीदार की कप्तानी में मिला था। तीसरे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) है। सीएसके के नाम 1610 छक्के हैं। महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तान में सीएसके ने मुम्बई की तरह ही पांच बार खिताब जीता है हालांकि अब टीम की कप्तान रितुराज गायकवाड़ कर रहे हैं। वहीं किसी एक सत्र में सबसे अधिक छक्के की बात करें तो ये रिकार्ड सनराइजर्स के नाम है। इस टीम ने साल 2024 में सबसे अधिक 178 छक्के लगाये थे।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे का कार्यक्रम जारी किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे का कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से पहले 2 टी20 मैचों के लिए जून-2026 में आयरलैंड पहुंचेगी। तय कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। ये दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम का ये पिछले कुछ साल में आयरलैंड का यह चौथा दौरा होगा। भारतीय टीम इससे पहले साल 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड दौरे पर गई थी। भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में खेलेगी। बीसीसीआई आमतौर पर आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है। अब देखना होगा कि इस बार कौन सी टीम भेजी जाती है। भारतीय टीम का टी20 में आयरलैंड के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। दोनों टीमों के बीच अबतक 8 मैच खेले गए हैं और सभी मैचों में भारतीय टीम जीती है। आयरलैंड बोर्ड ने भी साल 2026 के लिए अपने कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। आयरलैंड भारत के खिलाफ सीरीज से पहले उसे वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज टी20 28 मई से 4 जून तक खेलनी है। आयरलैंड को अफगानिस्तान के खिलाफ 5 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 5 से 14 अगस्त के बीच खेली जाएगी।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये - रियान

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर

ही ध्यान दें। उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, 卐दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है। वहीं वैभव का लक्ष्य इस बार सबसे अधिक स्कोर का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ना रहेगा।

रवांडा की 15 साल की फैनी सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली महिला क्रिकेटर बनी

लागोस। रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। फैनी ने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ ये शतक लगाया।

फैनी उम्र अभी केवल 15 साल और 223 दिन ही है। इसी के साथ ही फैनी महिला टी20आई इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने पारी के 18वें ओवर में शतक लगाया। फैनी से पहले ये रिकार्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था। प्रोस्कोविया ने साल 2019 में 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। फैनी ने इस बार नाबाद 111 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की करेन रोल्टन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 96 रन बनाए थे। फैनी के रिकॉर्ड शतक की सहायता से रवांडा ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 210 रन बनाये। इसके बाद घाना को 8 विकेट पर 88 रन ही बना पायी और उसे 122 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टी20आई में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड फ्रांस के गुस्ताव मैक्योन के नाम है।

फरसा वाले बाबा की हत्या पर बवाल, गुस्साए लोगों ने किया पथराव,पुलिस को करना पड़ी फायरिंग

दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर लगा जाम

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद अंतर्गत कोसीकलां थाना क्षेत्र में गोरक्षा के लिए समर्पित विख्यात संत चंद्रशेखर, जिन्हें ब्रज क्षेत्र में फरसा वाले बाबा के नाम से जाना जाता था, की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस घटना के बाद लोगों में भारी गुस्सा छा गया। उन्होंने हत्या का आरोप लगाया और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की। इसी बीच पथराव होने लगा तब पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग करना पड़ी। इसमें कुछ लोगों को चोटे लगने और घायल होने की भी खबर है। इस मामले में स्थानीय लोग और गोरक्षक इसे गोतस्करों द्वारा गाड़ी से कुचलकर की गई हत्या करार दे रहे हैं, गुस्साए लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। वहीं पुलिस प्रशासन इसे

कोहरे के कारण हुआ हादसा बता रहा है।

घटना के अनुसार, बीती रात करीब 3 से 4 बजे के बीच बाबा चंद्रशेखर को गोतस्करी की सूचना मिली थी। वे अपनी बाइक से संदिग्धों का पीछा कर रहे थे, तभी नवीपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस भीषण भिड़ंत में बाबा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना फैलते ही पूरे ब्रज क्षेत्र में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई। क्रोधित ग्रामीणों और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तब और बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे पुलिसकर्मियों में भगदड़ मच गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा और कथित तौर पर हवाई फायरिंग भी हुई। पथराव में कुछ लोग घायल हुए हैं और कई वाहनों को नुकसान पहुँचा है।

स्थानीय लोगों ने मौके से एक संदिग्ध युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है, जबकि तीन अन्य फरार बताए जा रहे हैं। एसएसपी मथुरा ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला कोहरे के कारण हुए हादसे का लग रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बाबा चंद्रशेखर अपने निडर स्वभाव और गौ-सेवा के लिए विख्यात थे। उनके पार्थिव शरीर को उनके गांव अंजनोख स्थित गोशाला ले जाया गया है, जहाँ हजारों की संख्या में गौ-भक्त और ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े हैं। प्रशासन ने इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है।

जो बंगाल को छेड़ेगा, जहन्नुम जाएगा, ईद के मौके पर टीएमसी ने भाजपा को घेरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार किया है। कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित नमाज के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने हुंकार भरी और कहा कि जो भी बंगाल को छेड़ेगा, वह जहन्नुम में जाएगा। राज्य में जारी सियासी हलचल के बीच मुख्यमंत्री का यह बयान काफी आक्रामक माना जा रहा है।

ममता बनर्जी ने मंच से मुस्लिम समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और भाजपा लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रही हैं। उन्होंने एनआरसी और नागरिकता से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि कई लोगों के नाम काट दिए गए हैं, जिसके खिलाफ वह कोलकाता से दिल्ली और हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई लड़ चुकी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह बंगाल में सभी जातियों, समुदायों और पंथों के अधिकारों की रक्षा के लिए अंत तक खड़ी रहेंगी। प्रधानमंत्री और भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, आप हमारी सरकार को जबरदस्ती नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और राज्य में

राष्ट्रपति शासन लगाने की मंशा रखते हैं। लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। जो डरते हैं, वो मरते हैं और जो लड़ते हैं, वही जिंदगी में कामयाब होते हैं। उन्होंने विपक्षी दल को गद्दारों की पार्टी करार देते हुए आगाह किया कि कुछ लोग वोट बांटने के लिए प्रतिद्वंद्वी दलों से पैसे ले रहे हैं, लेकिन उनकी साजिशें कामयाब नहीं होंगी।

अपने संबोधन के दौरान ममता बनर्जी ने शायराना अंदाज में विरोधियों को चुनौती दी। उन्होंने सरफरोशी की तमन्ना और वही होता है जो मंजूरें खुदा होता है जैसे उद्धरणों का उपयोग करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल को निशाना बनाने वालों का अंत बुरा होगा। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण का समापन करते हुए कहा कि उनका एकमात्र और अंतिम इरादा देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बचाना है। इस दौरान मंच पर अभिषेक बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

भारत की दहलीज पर एक और संकट, ईरान-इजरायल जंग की आंच हिंद महासागर तक पहुंची

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब केवल थलीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसकी तपिश हिंद महासागर तक पहुंच गई है। ईरान द्वारा हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य बेस डिएगो गार्सिया पर मिसाइल हमले के बाद वैश्विक हड़कंप मच गया है। हालांकि इस हमले में किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन युद्ध का केंद्र मध्य-पूर्व से खिसक कर भारत के समुद्री पड़ोस तक आना नई दिल्ली के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

यह संकट तब गहराया जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया, जिसके जवाब में तेहरान ने कतर और सऊदी अरब जैसे देशों की आपूर्ति श्रृंखला पर प्रहार किया। वर्तमान में होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पहले ही बाधित है, और अब हिंद महासागर में बढ़ते तनाव ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी कॉरिडोर पर खतरे के बादल मंडरा दिए हैं। डिएगो गार्सिया भारत के तट से मात्र 1800 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो सामरिक और आर्थिक दोनों लिहाज से भारत का वॉटर गेटवे माना जाता है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि देश का 90 प्रतिशत व्यापार और लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात इसी समुद्री मार्ग से होता है। हिंद महासागर भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है, जहाँ से मध्य-पूर्व, पूर्वी एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले प्रमुख समुद्री मार्ग गुजरते हैं। यदि यह क्षेत्र युद्ध की चपेट में आता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह चरमरा सकती है। रणनीतिक रूप से भारत पहले ही इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलअंदाजी और उसकी स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति का मुकाबला करने के लिए अपनी नौसैनिक उपस्थिति बढ़ा रहा है।

धामी बने 'धुरंधर', उत्तराखंड विकास की राह पर अग्रसरः राजनाथ सिंह

हल्द्वानी । उत्तराखंड सरकार के ५चार साल बेमिसाल५ कार्यक्रम के तहत हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज में आयोजित भव्य जनसभा में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रक्षा मंत्री का नंदा देवी मंदिर की प्रतिकृति एवं स्थानीय हस्तनिर्मित शॉल भेंट कर स्वागत किया। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में उत्तराखंड के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि यह देवभूमि आस्था, अध्यात्म, ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की भूमि रही है। यहां के लोग सौम्य, परिश्रमी और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने धामी सरकार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ तेजी से कार्य कर रही

है। मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ५धामी ने केवल धाकड़ हैं, बल्कि अब धुरंधर बन चुके हैं५, जो प्रदेश के विकास के लिए निरंतर प्रभावी निर्णय ले रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर चुका है और यह यात्रा बलिदान, संघर्ष और विकास की कहानी रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी, बिजली क्षमता विस्तार, पर्यटन, रोजगार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। छोटा राज्य होने के बावजूद हर क्षेत्र में उत्तराखंड ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि राज्य की जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और प्रति व्यक्ति आय में भी बड़ा इजाफा दर्ज किया गया है, जो विकास की गति को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने धामी सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों- यूनिफॉर्म सिविल कोड, नकल विरोधी कानून, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और सीमांत गांवों के विकास-को मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने यूसीसी लागू कर सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। अवैध घुसपैठ और अतिक्रमण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि देवभूमि की पवित्रता और सुरक्षा बनाए रखना आवश्यक है। राज्य सरकार द्वारा हजारों अतिक्रमण हटाए गए हैं और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सीमांत क्षेत्रों के विकास, वाइब्रेंट विलेज योजना और पलायन रोकने के लिए ठोस प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ५पहाड़ की जवानी और पानी५ का उपयोग स्थानीय विकास के लिए होना चाहिए, जिससे युवाओं को रोजगार मिले और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख किया।

डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया को खत्म कर नेशनल डेंटल कमीशन की स्थापना की गई

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने देश की दंत चिकित्सा शिक्षा और ओरल हेल्थकेयर में सुधार लाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) को समाप्त कर अब उसके स्थान पर नेशनल डेंटल कमीशन (एनडीसी) की स्थापना की गई है। 19 मार्च 2026 को जारी अधिसूचना के साथ ही यह नई व्यवस्था लागू हो गई है और 75 साल पुराने डेंटिस्ट एक्ट, 1948 को निरस्त किया गया है। नेशनल डेंटल कमीशन के तहत तीन मुख्य बोर्ड बनाए गए हैं जो विशिष्ट कार्यों की देखरेख करने वाले है। इसमें यूजी और पीजी डेंटल एजुकेशन बोर्ड का गठन किया गया है। यह दंत शिक्षा के मानकों और पाठ्यक्रम की निगरानी करेगा। वहीं डेंटल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड यह दंत चिकित्सा संस्थानों के मूल्यांकन, रेटिंग और मान्यता का कार्य संभालेगा। इसके अलावा एथिक्स एंड डेंटल रजिस्ट्रेशन बोर्ड बनाया गया है। यह दंत चिकित्सकों के पंजीकरण और पेशेवर आचार संहित पर नजर रखेगा।

कमीशन के सुचारू संचालन के लिए डॉ. संजय तिवारी को चेयरपर्सन बनाया गया है। उनके साथ डॉ. मौसमी गोस्वामी पार्ट-टाइम सदस्य और अरिंदम मोडक सचिव के रूप में कार्यभार देखने वाले है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य दंत चिकित्सा शिक्षा में पारदर्शिता लाना और भारतीय ओरल हेल्थकेयर को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है।

आगामी विधानसभा चुनावों के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में ईवीएम-वीवीपीएटी का पहला यादृच्छिकीकरण कार्य पूरा

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 15 मार्च, 2026 को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और छह राज्यों में उपचुनाव कार्यक्रम घोषित किया है। ईवीएम का आवंटन दो चरणों वाली यादृच्छिक प्रक्रिया के माध्यम से संबंधित मतदान केंद्रों को किया जाता है। पहले चरण में, जिला स्तरीय गोदामों से विधानसभा क्षेत्रों को ईवीएम का यादृच्छिक आवंटन किया जाता है। दूसरे चरण में विधानसभा क्षेत्र स्तर से मतदान केंद्र स्तर तक ईवीएम का यादृच्छिक आवंटन किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के अनुसार, सभी मतदान वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) में मानकों को पूरा करने वाली ईवीएम-वीवीपीएटी मशीनों का पहला यादृच्छिकीकरण पूरा करना होगा। तदनुसार, असम और केरल राज्यों और पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश के आम चुनावों के साथ-साथ गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा राज्यों में होने वाले उपचुनावों के लिए ईवीएम का पहला यादृच्छिकीकरण पूरा हो चुका है, जिनके लिए मतदान 9 अप्रैल, 2026 को होगा। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में डीईओ द्वारा ईवीएम प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के माध्यम से पहला यादृच्छिकीकरण किया गया। सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उनके संबंधित जिला मुख्यालयों में यादृच्छिक रूप से चयनित ईवीएम और वीवीपीएटी की निर्वाचन क्षेत्रवार सूचियां साझा की गई हैं।

कच्चे तेल पर रार बरकरार- रूस पर अमेरिका की छूट के बाद ईरान की दो टूक...

हमारे पास कोई अतिरिक्त तेल नहीं, बाजार में अनिश्चितता

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के चौथे सप्ताह में वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मची है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की चिंताओं के बीच अमेरिका ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दी है। हालांकि, ईरान ने यह कहकर बाजार को चौंका दिया है कि उसके पास अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए कोई अतिरिक्त कच्चा तेल उपलब्ध नहीं है, जो कंटेनर पर लोड हो चुका हो। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को स्थिर करने के लिए यह राहत दी है। यह छूट उन जहाजों पर लागू होगी जिन पर 20 मार्च 2026 तक कच्चा तेल लोड हो चुका है। यह 19 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेगी और अमेरिका में ईरानी तेल आयात को भी मंजूरी देगी। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के अनुसार, इसका मुख्य उद्देश्य आपूर्ति के दबाव को कम करना है। अमेरिका का अनुमान था कि इस छूट से करीब 14 करोड़ बैरल कच्चा तेल तुरंत बाजार में आएगा। बेसेंट ने दावा किया कि चीन सस्ते में प्रतिबंधित ईरानी तेल जमा कर रहा है। ट्रंप प्रशासन होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान कम करने के लिए 44 करोड़ अतिरिक्त बैरल तेल लाने की कोशिश कर रहा है। ईरान के तेल मंत्रालय ने अमेरिका के इस कदम का कड़ा खंडन किया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने अतिरिक्त तेल उपलब्ध न होने की बात स्पष्ट की। ईरान ने अमेरिकी ट्रेजरी सचिव की टिप्पणियों को केवल खरीदारों को आश्वस्त करने का हथकंडा बताया।

अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को स्थिर करने के लिए प्रतिबंधों में अस्थायी राहत दी है। यह छूट 20 मार्च 2026 तक लोड हुए तेल वाले जहाजों पर लागू होगी। यह 19 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेगी। अमेरिका में ईरानी कच्चे तेल और उत्पादों के आयात को भी मंजूरी मिली है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने आपूर्ति दबाव कम करना मुख्य उद्देश्य बताया। अमेरिका का अनुमान था कि इससे करीब 14 करोड़ बैरल तेल तुरंत बाजार में आएगा। ईरान के तेल मंत्रालय ने अमेरिका के इस कदम का कड़ा खंडन किया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने अतिरिक्त तेल उपलब्ध न होने की बात कही। ईरान ने अमेरिकी टिप्पणियों को केवल खरीदारों को आश्वस्त करने का प्रयास बताया।

खड़गे के घर रातभर हाई-वोल्टेज ड्रामा! कांग्रेस की कैंडिडेट लिस्ट पर राहुल गांधी ने लगाई रोक

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूँकने के साथ ही कांग्रेस के भीतर उम्मीदवारी को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है। 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के बीच भारी हलचल देखी गई। मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर रात 10:30 बजे शुरू हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक तड़के 2:30 बजे तक चली। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे की मुख्य वजह राहुल गांधी की नाराजगी थी, जिन्होंने केरल के उम्मीदवारों की शुरुआती सूची पर रोक लगाते हुए पूरी प्रक्रिया पर फिर से मंथन करने का निर्देश दिया। राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है कि अब टिकटों का बंटवारा महज सिफारिशों के आधार पर नहीं, बल्कि डेटा ड्रिवन पॉलिटिक्स के तहत होगा। उन्होंने मांग की कि हर सीट पर जातीय समीकरण, सर्वे रिपोर्ट और जमीनी फीडबैक को आधार बनाया जाए। इस कड़े रुख के कारण कई दिग्गजों के चुनावी अरमानों पर पानी फिर गया है। राहुल गांधी ने साफ निर्देश दिया है कि कोई भी मौजूदा लोकसभा सांसद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगा। इस फैसले से के. सुधाकरन और शफी परम्बिल जैसे कद्दावर नेताओं को बड़ा झटका लगा है। नेतृत्व का तर्क है कि सांसदों के चुनाव लड़ने से अनावश्यक उपचुनाव का बोझ बढ़ता है और मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भ्रम पैदा होता है।

टिकट वितरण की इस खींचतान में गुटबाजी भी हावी नजर आई। चर्चा है कि सूची में के.सी. वेणुगोपाल गुट का दबदबा रहा है, जिन्हें करीब 60 प्रतिशत सीटें मिली हैं। वहीं, रमेश चेन्निथला और वी.डी. सतीशन के गुटों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। कांग्रेस ने इस बार सोशल इंजीनियरिंग पर दांव लगाते हुए 92 में से 52 टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को दिए हैं। हालांकि, महिला प्रतिनिधित्व को लेकर पार्टी के भीतर ही बगावत के सुर तेज हो गए हैं। 92 उम्मीदवारों में केवल 9 महिलाओं को जगह मिलने पर प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की है। सत्ता की वापसी की कोशिश में जुटी कांग्रेस के लिए अब इस अंदरूनी असंतोष और गुटबाजी से निपटना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

देश के 17 राज्यों का मौसम : 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और झमाझम होगी बारिश

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के बड़े हिस्से में मौसम ने खतरनाक करवट ली है। गर्मी की आहट के बीच अचानक आए इस बदलाव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पटना, कोलकाता और मध्य प्रदेश तक बादलों के डेरे और बारिश ने तापमान में भारी गिरावट दर्ज की है। मौसम विभाग ने अब देश के 17 राज्यों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसमें अगले 48 से 72 घंटों के दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं, गरज-चमक और ओलावृष्टि का अलर्ट शामिल है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस अचानक आए बदलाव की मुख्य वजह एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी का

मिलन है। इस संयुक्त प्रभाव के कारण उत्तर भारत के साथ-साथ पश्चिमी और मध्य भारत में भी मौसम असामान्य बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में दोपहर होते ही तेज धूप घने बादलों में छिप रही है, जिससे सड़क यातायात और विमान सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में देखी जा रही है। यूपी के कई जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है, जबकि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले झोंकों से भूस्खलन और बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है, जो फसलों के लिए काल बन सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में ओले गिरने से गेहूं और सरसों की तैयार खड़ी फसलों को भारी नुकसान होने का डर है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिमी भारत के महाराष्ट्र और गुजरात में भी प्री-मानसून गतिविधियों के कारण तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है। दक्षिण भारत के राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी हल्की बारिश के आसार हैं। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे खराब मौसम के दौरान पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। अगले पांच दिनों तक मौसम का यह अस्थिर दौर जारी रहने की संभावना है। फिलहाल, अचानक आई इस ठंडक ने गर्मी से राहत तो दी है, लेकिन आंधी और ओलों के रूप में यह कुदरती मार आम जनता और विशेषकर कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

दुनिया देख रही तिरंगे की ताकत...होर्मुज स्ट्रेट से एलपीजी गैस लेकर निकलने को तैयार दो टैंकर

नई दिल्ली। ईरान जंग से होर्मुज में तेल और गैस के टैंकर जहां-तहां फंसे हैं। ईरान के डर से कोई भी होर्मुज पार करने की हिम्मत नहीं दिखा रहा है। जो भी होर्मुज पार करने की कोशिश करता है, ईरान उस पर अटैक कर देता है। अमेरिका से लेकर इजरायल होर्मुज को खोलने को बेताब हैं। होर्मुज बंद होने से तेल और गैस के दाम आसमान छू रहे हैं। ईरान अब अमेरिका-इजरायल से जंग का बदला होर्मुज को बंद करके ले रहा है। इस बीच भारत अपने जहाजों को निकालने के लिए लगातार ईरान से बात कर रहा है। इस बातचीत का ही नतीजा है कि बीते 24 घंटे से होर्मुज में एक भी जहाज टस से मस नहीं हुआ, मगर तिरंगा वाले दो जहाज अब भारत रवाना होने को तैयार हैं।

जी हां, ईरान ने बीते 24 घंटे में होर्मुज से एक भी जहाज को पार नहीं करने दिया है। लेकिन भारत की बातचीत का असर है कि ईरान ने तिरंगा वाले झंडे को निकलने की छूट दे दी है। जी हां, शिपिंग डेटा और सूत्रों के मुताबिक, दो भारतीय झंडे वाले एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस टैंकर आने वाले दिनों में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं। यह तब हो रहा है, जब पिछले 24 घंटों में कोई भी क्रूड ऑयल टैंकर इस रास्ते से नहीं गुजरा है।

दरअसल, जब से तेहरान ने होर्मुज स्ट्रेट के जरिए खाड़ी से निकलने की कोशिश करने वाले जहाजों पर हमला करने की धमकी दी है, तब से सैकड़ों जहाजों ने लंगर डाल दिया है। होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया भर में करीब 20 प्रतिशत तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस का कारोबार होता है। डेटा के मुताबिक, भारत के दोनों गैस टैंकर अभी होर्मुज के पास खाड़ी के पानी में लंगर डाले हुए हैं। वे बहुत जल्द ये रवाना हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूद डेटा के आधार पर पिछले 24 घंटों में क्रूड टैंकरों ने इस रास्ते से कोई यात्रा नहीं की है। एक खाली क्रूड ऑयल टैंकर जिस पर अमेरिकी पाबंदियां लगी हैं, 18 मार्च को ईरानी पानी की ओर लौट आया है। शुक्रवार को पता चला कि भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत ने बताया कि वे यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। ये दोनों टैंकर खाड़ी में यूनाइटेड अरब अमीरात के हब शारजाह के पास खड़े हैं।

आयकर नियमों में बदलाव- खाने और कार पर मिलेगी टैक्स छूट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा नए आयकर नियमों में आम करदाताओं को बड़ी राहत मिलने जा रही है। 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले इस नई टैक्स नियमों में अब मील कूपन (खाने के खर्च) और कंपनी द्वारा दी जाने वाली कार अथवा परिवहन की सुविधाओं पर भी टैक्स छूट का प्रावधान किया गया है। नए प्रावधानों के तहत, कर्मचारियों को मिलने वाले फूड कूपन और कंपनी कार जैसे बेनिफिट्स को टैक्स में आंशिक राहत दी गई है। नौकरीपेशा लोगों को इसका फायदा होगा। सरकार ने कुछ पारंपरिक छूटों में भी बदलाव किया है। 80सी और 80डी जैसी प्रमुख कटौतियों का लाभ नए टैक्स रिजीम में नहीं मिलेगा,इसके बदले स्टैंडर्ड डिडक्शन को बरकरार रखा गया है।

बालाघाट
रविवार 22 मार्च 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

गर्रा में अतिक्रमण हटाने में बाधा, बिसेन बंधुओं के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत गर्रा में शासकीय भूमि पर मंदिर निर्माण और मूर्ति स्थापना को लेकर हुए विवाद में प्रशासन और पुलिस ने विस्तृत जानकारी देते हुए पूरे घटनाक्रम

को स्पष्ट किया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने बताया कि संबंधित भूमि शासकीय है और उस पर पूर्व से सड़क निर्माण प्रस्तावित है। इसके बावजूद वहां मंदिर का निर्माण कर प्रतिमा स्थापित करना नियमों के विरुद्ध पाया गया। अधिकारियों ने जांच के आधार पर यह भी खुलासा किया कि कुछ लोगों द्वारा धार्मिक आस्था का सहारा लेकर उक्त भूमि पर कॉम्प्लेक्स निर्माण की मंशा से गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। मंदिर निर्माण को इसी योजना का हिस्सा बताया गया, जो कि प्रशासनिक दृष्टि से पूरी तरह अवैध है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इस दौरान क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई, जिसमें अधिकांश लोगों ने सहयोग भी किया। हालांकि, कार्रवाई के दौरान कुछ व्यक्तियों द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया गया। इस पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए वैभव बिसेन और विशाल बिसेन के विरुद्ध शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में प्रकरण दर्ज किया है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जंगल से भटककर आया हाथी पहुँचा बालाघाट

4 दिनों से हाथी की गतिविधियों पर रखी जा रही नजर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्ष 2022 की तरह ही इस वर्ष भी एक बार फिर छत्तीसगढ़ के रास्ते एक जंगली हाथी रास्ता भटक कर जिले में प्रवेश कर चुका है।जिसके चलते जिले के किरनापुर-लांजी क्षेत्र के जंगलों में इन दिनों जंगली हाथी की एंट्री से हलचल मची हुई है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जंगल से भटककर आया यह हाथी बाघ नदी पार कर अब वन क्षेत्र में पहुंच चुका है। जिसकी गतिविधियों पर पिछले चार दिनों से वन विभाग अपनी पैनी नजर बनाए हुए है।वही विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सिरका और मंडवाझरी बीट के जंगलों में कर रहा विचलन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जंगली हाथी किरनापुर वन परिक्षेत्र के सिरका और मंडवाझरी बीट के जंगलों में लगातार विचरण कर रहा है।विभाग द्वारा जंगल में मिले हाथी के पदचिह्न और लिद से उसकी मौजूदगी की पुष्टि की गई है। बताया गया कि हरियाली और पानी की उपलब्धता के कारण हाथी ने फिलहाल इसी इलाके में डेरा जमा लिया है, जिससे आसपास के गांवों में दहशत और उत्सुकता दोनों बनी हुई है।

लगातार लोकेशन ट्रेक कर रहा वन विभाग

उधर उक्त हाथी के जंगल पहुंचने की खबर मिलते ही वन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है जहा विभाग का अमला लगातार हाथी की मूवमेंट पर नजर रखे हुए है और ड्रोन कैमरों से उसकी लोकेशन ट्रैक की जा रही है। उधर किसी भी प्रकार की जनहानि से बचने के लिए, विभाग द्वारा ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल की ओर अकेले न जाएं, हाथी को उकसाने की कोशिश न करें और दिखाई देने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें। फिलहाल किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

हाथी को नुकसान ना पहुचाए, विभाग को करे सूचित-राकेश कुमार अड़कने

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वन विभाग एसडीओ राकेश कुमार अड़कने ने बताया कि वन विभाग ग्रामीणों को सतर्क करने मे जुटा है। विभाग द्वारा मुनादी के माध्यम से जंगली हाथी से दूरी बनाए रखने की लगातार अपील की जा रही है हमने क्षेत्र के ग्रामीणों को जंगली हाथी से सतर्क रहने की अपील की है।क्यो की जंगली हाथी अधिकतर नुकसान पहुंचाते है। यदि वे गांव तरफ आते है तो इसकी सूचना तत्काल वन अमले को दें। हाथियों को कुछ न करें। उन्हें यदि गुस्सा आता है तो गांव में ज्यादा नुकसान पहुंचाने लगते है। साथ ही ये लोगों के लिए भी खतरा बन सकते है। इसलिए हमारी अपील है कि कुछ दिनों के लिए वनों में न जाए ,हाथी को नुकसान ना पहुंचाएं, परिक्षेत्र से लगे ऐसे ग्राम जहां किसानों ने फसल लगाई है उन फसलों को नुकसान से बचने के लिए करंट या कीटनाशक का उपयोग न करें, वही हाथी का मूवमेंट या कोई सूचना मिलने पर तत्काल विभाग से सम्पर्क करें, ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना अंतर्गत परसाटोला रोड पर स्थित पुलिया के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतक राजू धुर्वे पिता रवनुसिह धुर्वे 36 वर्ष ग्राम केन्डाटोला थाना बिरसा निवासी है। मलाजखंड पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजू धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। जिनमें बड़ा बेटा सहिद धुर्वे पंडरापानी छात्रावास में रहकर कक्षा तीसरी में पढ़ाई करता है और बेटी के जी वन में पढ़ाई कर रही है।बताया गया है कि 18 मार्च की रात्रि 8 बजे राजू धुर्वे पंडरापानी छात्रावास से अपने बेटे सहिद धुर्वे को मोटरसाइकिल में लेकर अपने घर केन्डाटोला आ रहा था। तभी परसाटोला रोड पुलिया के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। जिसे राजू धुर्वे और उसका बेटा सहिद धुर्वे मोटरसाइकिल सहित गिर गए इस दुर्घटना में राजू धुर्वे घायल हो गया था। खबर मिलते ही उसका साला राकेश मेरावी परिवार के साथ मौके पर पहुंचा और घायल अपने जीजा राजू धुर्वे को घर ले गये उसे समय राजू धुर्वे होश में था और वह बातचीत कर रहा था। दूसरे दिन 19 मार्च को राजू धुर्वे की हालत बिगड़ने पर उसे बिरसा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। राजू धुर्वे को बिरसा के अस्पताल से एंबुलेंस में जिला अस्पताल बालाघाट ला रहे थे। तभी उकवा के पास राजू धुर्वे का शरीर ठंडा पड़ गया था और उसने बोलना बंद कर दिया था। राजू धुर्वे को पुन: बिरसा के अस्पताल ले गए। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिये। राजू धुर्वे की बिरसा से जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। 20 मार्च को मलाजखंड पुलिस ने राजू धुर्वे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

बिजली बिल वसूली टीम को उपभोक्ता ने गाड़ी जलाने और जान से मारने की दी धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जगला में बिजली बिल की बकाया राशि वसूल गई विद्युत विभाग की टीम एक विद्युत उपभोक्ता ने बिजली बिल दिए बिना अश्लील गाली गलौज करते हुए बिजली का कनेक्शन काटने पर उनकी गाड़ी को जलाने के साथ ही जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना 20 मार्च को दोपहर में हुई। बिरसा पुलिस ने इस मामले में लाइनमैन अजय कुमार धुर्वे द्वारा की गई रिपोर्ट पर विद्युत उपभोक्ता पुनाराम पिता अर्जुन रनकुहे के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जगला निवासी विद्युत उपभोक्ता पुनाराम रनकुहे के द्वारा 11 माह से बिजली बिल का भुगतान नहीं किया गया था। 20 मार्च को लाइनमेन अजय कुमार धुर्वे अपनी टीम के मीटर वाचक जितेंद्र बिसेन, चंद्रकांत यादव, गजानंद राहंगडाले, बैहर डिवीजन से बेलसिह उइके, धनेंद्र बघेल, मीटर वाचक भूपेंद्र राजपूत के साथ बिजली बिल की बकाया राशि वसूलने के लिए ग्राम जगला गए थे। जैसे ही वे विद्युत उपभोक्ता पुनाराम रनकुहे के घर गए और कर्मचारियों ने पुनाराम रनकुहे से 11 माह का बकाया बिजली बिल भुगतान करने के लिए बोले तभी पुनाराम भड़क गया और आवेश में आकर बिजली बिल दिए बिना ही कर्मचारियों को घर की लाइट काट पर बिजली की गाड़ी जलाने के साथ ही अश्लील गालियां देने लगे। कर्मचारियों ने पुनाराम को समझाने का प्रयास किया किंतु वह उन्हें दोबारा बिजली बिल मांगने या बिजली का कनेक्शन काटने के लिए आने पर भी जान से खत्म कर देने की धमकी देने लगा। विद्युत उपभोक्ता पुनाराम रनकुहे कि इस हरकत से यह टीम बिजली बिल वसूले बिना ही वापस लौट गई। इस टीम के प्रभारी लाइनमैन अजय कुमार धुर्वे थे। जिनके द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने विद्युत उपभोक्ता पुनाराम रनकुहे के विरुद्ध शासकीय कर्मचारियों को अश्लील गालियां और जान से मारने की धमकी देकर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

ट्रैक्टर नाली में पलटा-दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बघोली में ट्रैक्टर नाली में पलटने से दो व्यक्ति घायल हो गए। दोनों घायल नंदकिशोर पिता मानक कटरे 40 वर्ष और आशीष पिता पति राम सिरसाम 21 वर्ष दोनों ग्राम बघोली निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नंदकिशोर कटरे खेती किसानी करते हैं।21 मार्च को सुबह 8:00 बजे नंदकिशोर कटरे आशीष सिरसाम के साथ ट्राली ट्रैक्टर लेकर अपने खेत गेहूं का गठ्ठा लाने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर नंदकिशोर कटरे चला रहे थे। तभी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर रोड किनारे नाली में पलट गया। जिससे नंदकिशोर कटरे और आशीष सिरसाम दोनों घायल हो गए दोनों घायल को वारासिवनी के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट